ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम की भूमिका को उजागर करने वाले आरटीआई कार्यकर्ता को भू-... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 03 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-246

अलकायदा का पिट्ठू अंसार अल इस्लाम नए नाम से सक्रिय

पश्चिम बंगाल से ऑपरेट कर रहा 'अस शहादत'

सूफी यायावर
कोलकाता, 02 सितंबर।

कुख्यात आतंकी संगठन से जुड़े जमातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) यानी अंसार अल इस्लाम ने अस शहादत नाम से एक नया संगठन बनाया है, जिसे सलाउद्दीन सालेहिन और हबीबुल्लाह सहित कई जिहादी सरगना पश्चिम बंगाल से ऑपरेट कर रहे हैं। एनआईए का कहना है कि सलाउद्दीन सालेहिन और हबीबुल्लाह 2014 से ही पश्चिम बंगाल में रह रहा है। बांग्लादेश के आतंकवाद विरोधी बल रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने कॉक्स बाजार जिले के चौफोंडी क्षेत्र से तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया, तब जाकर अस शहादत के पंश्चिम बंगाल से ऑपरेट किए जाने का खुलासा हुआ।

उल्लेखनीय है कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) अब अंसार अल इस्लाम के नाम से सक्रिय है। उसके शीर्ष कमांडर सलाउद्दीन सालेहिन को उसके साथियों ने 2014 में मैमनसिंह जिले के त्रिशाल इलाके में जेल वैन से छुड़ा लिया था। वह भाग कर पश्चिम बंगाल पहुंच गया। तब से सालेहिन पश्चिम बंगाल में रह रहा है और भारत में जिहादी नेटवर्क फैला रहा है। बोधगया और बर्दवान के खगरागढ़ में हुए विस्फोटों में शामिल सलाउद्दीन सालेहिन कई मौकों पर बच निकलने में कामयाब रहा। सलाउद्दीन ने बांग्ला भाषी मजदूरों के बीच जेएमबी के नेटवर्क को फैलाने के लिए तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल का भी दौरा किया। खगरागढ़ विस्फोट मामले में गिरफ्तार आतंकी जाहिदुल इस्लाम से पूछताछ के बाद दक्षिण भारतीय राज्यों में सलाउद्दीन की गतिविधियों का पता चला। एनआईए के अधिकारियों को पता चला कि सलाउद्दीन भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र के कूचबिहार, उत्तर दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद और नदिया गांवों में ठिकाने बदल बदल कर ▶10 पर

मुस्लिम बहुल जिले हैं सालेहिन और हबीबुल्लाह के ठिकाने

बीएनपी-जमात फैला रही गजवा-ए-हिंद का कुचक्र

बांग्लादेश में हाल ही में हुई हिंसा में करोड़ों डॉलर की सार्वजनिक सम्पत्ति नष्ट की गई। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को 7 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ। यह कुकृत्य अलकायदा से जुड़ी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) ने अपने सदस्यों और कार्यकर्ताओं के जरिये किया। इसका नेतृत्व आतंकवादी तारिक रहमान ने किया। बांग्लादेश में सत्ता पलट के बाद अब उन्हीं लोगों के जरिए बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमले कराए जा रहे हैं और गजवा-ए-हिंद के नाम पर शैतानियत फैलाई जा रही है। इसी अभियान को आगे बढ़ाने के नाम पर कट्टर इस्लामिक तत्वों से धन भी जुटाया जा रहा है।

मोदी कैबिनेट का महत्वपूर्ण फैसला

कृषि क्षेत्र के लिए 14000 करोड़ की सात योजनाएं मंजूर

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सोमवार को कृषि क्षेत्र से संबंधित सात बड़े कार्यक्रमों के लिए करीब 14,000 करोड़ रुपए की मंजूरी दी। इसमें डिजिटल कृषि मिशन और फसल विज्ञान के लिए योजना भी शामिल है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि पिछले 85 दिनों में कुल 2,48,677 करोड़ रुपए की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

सेमी कंडक्टर और रेल लाइन प्रोजेक्ट को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह अहम फैसला किया गया। मंत्रिमंडल ने 2,817 करोड़ रुपए का डिजिटल कृषि मिशन और फसल विज्ञान के लिए 3,979 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी है। कृषि शिक्षा और प्रबंधन को मजबूत करने के लिए 2,291 करोड़ रुपए के कार्यक्रम के साथ पशुधन के टिकाऊ स्वास्थ्य के लिए 1,702 करोड़ रुपए की योजना को भी मंजूरी दी गई है।

इसके अलावा मंत्रिमंडल ने बागवानी क्षेत्र के टिकाऊ विकास के लिए 860 करोड़ रुपए की एक और योजना को भी स्वीकृति दी है। मंत्रिमंडल ने कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए 1,202 करोड़ रुपए और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन को मजबूती देने के लिए 1,115 करोड़ रुपए की योजना को भी मंजूरी दी है। कृषि क्षेत्र से संबंधित इन सातों कार्यक्रमों के लिए कुल आवंटन 13,960 करोड़ रुपए से अधिक का है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सोमवार को कृषि क्षेत्र से संबंधित सात बड़ी योजनाओं को मंजूरी दी। इन योजनाओं पर सरकार करीब 14,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। ▶10 पर

एक और सेमीकंडक्टर इकाई को कैबिनेट की स्वीकृति

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के साणंद में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के लिए कायन्स सेमीकॉन प्राइवेट लिमिटेड के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। जीवंत सेमीकंडक्टर इको-सिस्टम विकसित करने के उद्देश्य से यह मंजूरी दी गई है। प्रस्तावित इकाई 3,300 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित की जाएगी। इस इकाई की क्षमता 60 लाख चिप प्रतिदिन होगी। इस इकाई में उत्पादित चिप विभिन्न प्रकार के ▶10 पर

गाजा में बंधकों की हत्या से गुस्से में इज़राइल के लोग

बंधकों की हत्या के बाद युद्धविराम की संभावना खत्म

बंधकों को मारने वालों को बीन-बीन कर मारेंगे: नेतन्याहू

तेलअवीव, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

इज़राइली सेना को गाजा पट्टी में छह बंधकों के शव मिले हैं। सेना के राफा में पहुंचने से कुछ समय पहले ही हमास ने इज़राइली बंधकों की हत्या कर दी। इस घटना के बाद पूरे इज़राइल में गुस्सा है। प्रदर्शनकारियों ने बंधकों की तुरंत रिहाई की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नेतन्याहू आवास के बाहर प्रदर्शन किया। हमास की इस करतूत के बाद युद्धविराम की संभावनाएं फिलहाल समाप्त होती दिख रही हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा, हमास के जिन लोगों ने इज़राइल के बंधकों को मारा है, उन्हें हम बीन-बीन कर मारेंगे। हम पूरा हिसाब करेंगे। इज़राइल और हमास के बीच 7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुआ युद्ध अभी भी जारी है। पिछले कुछ दिनों से गाजा में कुछ ऐसा घटा जिससे संघर्ष तेज होने की आशंका को जन्म दे दिया है। रविवार को इज़राइली सेना ने गाजा में छह बंधकों के शव बरामद किए जिनकी हमास ने बेरहमी से हत्या कर दी। मारे गए बंधकों में एक अमेरिकी नागरिक भी शामिल है। करीब 250 लोग इज़राइल में अक्टूबर 2023 में हुए हमले के दौरान बंधक बना लिए गए थे। बंधकों के कत्ल से पूरे इज़राइल में गुस्सा है। रविवार रात राजधानी तेल अवीव समेत कई शहरों में बंधकों की तुरंत रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से गाजा समझौते को जल्द पूरा करने की भी मांग की। इसके अलावा लेबर यूनियनों ने सोमवार को बंद रखा। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने दिया शंभू बॉर्डर खाली करने का निर्देश

किसानों की मांग पर शीर्ष कोर्ट ने गठित की समिति

कमेटी को एक सप्ताह के भीतर बैठक बुलाने का निर्देश

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

शंभू बॉर्डर पर महीनों से जमे किसान प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक कमेटी का गठन कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पांच सदस्यीय कमेटी को किसानों और सरकार का पक्ष सुन कर किसी नतीजे पर पहुंचने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कमेटी से कहा है कि वह सबसे पहले किसानों से बात करके हाइवे खुलवाए।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए कमेटी का गठन किया। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जस्टिस नवाब सिंह को इसका चेयरमैन नियुक्त किया है। इसके अलावा इसमें हरियाणा के पूर्व डीजीपी पीएस संधू, कृषि विशेषज्ञ प्रोफेसर देविंदर शर्मा और कृषि अर्थशास्त्री सुखपाल सिंह को इसका सदस्य नियुक्त किया गया है। इनके अलावा इस कमेटी में प्रोफ़ेसर बीआर कम्बोज को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। कमेटी से सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह पहले पंजाब और हरियाणा की सरकार से बातचीत करे ▶10 पर

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट बनाएगा गाइडलाइन

अवैध इमारतें बुल्डोजर कार्रवाई से नहीं बचेंगी

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में बुलडोजर एक्शन को लेकर गाइडलाइन बनाने की बात कही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यदि कोई व्यक्ति केवल आरोपी है तो उसका घर कैसे गिराया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह अवैध इमारतों को किसी भी तरीके से नहीं बचाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने सोमवार को देशभर में पुलिस-प्रशासन के बुलडोजर एक्शन लेने पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे को देशव्यापी स्तर पर सुलझाए जाने की जरूरत है। कोर्ट ने कहा इस मामले में गाइडलाइन बनाया जाना जरूरी है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सभी राज्यों से सुझाव मांगे, जिन्हें इमारतें तोड़ने सम्बन्धी नई गाइड-लाइन में सम्मिलित किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी भी जताई। कोर्ट ने कहा, किसी का घर सिर्फ इसी आधार पर कैसे गिराया जा सकता है कि वह किसी अपराध का आरोपी है? उसका घर तो तब भी नहीं तोड़ा जा सकता जब अपराध सिद्ध हो जाए। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि हम अवैध इमारतों को किसी भी तरह नहीं बचाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार के स्टैंड की तारीफ की

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार ने भी अपना पक्ष रखा। उत्तर प्रदेश की तरफ से पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, किसी अचल सम्पत्ति को सिर्फ इसलिए ध्वस्त नहीं किया जा सकता क्योंकि आरोपी किसी अपराध में शामिल है और वह इसलिए तोड़ा जा सकता है अगर वह इमारत अवैध हो। उत्तर प्रदेश सरकार ने यह भी कहा कि वही इमारतें गिराई गई हैं, जो अवैध हैं और उन्हें तभी गिराया गया जब इनके मालिकों ने नोटिस का जवाब नहीं दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार के स्टैंड की तारीफ भी की है। कोर्ट ने यह भी कहा कि गाइडलाइन बनने तक बुलडोजर एक्शन पर नियंत्रण रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट यह सुनवाई उन याचिकाओं के संबंध में सुन रहा है, जिनमें कहा गया है कि उनका घर सिर्फ इसलिए गिराया गया क्योंकि उसमें आरोपी रहता था। ▶10 पर

केरल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की समन्वय बैठक

कोलकाता कांड पर संघ ने जताई चिंता

जातीय जनगणना संवेदनशील विषय

पलक्कड़, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

केरल में चल रही आरएसएस समन्वय बैठक में पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के खिलाफ हिंसा की घटना का भी मुद्दा उठा। बैठक में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना की निंदा करते हुए इसे बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया गया। आरए-सएस समन्वय बैठक में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय में तेजी लाने के लिए कानूनों और दंडात्मक कार्रवाई की समीक्षा की मांग की। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

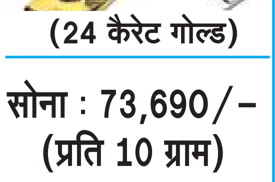

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,690/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 85,100/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 22°

कांग्रेस में कास्टिंग-काउच

कांग्रेस में महिलाओं की इज्जत मॉलीवुड जैसी!

तिरुअनंतपुरम/नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस में महिलाओं की इज्जत मॉलीवुड में महिलाओं की होने वाली कास्टिंग-काउच की तरह है। यह शिकायत कांग्रेस की महिला नेता सिमी रोजबेल जॉन ने की है। सिमी की इस शिकायत पर गंभीर होने के बजाय मोहब्बत की दुकान चलाने वाले राहुल गांधी की पार्टी कांग्रेस ने उस महिला नेता को पार्टी से निकाल बाहर किया। सिमी रोजबेल कांग्रेस की बड़ी नेता रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि पार्टी में उन्हीं महिलाओं को आगे बढ़ाया जाता है जो बड़े नेताओं की करीबी हैं। सिमी ने कहा कि कांग्रेस में भी कास्टिंग काउच जैसी स्थिति है।

कांग्रेस नेता सिमी रोजबेल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, महिलाओं का शोषण हर क्षेत्र में हो रहा है, यहां तक कि दफ्तरों पर पर और राजनीति में भी। कई महिला साथियों ने मुझे अपने बुरे अनुभव बताए हैं। मैं हमेशा उन्हें सलाह देती हूं कि वे नेताओं से मिलने अकेले न जाएं। वे हमेशा अपने परिवार के सदस्यों या दोस्तों को भी अपने साथ बुला सकती हैं। सिमी रोजबेल ने आरोप लगाया था कि फिल्म उद्योग की तरह ही कास्टिंग की काउच की स्थिति कांग्रेस में भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हीं महिलाओं को आगे बढ़ाया जाता है जो शीर्ष नेतृत्व की करीबी हैं। उन्होंने कई महिला नेताओं की राजनीतिक क्षमता पर प्रश्न उठाए थे।

नालिश पर महिला नेता सिमी रोजबेल पार्टी से निष्कासित

इसी शिकायत पर अंगकिता भी कांग्रेस से निकाली गई थीं

सिमी रोजबेल ने यह भी बताया था कि उनके पास कई महिलाओं के अनुभव आए हैं और उनके पास सबूत भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा था कि समय आने पर वह इस संबंध में खुलासे करेंगी। हालांकि, उन्होंने अपने साथ किसी ऐसे अनुभव होने से इन्कार कर दिया था।

सिमी रोजबेल के इस बयान के बाद कांग्रेस नेतृत्व पर गंभीर प्रश्न उठे हैं। कांग्रेस ने सिमी रोजबेल के आरोपों का जवाब उन्हें पार्टी से निष्कासित करके दिया है। केरल कांग्रेस प्रदेश कमेटी ने उनकी प्राथमिक सदस्यता रद्द करने की घोषणा की है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि सिमी रोजबेल ने कांग्रेस की लाखों महिला कार्यकर्ताओं को अपमानित किया है। सिमी रोजबेल ने पार्टी से निष्कासन का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में वह महिलाएं काम नहीं कर सकती जिनमें गरिमा बची हुई है। उन्होंने इस दौरान केरल में कांग्रेस के बड़े नेता वीडी सतीशन पर भी आरोप जड़े। रोजबेल ने कहा कि कांग्रेस के पास अगर कोई सबूत है तो उन्हें आगे रखना चाहिए।

सिमी रोजबेल केरल कांग्रेस की बड़ी नेता रही हैं। वह राज्य के लोक सेवा आयोग की समिति की सदस्य भी रही हैं। उनके आरोपों के बाद कांग्रेस निशाने पर है। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी सीपीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रश्न उठाए हैं। कांग्रेस ने महिला नेताओं का ऐसे आरोप लगाने का यह कोई पहला मामला नहीं है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

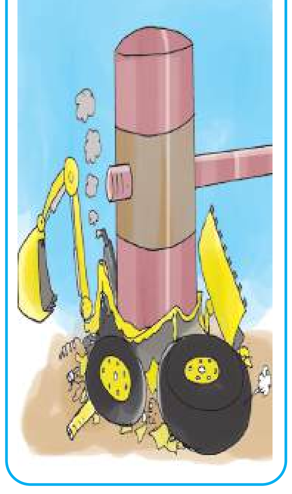

पर्युषण महापर्व के दिनों में विषय वासनाओं को संकुचित करें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिराज मलयप्रभ सागर जी ने पर्युषण पर्व के तीसरे दिन अपने प्रवचन में कहा कि आज से कल्पसूत्र का वाचन होगा। कल्प सूत्र में साक्षात जिनवाणी वर्णित है। दशा सूत्र स्कंध का ही एक भाग कल्प सूत्र है। पर्युषण महापर्व के दिनों में हमें अपने भीतर की ओर उतरना है। हमारे विषय वासनाओं को सीमित संकुचित करना है। हमारे विषय कषायों को बाहर निकलना है। हमें कछुए की भांति अपनी इंद्रियों का लोकन कर लेना है। हमारी आत्मा का स्वभाव उर्ध्वगामी है। बीता हुआ समय वापस नहीं आने वाला है, हमें इस समय का सदुपयोग करके अपनी आत्मा को हल्का करना है। अब हमें मोह रूपी नींद से जागना है। अभी तक हमने श्रावकों के वार्षिक और

पर्युषण के कर्तव्यों के बारे में जाना है। अभी कल्प सूत्र के माध्यम से साध्य, साधक और साधन को जानना है। कल्प सूत्र के तीन भाग हैं, पहले जिन चरित्र, दूसरा पट्टावली और तीसरा स्थिरावली, जिसमें जिन चरित्र में परमात्मा महावीर, आदिनाथ, पार्श्वनाथ और नेमिनाथ के जीवन चरित्र का वर्णन है। कल्प सूत्र का वाचन संघ में परमात्मा महावीर के निर्वाण के 980 वर्ष पश्चात प्रारंभ हुआ। इसमें हमें प्रेरणा मिलती है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में से बाहर निकालकर हमें मोह, राग और द्वेष से दूर होना है। हमें परमात्मा की पूजा करते समय यही विचार करना है कि हमारी आत्मा के ऊपर आए कर्मों के आवरण को हटाना है और हमें भी परमात्म स्वरूप बनना है। परमात्मा ऋषभदेव के साधु रिजु जड़ सरल थे, बाद के 22 तीर्थंकर के साधु रिजु प्राज्ञ थे और परमात्मा महावीर के साधु वक्र जड़ थे। कल्पसूत्र में 10 कल्प बताए गए हैं। यह साधु साध्वियों के कल्प परमात्मा आदिनाथ और महावीर के समय में करीब करीब एक जैसे थे और बीच के बाईस तीर्थंकरों के समय में एक जैसे थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने बताया कि प्रवचन के पश्चात कल्पसूत्र जी गौतम कुमार, मो-हनलाल बागरेचा परिवार के निवास स्थान पर चतुर्विध सकल संघ के साथ बाजते गाजते पहुंचाए गए। जहां श्रावकों के कर्तव्य में ज्ञान की पूजा और परमात्मा की भक्ति स्वरूप रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि परमात्मा महावीर का पालना अपने घर ले जाकर झुल-ने का चढ़ावा ट्रस्ट मंडल के तत्वावधान में मंगलवार प्रातः प्रवचन में बोला जाएगा। जो भाग्यशाली चढ़ावा लेंगे उन्हें परमात्मा का पालना अपने निवास पर ले जाकर रात्रि जागरण और भक्ति भावना करवाने का लाभ प्राप्त होगा। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि महोपाध्याय देवचन्द्र जी महाराज की पुण्यतिथि पर विशेष गुणानुवाद किया गया जिन्होंने विश्व की सर्वप्रथम परमात्मा की स्नात्र पूजा की रचना के साथ परमात्मा के अनेक स्तवनों की रचना की।

पारीक समाज की महिलाओं ने तीज महोत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पारीक समाज कर्नाटक बेंगलूरु की महिलाओं ने रविवार को देवनहल्ली स्थित नेवेसा रिसॉर्ट में तीज महोत्सव 2024 का आयोजन किया।

आने-जाने के लिए बस की सुविधा प्रदान की गई। सभी महिलाओं का तिलक कर व राखी बांध कर स्वागत किया गया। सुबह से शाम तक आयोजित इस कार्यक्रम में स्वादिष्ट व्यंजन के साथ भजन का भी आयोजन रखा गया। परशुराम भगवान के चित्र समक्ष महिला कार्य समिति की सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना व स्वागत गीत से की।

कार्यक्रम में महिला प्रायोजकों का सम्मान किया गया और बच्चों व महिलाओं के लिए नृत्य व खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। महिला समिति की सदस्य पदमा जोशी, रुक्मणी जोशी, सुरेखा जोशी, भारती पारीक, अंजू पारीक, एकता पारीक, सरिता जोशी, शोभा जोशी ने सभी का आभार जताया। शोभा पारीक, सुलोचना पारीक, रुक्मणी जोशी, तनुजा पारीक, रुचिका जोशी व कौशल्या जोशी का भी आभार जताया गया। मंच संचालन पदमा जोशी व एकता पारीक ने किया।

जैन धर्म में भाव वंदना का बहुत महत्व : साध्वी सिद्ध प्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा विजयनगर के तत्वावधान में विजयनगर स्थित अर्हम भवन में सोमवार को साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी के पावन सान्निध्य में पर्युषण पर्व का दूसरा दिन स्वाध्याय दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने धर्म परिषद को वंदना के महत्व को बताते हुए कहा कि भगवान ने 6 आवश्यक बातें बताएं हैं जिनमें तीसरा आवश्यक है वंदना। वंदना का अर्थ है मन वचन काया द्वारा पूर्ण समर्पण रूप से गुरु चरणों में वंदन करना। विभिन्न संप्रदायों में वंदना की अनेक विधियां बताई गई है। जैन धर्म में भाव वंदना का बहुत महत्व है। यह वंदना कर्मों की श्रृंखला को तोड़ते हुए भव भ्रमण में कमी लाती है। राजा श्रेणिक का उदाहरण देते हुए साध्वी ने बताया कि किस प्रकार वंदना करते-करते उन्होंने दुर्लभ सम्यकत्व प्राप्त कर तीर्थंकर गोत्र का बंध किया तथा छः नरक तक के बंधनों को तोड़ा। साध्वी श्री दीक्षा प्रभा जी ने स्वाध्याय दिवस पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति देते हुए कहा कि हेय, ज्ञेय और उपादेय के ज्ञान करने का साधन है स्वाध्याय। हम कुछ भी पढ़े सुने उसे अपने आप से जोड़े जिससे हमारी चेतना का जागरण होगा और तभी हमारा स्वाध्याय सार्थक हो सकेगा। साध्वी द्वारा हाजरी का वाचन किया गया। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने संपूर्ण परिषद का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

हजारों लोगों को कराया भोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु (रजि) द्वारा आयोजित 79वीं महाप्रसादी के तहत लगभग 4500 से भी अधिक जरूरतमंदों को भोजन कराया गया।

महाप्रसादी के मुख्य लाभार्थी परिवार रंगलाल, पारसीबाई, नरेंद्रकुमार, महावीरचंद, संतोषकुमार, पवनकुमार, साहिल पगारिया, विलसन गार्डन बेंगलूरु- मरुधर में कुशालपुरा निवासी रहें। इस महाप्रसादी में समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोकचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, महामंत्री उगमराज चौपड़ा, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता, रतनचंद सिंघवी, प्रकाशचंद बाफना, अनिल पोकरणा, विनोद चौरड़िया, उत्तमचंद मुथा, रमेश चौपड़ा, आशीष बाफना, रितु संचेती, राजू आंचलिया, गौतमचंद मरलेचा, राजेश कातरेला एवं मंजुनाथ राव आदि ने अपनी सेवाएं दी। कार्यक्रम के पश्चात लाभार्थी परिवार का समिति की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया।

महाप्रसादी का वितरण हर मास की अमावस्या पर मैसूरु बैंक सर्किल, एवेन्यू रोड पर होता है। महाप्रसादी का कार्यक्रम सभी गुरु भगवंतों की प्रेरणा से चल रहा है। उपरोक्त जानकारी समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष किरणचंद बोहरा ने दी एवं समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने कार्यक्रम में सेवा देने वालों का आभार जताया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री आदिनाथ जैन श्वे. संघ चिकपेट में सोमवार को गुरुकृपापात्र गच्छाधिपति श्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी, मुनिराज निर्मोहप्रभविजयजी एवं साध्वीजी अरिहंतप्रभाश्रीजी की निश्रा में जैन ग्रंथ श्री कल्पसूत्रजी को लक्ष्मीदेवी जैविन, ओम जैन कल्पतरु अपार्टमेंट के घर वाजते गाजते बड़े हर्षोल्लास के साथ उत्साह पूर्वक ले जाया गया। श्री विजय लब्धि सूरी जैन संगीत मंडल द्वारा भक्ति भावना हुई। गुरुदेव ने पर्युषण के कर्तव्य और वार्षिक कर्तव्य पर श्रावकों को जागृति प्रदान की।*

आचार्य, गुरु भगवंतों की जीवनी पर नाटक प्रस्तुत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ बेंगलूरु के नेतृत्व और साध्वी सुमतिप्रभाजी के सानिध्य में पर्युषण महापर्व की साधना, आराधना गतिमान हैं। निरंतर तपस्या, सामायिक स्वाध्याय, शिविरों का आयोजन संघ, महिला मंडल और युवक मंडल के सानिध्य में जैन रत्न स्वाध्याय भवन राजाजीनगर के प्रांगण में जारी हैं। सभी श्रावक श्राविकाओं के हृदय में शुभभाव और धार्मिक मनोरथ निरंतर पुष्पित और पल्लवित हो - उस लक्ष्य को शिरोधार्य कर बिना बिजली की 2 घंटे की नाटिका रूपेण फिल्म में आचार्य, गुरु भगवंतों की जीवनी पर रोशनी डाली गई। रत्न संघ के प्रचार प्रसार मंत्री सज्जन राज मेहता ने बताया कि अध्यक्ष नरेन्द्र भण्डारी ने सभी का भावभीना स्वागत किया। महिला मंडल की अध्यक्षा वनिता मरलेचा ने भूमिका पेश की। पहले आरे से लेकर छठे आरे में घटित घटनाओं पर संदेशों और अभिनय के माध्यम से सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तीनों संघ के वरिष्ठ, कार्यकारिणी सदस्यों और 350 लोगों ने रत्नसंघ, महिला मंडल और युवक संघ के त्रिवेणी संगम की इस अभिनव प्रस्तुति उत्कृष्ट कार्यक्रम की मुक्तकंठ से सराहना की। करीब 50 कलाकारों ने साधु - साध्वी, श्रावक, श्राविका का बखूबी अभिनय किया और संवाद किया। इसमें मनीष सांखला, प्रमोद सिंघवी, अनिल मेहता, निखिल गुंदेचा, मनीष बम्ब और यशवंत खींचा सहभागी बने।

पर्युषण पर्व जैन धर्म का महान पर्व

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी बावीस संप्रदाय जैन संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में आयोजित प्रवचन में विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि पर्युषण पर्व जैन धर्म का महान पवित्र पर्व है। अहिंसा प्रीति और क्षमा का प्रतीक पर्व है। जैनो में भादव का इतजार रहता है। हरी नहीं खाना, रात्रि में नहीं खाना, सत्संग में बैठना, सामायिक प्रतिक्रमण उत्साह उमंग से छोटे बड़े सभी करते हैं। तप और जप करते हैं। व्यापार नहीं या कम समय कर देते हैं। आठ दिनों तक संयमित-समता और साधना मय जीवन बिताते हैं। वर्षभर में जिन से भी वैर-विरोध क्रोध किये उसका खमतखामणा उनके घर जाकर करते है। क्षमा पर्व का अन्तिम दिन है। क्षमा धर्म तो आहार त्याग के तप से बड़ा सच्चा क्षमा आभ्यन्तर तप है। क्षमा देने-लेने से मन का मैल धुल जाता है। सन्तोष पैदा होता है।

आठों दिन संतदर्शन-प्रवचन-प्रतिक्रमण तथा बृहद आलोचना वर्ष भर की करते हैं। संघ प्रवक्ता राजु सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। संघ महामंत्री संपत राज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

कल्पसूत्र जैन धर्म का पवित्र ग्रंथ: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित डॉ वरुणमुनि ने पर्युषण महापर्व के द्वितीय दिवस कहा कि यह संसार अनादिकाल से है और अनंतकाल तक रहेगा। जैन कालचक्र दो भाग में विभाजित है, उत्सर्पिणी और अवसर्पिणी काल। अवसर्पिणी काल में समयावधि, हर वस्तु का मान, आयु, बल इत्यादि घटता है, जबकि उत्सर्पिणी में समयावधि, हर वस्तु का मान और आयु, बल इत्यादि बढ़ता है।

उन्होंने कहा कि पर्युषण महापर्व मात्र जैनों का पर्व नहीं है, यह एक सार्वभौम पर्व है। पूरे विश्व के

लिए यह एक उत्तम और उत्कृष्ट पर्व है, क्योंकि इसमें आत्मा की उपासना की जाती है। संपूर्ण संसार में यही एक ऐसा उत्सव या पर्व है जिसमें आत्मरत होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है। अंतकृतदशांक सूत्र का वाचन आठ कर्मों को काटने के लिए आठ दिनों के लिए होता है। कल्पसूत्र जैन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण शास्त्र है। कल्पसूत्र में 24 तीर्थंकरों के जीवन चरित्र का वर्णन है। प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक साधुओं के प्रायश्चित कर्म में जड़, वक्र एवं सरल बुद्धि का वर्णन है। तीर्थंकर भगवान का जन्म भी कल्याण रूप और निर्वाण भी कल्याण रूप होता है। सूत्र में जैन आचार्यों के जीवन चरित्र का वर्णन के साथ श्रावक-श्राविकाओं की पवित्र जीवन शैली का वर्णन भी किया गया है। इसमें साधुओं के आचार विचार की भी जानकारी मिलती है। कल्पसूत्र जैन धर्म का पवित्र ग्रंथ है। इस अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुगण उपस्थित हुए। संचालन संघ महामंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में सोमवार को पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण से चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी के पावन सानिध्य में श्री संघ के साथ वाजते गाजते लाभार्थी विक्रम मेडिकल वालों के निवास स्थान सर्वोदय कॉलोनी में कल्पसूत्र ले जाया गया। वहां पर रात्रि भक्ति का आयोजन किया गया। मंगलवार को गादिया परिवार द्वारा कल्पसूत्र साधु भगवंतों को वोहराया जायेगा। जिसका पठन प्रवचन के दौरान होगा। इस कार्यक्रम में संघ के सभी सदस्य उपस्थित थे।*

आत्मा के शत्रुओं को खत्म करें: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक में विराजित राजेश मुनि जी ने पर्युषण पर्व के दूसरे दिन सरलता को मोक्ष पाने का सीधा रास्ता बताया। मुनि जी ने फरमाया कि जीवन में सरल बन जाओ। समभाव से समता रूपी रस को पी लो तो मोक्ष की मंजिल अपने आप मिल जाएगी। हमें बनावटी भाव के साथ नहीं, बल्कि सरलता से, स्वभाव के साथ जीना होगा। तभी हमारी आत्मा मोक्ष नगरी में स्थाई वास कर सकेगी।

मुनि जी ने कहा कि जब तक मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो जाती तब तक हमारा पुण्य ही हमारा मित्र बनकर रहता है और पाप शत्रु के समान कार्य करता है।

अतः हमें पुरुषार्थ करना है ताकि आत्मा के शत्रुओं को खत्म किया जा सके। मोक्ष प्राप्त करना हमारी आत्मा का स्वभाव है। हमें सच्चे भक्त बनकर भगवान की भक्ति की राह में गुरु के सानिध्य से आत्मा में लीन रहना है। तपस्या को कर्म निर्जरा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए मुनि ने कहा कि तपस्या के लिए शरीर निरोगी होना चाहिए और आत्मबल भी ऊंचा होना चाहिए। हमें कषाय रूपी गंदी हवा से छुटकारा पाना है तो पुण्य और मैत्री रूपी शुद्ध हवा से शरीर को ताजा रखना होगा। ऋषभमुनि जी ने आगम वचन कर भाव से भगवान की राह पर चलने का संदेश दिया। संचालन मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

अनंत पुण्य के संचय के बाद जिनवाणी के प्रति आती है श्रद्धा भाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में पर्युषण पर्व के दूसरे दिन अंतगड दशा सूत्र का वाचन एवं विवेचन करते हुए स्वाध्यायी अभय कुमार बांठिया ने कहा कि हमें प्रभु वाणी सुनने के अवसर से नही चूकना चाहिए। अनंत पुण्य का जब संचय होता है तभी हमें जिनवाणी के प्रति श्रद्धा भाव आते हैं और आगम के प्रत्येक सिद्धांत शास्वत होते हैं। सूत्र का विवेचन करते हुए अभय कुमार बांठिया ने कहा कि आहार के लिए संत मुनियों का अपने आंगन में आगमन अतिथि सत्कार का श्रेष्ठ अवसर होता है। हम खूब अहो भाव से महापुरुषों का उनके सामने कुछ कदम जा कर अगवानी करें। विनय भक्ति करें। नमस्कार वंदन कर उनके संयम अनुकूल शुद्ध आहार बहराने का लाभ लें। इन मुनियों ने संसार की समृद्धि का त्याग किया है। परिवार का मोह छोड़ा है। आसक्ति को खत्म किया है और मात्र साधना में स्वयं को समर्पित किया है। इसलिए संत मुनि हमारे आदर्श और अनुकरणीय होते हैं। आगम में भी देवकी रानी अपने महल में पधारे छः मुनियों का हस्ट तुष्ट भाव से अनुकरणीय स्वागत किया था जो आज हमारे लिए एक संदेश बन गया है। मंगल पाठ एवं प्रत्याख्यान के साथ विवेचन संपन्न हुआ।

मुडा घोटाला मामला

सीएम की भूमिका को उजागर करने वाले आरटीआई कार्यकर्ता को भू-माफिया से जान से मारने की धमकी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की भूमिका को उजागर करने वाले मैसूरु के एक आरटीआई कार्यकर्ता ने सोमवार को दावा किया कि उन्हें भू-माफिया और रियल एस्टेट माफिया से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

रियल एस्टेट माफिया की धमकियों के जवाब में, कर्नाटक पुलिस ने मैसूरु शहर में उनके आवास और आसपास के इलाकों में गश्त शुरू कर दी है। मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के परिवार की संलिप्तता को उजागर करने वाले आरटीआई कार्यकर्ता एन गंगाराजू ने मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को एक पत्र लिखकर सुरक्षा और एक बंदूकधारी की प्रतिनियुक्ति का अनुरोध किया है। अधिकारियों ने बंदूकधारी के उनके अनुरोध को खारिज करते हुए उनके आवास के आसपास पुलिस गश्त की व्यवस्था की है। इसके अलावा, उनके घर पर एक स्मार्ट ई-बीट प्रणाली स्थापित की गई है।

गंगाराजू ने सोमवार को बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुडा मामले में दो-तीन महत्वपूर्ण दस्तावेज अभी सामने आने बाकी हैं। उन्होंने कहा रविवार को जब मैं अपने परिवार के साथ पांडवपुरा शहर से मैसूरु लौट रहा था, तो कुछ अज्ञात लोगों ने गाड़ी रोककर मुझे और मेरे परिवार को धमकाया और मैंने उनकी तस्वीरें ले लीं। धमकियाँ मिलना जारी है।

मैंने ही मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ उनके पहले कार्यकाल के दौरान भूमि मामले में उनकी प्रत्यक्ष संलिप्तता के संबंध में आपराधिक मामला दर्ज कराया था। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

वर्तमान में हाईकोर्ट याचिकाकर्ताओं से मामले में सीएम सिद्धरामैया की प्रत्यक्ष संलिप्तता स्थापित करने के लिए कह रहा है और मैं उनकी भूमिका स्थापित कर सकता हूँ, लेकिन मुझे धमकाया जा रहा है।

गंगाराजू ने कहा मैं मुडा मामले को सामने लाने वाला पहला व्यक्ति था। मैसूरु के कुवेम्पुनगर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर ने 28 अगस्त को गंगाराजू को दिए गए लिखित बयान में कहा पीएसआई, एएसआई, चीता बाइक गश्ती, मोबाइल दस्ता, सादे कपड़ों में अधिकारी, अपराध प्रभाग पुलिस और खुफिया विंग के जासूस निगरानी रखने के लिए आवास और आसपास के इलाकों में गश्त करेंगे। पुलिस विभाग ने घर पर एक पॉइंट बुक भी रखी है, जिसमें दिन और रात दोनों शिफ्टों में बीट पुलिस को साइन इन करना होता है।

अधिकारियों को संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही के बारे में जानकारी जुटाने का भी काम सौंपा गया है। पुलिस ने गंगाराजू से कहा है कि अगर उन्हें अपनी या अपने परिवार के सदस्यों की जान को कोई खतरा है, तो वे तुरंत उन्हें सूचित करें। वह या तो आपातकालीन नंबर पर कॉल कर सकते हैं या पुलिस में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अगर गंगाराजू को बंदूकधारी से सुरक्षा चाहिए, तो वह निर्धारित शुल्क देकर सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

कांग्रेस पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने पहले मैसूरु के पुलिस आयुक्त से मुलाकात की थी और गंगाराजू की गिरफ्तारी की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि वह मुख्यमंत्री और उनके परिवार के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के परिवार से जुड़े मुडा घोटाले को उजागर करने वाले आरटीआई कार्यकर्ताओं को परेशान करने का आरोप लगाया है। गंगाराजू मैसूरु में भूमि से संबंधित अनियमितताओं का पता लगाने में सबसे आगे रहे हैं, जिसमें मुडा से जुड़ी अनियमितताओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।

केएएस प्रारंभिक पुन: परीक्षा 2 महीने के भीतर: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने केपीएससी परीक्षा को लेकर चल रहे गहन विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह दो महीने के भीतर केएएस की प्रारंभिक पुन: परीक्षा आयोजित करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केपीएससी द्वारा भर्ती के लिए आयोजित परीक्षा पत्रों में कन्नड़ के संबंध में अनुचित अनुवाद किया गया था। इस पृष्ठभूमि में, मैंने केपीएससी को नोटिस दिया है और उन्हें दो महीने के भीतर दोबारा परीक्षा कराने का निर्देश दिया है। परीक्षा में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों को कार्यमुक्त कर दिया गया है। आगे की परीक्षा जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ आयोजित की जाएगी। निष्पक्ष एवं परिश्रमी उपायों का पालन करने का सुझाव दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम भर्ती की प्रक्रिया सही रखने के लिए

प्रतिबद्ध हैं। पिछले महीने की 27 तारीख को हुई केएएस परीक्षा के प्रश्नपत्र में 50 से ज्यादा सवाल गलत थे। विशेष रूप से, ऐसे आरोप थे कि प्रश्न का अंग्रेजी से कन्नड़ में अनुवाद करते समय कई चूक हुई थीं। इस पृष्ठभूमि में पुनः परीक्षा के लिए तीव्र संघर्ष की योजना बनाई जा रही थी। कई लोगों ने दोबारा जांच पर जोर दिया। उन्होंने केपीएससी के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। करावे के अध्यक्ष नारायण गौड़ा ने इस संबंध में एक बयान दिया था और केएएस परीक्षा में खामियों को लेकर दोबारा परीक्षा कराने की मांग की थी। जनता के आक्रोश के जवाब में सरकार ने आखिरकार दोबारा परीक्षा कराने का फैसला किया है।

मंत्री एमबी पाटिल और प्रियांक खड़गे फंसे कानूनी मुसीबत में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुडा अवैध बंदोबस्त मामले को लेकर जहां मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का राजनीतिक भविष्य संदेह में है, वहीं अब दो मंत्री कानूनी मुसीबत में फंस गए हैं। राज्यपाल ने सरकार के मुख्य सचिव को केआईडीबी से अवैध भूमि अधिग्रहण और कानून का उल्लंघन कर भूमि आवंटन के आरोप के संबंध में मंत्री प्रियांक खड़गे और एमबी पाटिल के मामले में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राज्य सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को पत्र लिखकर इन दोनों मंत्रियों पर लगे आरोपों पर स्पष्टीकरण देने का सुझाव दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले भी राज्यपाल ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने से पहले सरकार से जवाब मांगा था। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी और सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश कल्लाल्ली ने मंत्री प्रियांक खड़गे और एमबी पाटिल के खिलाफ नियम तोड़ने और कानून का उल्लंघन करने की शिकायत दर्ज कराई है। इन दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार नियंत्रण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत शिकायत दर्ज की गई है। इसलिए राज्यपाल ने पत्र में अनुरोध किया है कि वह जवाब चाहते हैं।

खड़गे परिवार द्वारा संचालित ट्रस्ट को जमीन देने का मामला

भाजपा की शिकायत और राज्यपाल का सरकार को जवाबी पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगना बिजली की गति: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कांग्रेस सरकार से भाजपा द्वारा उन्हें सौंपी गई एक याचिका पर स्पष्टीकरण मांगा है, जिसमें उनके पिता और कांग्रेस अध्यक्ष एम मल्लिकार्जुन खड़गे सहित उनके परिवार द्वारा संचालित एक ट्रस्ट को कथित तौर पर जमीन आवंटित किए जाने के मामले में मंत्री प्रियांक खड़गे को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की गई है। प्रियांक खड़गे ने सोमवार को पुष्टि की कि राज्यपाल ने मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने गहलोत पर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ शिकायतों पर बिजली की गति से काम करने और भाजपा और जेडीएस नेताओं के खिलाफ शिकायतों पर कछुए की गति से काम करने का आरोप लगाया। यहां संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा भाजपा की शिकायत और

राज्यपाल का सरकार को जवाबी पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगना, बिजली की गति है। अन्य मामलों में ऐसा नहीं है। भाजपा-जेडीएस नेताओं से संबंधित मामलों में गति कछुए की है। अगर कांग्रेस की बात हो तो बिजली की गति होगी। प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया कि राज्यपाल कार्यालय तब सक्रिय हो जाता है जब उसे भाजपा को खड़ा करना होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा-जद(एस) के खिलाफ दस्तावेज उनकी मेज पर सड़ने के बावजूद उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा उन्होंने (राज्यपाल ने) कुछ प्रश्न पूछे हैं और उन्हें (भाजपा-जेडीएस नेताओं के खिलाफ शिकायतें या याचिकाएं) वापस भेज दिया है, और कह रहे हैं कि वे उनके पास नहीं हैं। जब (शिकायत या याचिका) राज्यपाल के कार्यालय में जाती है, तो जब तक राज्यपाल उसका निपटारा नहीं कर देते, तब तक उसका निपटारा नहीं होता। आपने (राज्यपाल ने) स्पष्टीकरण मांगा है, फाइल अभी भी लंबित है, स्पष्टीकरण के बाद आपको निर्णय लेना है। प्रियांक खड़गे सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/बीटी और ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री हैं। कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी टी नारायणस्वामी ने 27 अगस्त को राज्यपाल को याचिका दायर कर कथित आवंटन को लेकर प्रियांक खड़गे को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की थी। उन्होंने भाई-भतीजावाद का आरोप लगाते हुए कहा कि यह खड़गे द्वारा साथी अनुसूचित जाति के उद्यमियों के प्रति आपराधिक विश्वासघात का मामला है। नारायणस्वामी ने कहा सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा मार्च 2024 में नागरिक सुविधाओं (सीए) के लिए निर्धारित 45.94 एकड़ में से बेंगलूरु के पास हाईटेक डिफेंस एयरोस्पेस पार्क में एससी कोटे के तहत पांच एकड़ जमीन आवंटित की गई है। दिलचस्प बात यह है कि ट्रस्ट के ट्रस्टियों में मल्लिकार्जुन खड़गे, उनकी पत्नी राधाबाई, सांसद प्रियांक खड़गे और दामाद राधाकृष्ण डोड्डामणि और छोटे बेटे राहुल खड़गे शामिल हैं। उन्होंने सवाल किया कि खड़गे एयरोस्पेस उद्यमी कैसे बन गए? विभाग ने इस आवंटन के लिए मंजूरी कैसे दी? क्या मुख्यमंत्री ने मंत्री (उद्योग) को जमीन आवंटित करने के लिए मजबूर किया? प्रियांक खड़गे का भाजपा-जद(एस) नेताओं का संदर्भ जेडीएस नेता और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी तथा पूर्व भाजपा मंत्रियों शशिकला जोले, मुरुगेश निरानी, जी जनार्दन रेड्डी के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी मांगने वाले लंबित अनुरोधों के संदर्भ में था।

हम भाजपा शासन के घोटालों को देंगे तार्किक अंत: एमबी पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के बड़े एवं मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि भाजपा सरकार के दौरान हुए सभी घोटालों को तार्किक अंत तक ले जाया जाएगा। इसमें कोई समझौता नहीं होगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि तत्कालिन भाजपा सरकार ने कोविड के दौरान मौत के बावजूद पैसे की लूट की। पीएसआई, बिटकॉइन घोटाले सहित सभी चीजों की जांच की गई है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट लेकर उचित कार्रवाई की जायेगी। पाटिल ने कहा कि कोविड के दौरान हुए घोटालों के लिए तत्कालीन मंत्री जिम्मेदार हैं और अचानक मेडिकल कॉलेजों के निर्माण में परियोजना लागत कई गुना बढ़ा दी गई है। करीब 15-20 कैबिनेट बैठकों में लगातार इस पर चर्चा हो चुकी है। हमारी मजबूरियाँ ऐसी थीं कि भले ही उनके समय में किया गया भ्रष्टाचार अभी भी हमारी आँखों के सामने था, हमारे सामने लंबित कार्यों के लिए धन जारी करना था। नहीं तो काम बीच में ही रुक जाता। योजना बर्बाद हो जाती। मुडा घोटाले में ऐसा प्रतीत होता है कि राज्यपाल ने अभियोजन की मंजूरी देने में अपने विवेक का प्रयोग नहीं किया। केंद्र सरकार और भाजपा कायरों की तरह काम कर रही है। जब हम राजभवन चलो में

राज्यपाल से मिले तो शशिकला जोले का मामला उठाया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा था और उस फाइल को वापस भेज दिया था जिसके लिए शेष तीन मामलों में शामिल होने के लिए पूर्व अनुमति मांगी गई थी। उन्होंने कहा कि सारी फाइलें राज्यपाल के पास ही रह गयी हैं। मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की कोई भूमिका नहीं है। इसलिए हमें पूरा भरोसा है कि कोर्ट में हमारी जीत होगी। सिद्धरामैया और मजबूत होकर उभरेंगे। ऐसा कभी-कभार ही होता है कि आरवी देशपांडे समेत कई लोगों ने मुख्यमंत्री बनने को लेकर बयान दिये हों।

मैं भी पहले ऐसा बयान दे चुका हूं। लेकिन हमें कोई भ्रम नहीं है। हम एक दूसरे से मिल रहे हैं। इसमें पार्टी के मुद्दों, विभागों और निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित चर्चाएं होंगी। हम राजनीति पर भी बात करते हैं।

उन्होंने इसका बचाव करते हुए कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है, मुख्यमंत्री बदलना दिवास्वप्न है, जो संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पास लंबा राजनीतिक अनुभव है और उनके राज्य की राजनीति में वापसी करने की बात निराधार है। जब एत्तिनाहोल परियोजना की योजना बनाई गई थी तब 22 से 24 टीएमसी की उम्मीद थी। अब 16 टीएमसी है। यदि आगे की छोटी-मोटी समस्याओं को ठीक कर लिया जाए तो अतिरिक्त तीन या चार टीएमसी उपलब्ध होंगी। पिछले दिनों इन परियोजनाओं की भारतीय विज्ञान संस्थान समेत कई हलकों से आलोचना सुनने को मिली थी। लेकिन अब ये योजना सफल हो गई है। उन्होंने कहा कि 6 तारीख को इस परियोजना का उद्घाटन किया जायेगा।

गौरी-गणेश उत्सव के लिए केएसआरटीसी द्वारा विशेष बसों का संचालन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। गौरी-गणेश उत्सव की पृष्ठभूमि में सार्वजनिक यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर पश्चिम कर्नाटक सड़क परिवहन निगम द्वारा 5 से 10 सितंबर तक अतिरिक्त विशेष बसों की व्यवस्था की गई है।

इस बार गौरी-गणेश उत्सव वीकेंड पर आया है और जनता खासकर कर्मचारियों में उत्साह बढ़ गया है। शुक्रवार 6 सितंबर को गौरी उत्सव, शनिवार 7 सितंबर को गणेश चतुर्थी और रविवार 8 को सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

बेंगलूरु, मेंगलूरु, पुणे, मुंबई, गोवा और अन्य महत्वपूर्ण शहरों में रहने वाले कई लोग त्योहार मनाने के लिए अपने गृहनगर आएंगे। उनकी सुविधा के लिए 5 से 10 सितंबर तक अतिरिक्त विशेष बसों की व्यवस्था की गई है।

इस उद्देश्य के लिए वोल्वो एसी ऐरावत, एसी स्लीपर, नॉन-एसी स्लीपर, राजहंस और फास्ट ट्रांसपोर्ट सहित विभिन्न प्रकार की बसें तैनात की गई हैं। उत्सव के लिए आने वाले लोगों की सुविधा के लिए 5 और 6 सितंबर को बेंगलूरु, मेंगलूरु, पुणे, गोवा और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों से हुब्बल्ली के लिए अतिरिक्त विशेष बसों की व्यवस्था की गई है। इसी तरह, त्योहारी छुट्टियों के बाद अपने कार्य क्षेत्रों में लौटने वालों की सुविधा के लिए रविवार 8 और 9 सितंबर को हुब्बल्ली से बेंगलूरु, पुणे, गोवा, मेंगलूरु, विजयपुर, बागलकोट और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों के लिए अतिरिक्त विशेष बसें चलाई जाएंगी। 5 से 10 सितंबर तक जिले के विभिन्न स्थानों, पड़ोसी जिलों के महत्वपूर्ण स्थानों से बड़ी संख्या में लोगों के आने-जाने की संभावना है। हुब्बल्ली डिविजनल कंट्रोलर एच.राम ने बताया कि इस दौरान यात्रियों की आवाजाही के हिसाब से अतिरिक्त विशेष बसों की व्यवस्था की जाएगी।

कर्नाटक में 12 लाख अवैध बांग्लादेशी अप्रवासी

आधार कार्ड बनवाने की कर रहे कोशिश: प्रमोद मुतालिक

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राम सेना प्रमुख प्रमोद मुतालिक ने दावा किया है कि कर्नाटक में 12 लाख से ज्यादा अवैध बांग्लादेशी अप्रवासी हैं, जो सरकारी दस्तावेज हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वे यह साबित कर सकें कि वे भारतीय नागरिक हैं। सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए मुतालिक ने कहा कि वे इस संबंध में राज्य के गृह मंत्री को एक रिपोर्ट सौंपेंगे और उनसे अप्रवासियों को उनके देश वापस भेजने के लिए कहेंगे, अन्यथा उनके संगठन को कदम उठाने होंगे। उन्होंने पत्रकारों से कहा हम बेंगलूरु में भाजपा कार्यालय के सामने भी विरोध प्रदर्शन करेंगे और मांग करेंगे कि इसके नेता राज्य में अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों के खिलाफ आवाज उठाएं और उन्हें बाहर निकालें। उन्होंने कहा हासन में बांग्लादेशी प्रवासियों के आधार कार्ड पाने के मामले सामने आए हैं और उनमें से सैकड़ों भारतीय नागरिकता के लिए दस्तावेज प्राप्त करने के लिए

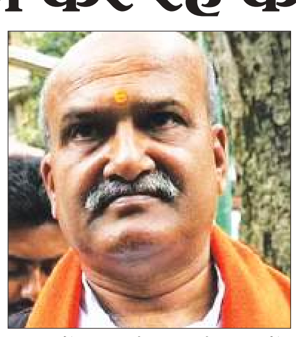

बस स्टैंड पर डेरा डाले हुए हैं। जबकि बांग्लादेश में हिंदुओं को अत्याचार का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें अपनी नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है, उसी देश के मुसलमान अवैध रूप से यहां रह रहे हैं और सरकारी दस्तावेजों तक उनकी पहुंच है। मुतालिक ने यह भी कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी स्वीकार्य नहीं है। सिर्फ यह कहना कि हम पड़ोसी देश में हो रहे घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं, स्वीकार्य नहीं है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सुरक्षा मुहैया कराई गई है, लेकिन हिंदुओं को हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1971 में युद्ध छेड़कर बांग्लादेश का निर्माण किया था और उसी तर्ज पर अब भारत को बांग्लादेश पर हमला करके हिंदुओं के लिए एक राज्य बनाना चाहिए। मुतालिक ने कहा बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर आंदोलन शुरू हुआ था और हिंदुओं ने इसका विरोध नहीं किया था, लेकिन शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद हिंदुओं पर अत्याचार किए जा रहे हैं।

येदियुरप्पा के सामने एक और मुसीबत खड़ी

महिला आयोग ने पॉक्सो का मामला दर्ज कराने वाली पीड़ित लड़की की मां की मौत पर जताया संदेह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के सामने एक और मुसीबत खड़ी हो गई है। उनके खिलाफ पहले दर्ज एक लड़की पर यौन उत्पीड़न का पॉक्सो मामला फिर से शुरू हो गया है।

राज्य महिला आयोग ने येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो का मामला दर्ज कराने वाली पीड़ित लड़की की मां की मौत के मामले में मृतक ममता की मौत पर संदेह जताया है। इसी पृष्ठभूमि में महिला आयोग की प्रमुख नागलक्ष्मी चौधरी ने मौत मामले की जांच के लिए पुलिस विभाग को पत्र लिखा है। महिला आयोग की प्रमुख नागलक्ष्मी चौधरी ने राज्य

पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि जांच रिपोर्ट जल्द से जल्द आयोग को सौंपी जाए। इस संबंध में हुलिमावु पुलिस स्टेशन में ममता की मौत का मामला दर्ज किया गया है।

ज्ञातव्य है कि 15 मार्च 2024 को 17 साल की लड़की से यौन उत्पीड़न के आरोप में पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो और आईपीसी की धारा 354 (अ) के तहत मामला दर्ज किया गया था। पीड़िता की मां ने सदाशिवनगर थाने में शिकायत दर्ज करायी। लेकिन चौंकाने वाला तथ्य यह है कि येदियुरप्पा के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने वाली लड़की की मां की 27 मार्च को संदिग्ध मौत हो गई। 26 मार्च की रात सांस लेने में दिक्कत के चलते उन्हें हुलिमावु के पास नैनो प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में भर्ती होने के बाद तुरंत डॉक्टर ने उनकी जांच की। निरीक्षण के दौरान संतृप्तता स्तर कम था। डॉक्टर ने तुरंत इलाज शुरू कर दिया। साथ ही वेंटिलेटर पर शिफ्ट करने की भी तैयारी की गई। थोड़े समय के बाद वह ठीक हो गई और बाद में उनकी मृत्यु हो गयी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, मां-बेटी पिछले 2 फरवरी को येदियुरप्पा के आवास पर गई थीं। उसके बाद उन्होंने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पीड़िता और पीड़िता की मां ने गुहार लगाई कि विशेष जांच टीम गठित कर हमें न्याय दिलाया जाए। शिकायत की गई थी कि येदियुरप्पा ने लड़की का यौन उत्पीड़न किया है। पीड़िता की मां ने शिकायत में कहा कि इसके बाद येदियुरप्पा ने माफी मांगी और कहा कि मैं मामले में आपकी मदद करूंगा और इस घटना के बारे में कहीं बाहर बात नहीं करनी चाहिए।

तटीय क्षेत्र में चार साल बाद अत्यधिक बारिश हुई दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मॉनसून सीजन में एक महीना बाकी है, लेकिन दक्षिण कन्नड़ और उडुपी के तटीय जिलों में इस अवधि के लिए सामान्य से ज्यादा बारिश हो चुकी है। जून से सितंबर तक, कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में आमतौर पर मॉनसून की बारिश होती है, इस दौरान औसतन 3101 मिमी बारिश होती है। हालांकि, 1 सितंबर तक, दोनों जिलों में 3327 मिमी बारिश हुई है, जो 18 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

विशेष रूप से, दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में क्रमशः सामान्य से 7 प्रतिशत, 8 प्रतिशत और 31 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। 2020 के बाद यह पहली बार है जब तटीय क्षेत्र में मॉनसून सीजन के दौरान औसत से ज्यादा बारिश हुई है। 30 मई

को केरल में प्रवेश करने वाला मानसून 2 जून को तटीय कर्नाटक पहुंचा। हालांकि, दोनों जिलों में जून के मध्य तक औसत से कम बारिश हुई। जुलाई के अंत से अगस्त के अंत तक दोनों जिलों में भारी बारिश शुरू नहीं हुई। दक्षिण कन्नड़ के बेलटांगडी में 9 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि बंटवाल में 2 प्रतिशत, मंगलूरु में 4 प्रतिशत, सुल्लिया में 17 प्रतिशत, मूडबिद्री में 14 प्रतिशत, कडाबा में 4 प्रतिशत और उल्लाल में 2 प्रतिशत बारिश दर्ज की गई। मुल्की में औसत वर्षा हुई, जबकि पुत्तूर में 7 प्रतिशत की कमी देखी गई। उडुपी में, हेबरी को छोड़कर सभी तालुकों में, जहां 10 प्रतिशत की कमी देखी गई, सामान्य से अधिक बारिश हुई। करकला में 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, कुंदापुर में 41 प्रतिशत, उडुपी में 9 प्रतिशत, बिंदूर में 16 प्रतिशत, ब्रह्मवर में 14 प्रतिशत और कौप में 8 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई।

यौन उत्पीड़न के आरोप में वेलनेस रिट्रीट का संचालक गिरफ्तार

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला पुलिस ने चिकमगलूरु के पास वेलनेस रिट्रीट चलाने वाले एक व्यक्ति को एक अनिवासी भारतीय (एनआरआई) पर यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एनआरआई द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, चिकमगलूरु ग्रामीण पुलिस ने प्रदीप उल्लाल को गिरफ्तार किया। प्रदीप उल्लाल आध्यात्मिक, पर्यावरण और सामाजिक

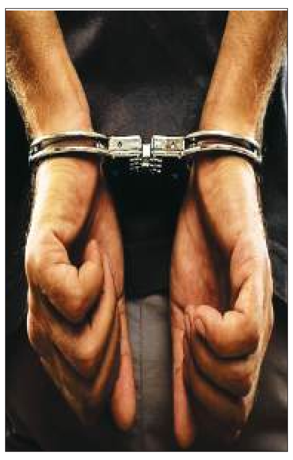

जागरूकता को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित करता है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जी. कृष्णमूर्ति ने बताया कि शिकायतकर्ता व्हाट्सऐप के जरिए आरोपी के संपर्क में आई और बाद में 2021-22 के दौरान उसके केंद्र में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुई, जब कथित यौन उत्पीड़न हुआ। उन्होंने कहा हमने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

उत्तरी कर्नाटक में फिर से भारी बारिश का कहर

कुछ गांव हुए जलमग्न

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्तरी कर्नाटक में बारिश का प्रकोप फिर से तेज हो गया है और भारी बारिश के कारण जिले के गुरुमितकल तालुक में नंदेपल्ली पुल पूरी तरह से भर गया है। कुछ दिनों से जिले में बारिश का प्रकोप जारी है और तेलंगाना को जोड़ने वाला नंदेपल्ली पुल डूब गया है, यातायात बंद हो गया है और जनता संघर्ष कर रही है। लगातार बारिश के कारण नाले उफान पर हैं। मोटनहल्ली गांव के 15 से ज्यादा घरों में पानी भर गया है और पूरी रात निगरानी रखी जा

रही है। इसी तरह हुब्बल्ली में भी भारी बारिश हो रही है, कमलावती नदी के तट उफान पर हैं और लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कुछ गांवों में पानी भर गया है। कलबुर्गी जिले के चिंचोली के बेनाकनहल्ली गांव में घरों में पानी भर गया है। तेलंगाना को जोड़ने वाला मिरयाना पुल डूब गया है। पिछले कुछ दिनों से रुकी हुई बारिश तीन-चार दिनों से फिर से उग्र हो गई है और लोग संघर्ष कर रहे हैं। पानी जमीनों में घुस गया और फसलें नष्ट हो गईं। कल्याण कर्नाटक के कलबुर्गी, बीदर, रायचूर और कोप्पल जिलों में भारी बारिश हो रही है और नदियाँ और नाले उफान पर हैं। कई गांवों का संपर्क टूट गया है। मालाप्रभा, घटप्रभा नदी फिर से उफनने लगी है। कगीना नदी की बाढ़ के कारण सेदम तालुक का पुराना पुल डूब गया। उत्तरी कर्नाटक में कई जलाशय भर गए हैं और एहतियात के तौर पर नदी में भारी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है और नदी के किनारे के लोगों को सावधान रहने की सलाह दी गई है। कलगी का ऐतिहासिक नीलकंठ कालेश्वर मंदिर, मुलकेड़ा का उत्तरादी मठ, जयतीर्थ मूल वृन्दावन, संगमेश्वर मंदिर जलमग्न हो गए। ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि कलबुर्गी के छोटे चिड़ियाघर में पानी घुस गया है और चिड़ियाघर के जानवर इधर-उधर भाग रहे हैं। कोप्पल में भी भारी बारिश हुई है। भारी बारिश और हवा के कारण दर्जनों घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बेलगावी और गदग जिलों में भी बारिश बढ़ गई है और लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

कर्नाटक में 267 वन निरीक्षकों को आज नियुक्ति पत्र देंगे सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नवचयनित 267 वन निरीक्षकों को मंगलवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से नियुक्ति पत्र प्राप्त होंगे। यहां सोमवार को पत्रकारों से वार्ता में पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने कहा कि वर्ष 2023-24 के लिए 310 वन निरीक्षकों के पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

इन पदों के लिए कुल 1,94,007 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। उनमें से, विभिन्न क्षेत्रों के 267 पात्र उम्मीदवारों का चयन माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र (एसएसएलसी) और समकक्ष परीक्षाओं के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस परीक्षा में प्राप्त उच्चतम अंकों के आधार पर पारदर्शी तरीके से किया गया। उत्तर कन्नड़, शिवमोग्गा, बेंगलूरु और चिक्कमगलूरु डिवीजनों में स्थानीय आदिवासी समुदायों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण है। हालांकि, इस समुदाय के उम्मीदवारों के आवेदन न मिलने और अन्य तकनीकी कारणों से, इस समय 43 पदों के लिए नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए जाएंगे। वन विभाग के कुल 49 अधिकारियों और कर्मचारियों को वर्ष 2022 और 2023 के लिए वन संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण, वन कृषि, वन प्रबंधन, प्रशिक्षण, अनुसंधान, नियोजन, जनभागीदारी, विकास कार्य, मानव-पशु संघर्ष प्रबंधन और अभिनव पहलों के कार्यान्वयन में विशिष्ट सेवा के लिए मुख्यमंत्री पदक प्रदान किया जाएगा। वर्ष 2017 से अब तक प्रतिवर्ष 25 वन अधिकारियों और कर्मचारियों को मुख्यमंत्री पदक प्रदान किया जाता रहा है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मरुधर केसरी जैन गौशाला केजीएफ में आयोजित कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत ने गौशाला में चल रही सेवाओं की सराहना करते हुए कहा गाय के रोम रोम में वह पावनता एवं दिव्यता है जो साक्षात गौलोक में है। गाय पृथ्वी का पोषण है। गौ सेवा हम सब का कर्तव्य है। इस अवसर पर श्वेतांबर स्थानक वासी जैन संघ के अध्यक्ष सुरेश बोहरा, जैन युवक मंडल के अध्यक्ष प्रवीण मुथा, हरिश तातेड़, केशव एवं बड़ी संख्या में गौ भक्त उपस्थित थे।

मुडा मामले में सीएम के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक 9 सितंबर तक बढ़ी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर अंतरिम रोक को नौ सितंबर तक बढ़ा दिया। न्यायालय ने मामले में उनके अभियोजन के लिए राज्यपाल थावरचंद की मंजूरी की वैधता को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री की याचिका पर सुनवाई एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। प्रतिवादी संख्या 4 (आर-4) स्नेहमयी कृष्णा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता के जी राघवन ने सुनवाई फिर से शुरू होने पर दलीलें पेश कीं। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा

वरिष्ठ अधिवक्ता के जी राघवन की बात सुनी गई, महाधिवक्ता ने अपनी दलीलें पेश करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। मामले को 9 सितंबर को दोपहर 2:30 बजे सूचीबद्ध किया जाता है। 19 अगस्त को दिया गया अंतरिम आदेश अगली सुनवाई की तारीख तक जारी रहेगा। राज्यपाल ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत प्रदीप कुमार एस.पी., टी.जे. अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों के लिए मंजूरी दी थी। 19 अगस्त को सिद्धरामैया ने राज्यपाल के आदेश की वैधता को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया। याचिका में मुख्यमंत्री ने कहा कि मंजूरी आदेश बिना सोचे-समझे जारी किया गया, वैधानिक आदेशों का उल्लंघन है और संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत है, जिसमें मंत्रिपरिषद की सलाह भी शामिल है, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत बाध्यकारी है। सिद्धरामैया ने राज्यपाल के आदेश को रद्द करने की मांग करते हुए तर्क दिया कि उनका निर्णय कानूनी रूप से अस्थिर है, प्रक्रियात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण है और बाहरी विचारों से प्रेरित है।

स्वाध्याय दिवस मनाया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ भवन में पर्युषण पर्व के तहत सोमवार को स्वाध्याय दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत उपासक भंवरलाल मांडोत द्वारा नमस्कार महामंत्र के साथ हुई।

तत्पश्चात महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण के रूप में स्वाध्याय दिवस विषय पर गीत प्रस्तुत किया गया। उपासक ने जैन दर्शन और काल चक्र के विषय को आगे बढ़ाते हुए भगवान ऋषभ के जन्म से राजा बनने तक का जीवन प्रस्तुत किया।

उपासक छत्रसिंह मालू ने विषय पर प्रकाश डालते हुए भगवान महावीर की वाणी के अनुसार बताया कि स्वाध्याय से जीव ज्ञानावर्णीय कर्म का क्षय कर आत्मा को उज्ज्वल बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

गणेश उत्सव पर केएसआरटीसी द्वारा 1500 अतिरिक्त बसों का होगा संचालन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आगामी 6 और 7 सितंबर को क्रमशः स्वर्ण गौरी और गणेश उत्सव तथा 8 सितंबर को सप्ताहांत के मद्देनजर, केएसआरटीसी ने 5 से 7 सितंबर तक यात्रा करने वाले लोगों को परिवहन सुविधा प्रदान करने के लिए, मौजूदा समय-सारिणी के अतिरिक्त विभिन्न स्थानों पर बेंगलूरु से 1500 अतिरिक्त बसें संचालित करने की विस्तृत व्यवस्था की है। इसके बाद, 8 सितंबर को इंट्रा और इंटरस्टेट स्थानों के विभिन्न स्थानों से बेंगलूरु के लिए विशेष बसें संचालित की जाएंगी। बेंगलूरु केम्पेगौड़ा बस स्टेशन से धर्मस्थल, कुक्केसुब्रमण्य, शिवमोग्गा, हासन, मेंगलूरु, कुंडापुरा, श्रृंगेरी, होरानाडु, दावणगेरे, हुब्बल्ली, धारवाड़, बेलगावी, विजयपुरा, गोकर्ण, सिरसी, कारवार, रायचूर, कलबुर्गी, बल्लारी, कोप्पल, यादगीर, बीदर, तिरुपति, विजयवाड़ा, हैदराबाद और अन्य स्थानों के लिए विशेष बसें संचालित की जाएंगी। इसके अलावा मैसूरु रोड बस स्टेशन से मैसूरु, हुनसूर, पेरियापट्टना, विराजपेट, कुशलनगर, मदिकेरी के लिए विशेष बसें चलाई जाएंगी। इसके अलावा बीएमटीसी बस स्टेशन, शांतिनगर (टीटीएमसी) से मदुरै, कुंभकोणम, चेन्नई, कोयम्बत्तूर, तिरुचि, पलक्कड़, त्रिशूर, एर्णाकुलम और तमिलनाडु और केरल राज्य के अन्य स्थानों के लिए विशेष बसें चलाई जाएंगी।

वेश्यावृत्ति रैकेट का भंडाफोड़

तकनीकी विशेषज्ञ गिरफ्तार, दो नाबालिग लड़कियों को बचाया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक वेश्यालय में ग्राहक के रूप में काम करने वाली 26 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर को केंद्रीय अपराध शाखा की महिला सुरक्षा शाखा के अधिकारियों ने एक नाबालिग लड़की से जुड़े छापे के दौरान गिरफ्तार किया। हालांकि तकनीकी विशेषज्ञ सुब्रमण्या शास्त्री ने इस बात से इनकार किया कि उन्हें पता था कि लड़की नाबालिग थी, लेकिन पुलिस अब उनके और वेश्यावृत्ति रैकेट चलाने वाले अन्य आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम, 2012 के तहत कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। पुलिस ने दो दलालों करिश्मा शेख, 27, जो एक निजी फर्म में हाउसकीपिंग स्टाफ

के रूप में काम करती है, और सूरज शाहजी, 36, जो एक डिलीवरी ऐप के साथ फूड डिलीवरी पार्टनर के रूप में काम करता है, को गिरफ्तार किया है, दोनों ओडिशा के रहने वाले हैं। पुलिस ने पश्चिम बंगाल की दो नाबालिग लड़कियों को भी बचाया। पूछताछ के दौरान, उन्हें पता चला कि करिश्मा ने तीन महीने पहले होंगसंद्रा में घर किराए पर लिया था और वह पश्चिम बंगाल से युवा लड़कियों को लाती थी और उन्हें वेश्यावृत्ति में धकेलती थी। आरोपी फोन पर संभावित ग्राहकों से संपर्क करते थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा हम नाबालिग लड़कियों की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर सुब्रमण्या शास्त्री और अन्य आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम, 2012 की संबंधित धाराओं को लागू करने पर विचार कर रहे हैं, जिससे उनकी सही उम्र का पता चलेगा। बोम्मनहल्ली पुलिस स्टेशन में अनैतिक तस्करी अधिनियम, 1956 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मायावती और चंद्रशेखर ने सोच समझ कर चुना हरियाणा

आरक्षित सीटें 17, लेकिन असर पड़ेगा दोगुनी सीटों पर

चंडीगढ़, 02 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में होने वाले विधानसभा के चुनावों को लेकर दलितों की राजनीति के ईर्द गिर्द सियासत समेटी जाने लगी है। कहने को तो आरक्षित कोटे में हरियाणा के हिस्से 17 सीटें दलितों के लिए हैं। लेकिन दलित राजनीति का असर हरियाणा की सियासत में तकरीबन चालीस फीसदी सीटों यानी कि तकरीबन 35 सीटों पर पड़ता है। यही वजह है कि कांग्रेस से लेकर भाजपा और बसपा से लेकर आजाद समाज पार्टी और जेजेपी समेत इनेलो जैसे दल दलितों को अपने पाले में करने के लिए सभी सियासी जोड़ तोड़ कर रहे हैं।

हरियाणा की सियासत में जाट के बाद सबसे बड़ा वोट बैंक दलितों का है। इस जातीयता के समीकरण को देखते हुए सभी जाट और दलितों को लेकर अपनी सियासी लकीरें आगे बढ़ाने में जुटे हैं। कांग्रेस तो दलित और जाट समुदाय को अपने साथ जोड़ने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उधयभान के सहारे सियासी नैया लगाने की तैयारी कर रही है। दरसल इसी साल हुए लोकसभा के चुनाव में कांग्रेस ने अपने इसी सियासी कॉम्बिनेशन के चलते भाजपा से पांच सीटें झटक ली थीं। इसमें भी अंबाला और सिरसा जैसी आरक्षित सीटें भी कांग्रेस ने जीत ली थीं। इसी समीकरण को देखते हुए कांग्रेस ने इस बार विधानसभा चुनाव में वही फॉर्मूला अपनाया है।

दलितों, मुस्लिमों और जाट समुदाय के सियासी समीकरण को हरियाणा के चुनाव में खूब तवज्जो मिल रही है। दरअसल यह वही फैक्टर है, जिसके दम पर इस बार राजनीतिक दल यहां सरकार बनाने की जुगत लगा रहे हैं। इसी के मद्देनजर बसपा ने इस चुनाव में अपने मजबूत सिपाही आकाश आनंद को यहां की सियासत में एक फिर से बड़ी जिम्मेदारी के साथ मैदान में उतारा है। दरअसल पिछले विधानसभा के चुनाव में बसपा ने सीटें तो एक भी नहीं पाई थी, लेकिन दलितों के सहारे वोट प्रतिशत हरियाणा के स्थानीय दलों की तुलना में बेहतर हासिल किया था। इस बार फिर बसपा उससे बेहतर करने की उम्मीद में यहां के सियासी मैदान में उतरी है। पिछले चुनाव में बसपा ने 87 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से 82 सीटों पर बसपा की जमानत तक जब्त हो गई थी। बावजूद इसके बसपा ने 4 फीसदी से ज्यादा वोट पाए थे। इस बार बसपा और इनेलो का गठबंधन है। इनेलो भी दलित वोटों के फेर में बसपा से वोट ट्रांसफर की उम्मीद लिए बैठी है।

हरियाणा में दलितों की मजबूत सियासी भागीदारी देखते हुए ही नगीना के सांसद चंद्रशेखर ने भी अपनी पार्टी आजाद समाज पार्टी को मैदान में उतारा है। राजनैतिक नजरिए से चंद्रशेखर ने अपनी पार्टी को हरियाणा की जेजीपी के साथ हाथ मिलाया है। दरअसल दोनो सियासी दल दलितों के वोट बैंक के सहारे हरियाणा में सियासी नैया पार लगाना चाहते हैं। इस सियासी करार के तहत 70 सीटों पर तो जेजेपी चुनाव लड़ेगी। जबकि 20 सीटों पर चंद्रशेखर की पार्टी किस्मत आजमाएगी। पिछले विधानसभा के चुनावों में जेजेपी ने 87 सीटों पर चुनाव लड़ा था। तकरीबन पंद्रह फीसदी वोट मिलने के साथ ही दस सीटों पर जेजीपी को जीत भी मिली थी। हालांकि इस जीत के बाद दुष्यंत चौटाला ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। लेकिन बाद में लोकसभा चुनावों से पहले यह गठबंधन टूट गया। अब इस चुनाव में दलितों का सहारा लेकर जेजेपी सियासी मैदान में है।

कोलकाता दुष्कर्म और हत्या का प्रकरण

हाईकोर्ट ने प. बंगाल सरकार को दिया सख्त निर्देश

नबन्ना मार्च में चार लोगों की गिरफ्तारी का दस्तावेज पेश करें

कोलकाता, 02 सितंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर की हत्या के विरोध में 27 अगस्त को छात्रों की ओर से राज्य सचिवालय नबन्ना तक निकाले गए मार्च के दौरान चार लोगों को गिरफ्तारी को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल सरकार से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने सरकार को चारों लोगों की गिरफ्तारी के दस्तावेज पेश करने के लिए कहा है।

हाईकोर्ट ने कहा कि चारों लोगों की गिरफ्तारी और उसके 24 घंटे के बाद रिहाई को लेकर सवाल उठाया। हाईकोर्ट ने पूछा कि क्या चारों लोगों को हिरासत में लेने के दौरान पुलिस ने तय प्रक्रिया का पालन किया था। इस पर राज्य सरकार ने हाईकोर्ट को बताया कि हावड़ा पुलिस ने अनुमान लगाया था कि यह लोग पश्चिम बंग छात्र समाज की ओर से होने वाले नबन्ना मार्च के दौरान गड़बड़ी पैदा कर सकते हैं।

इस पर न्यायाधीश राजर्षि भारद्वाज ने पूछा कि पुलिस को किस तरह की गड़बड़ी आशंका थी और विरोध मार्च के 24 घंटे बाद उनको रिहा क्यों किया गया? अदालत ने राज्य सरकार को मंगलवार तक गिरफ्तारियों को लेकर सभी दस्तावेज जमा करने के निर्देश दिए। याचिकाकर्ताओं के वकील राजदीप मजूमदार ने आरोप लगाया था कि गिरफ्तारियां गैरकानूनी थीं। उन्होंने चार व्यक्तियों की हिरासत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मुआवजे और कार्रवाई की अदालत से मांग की। बता दें कि नबन्ना रैली का आयोजन आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला डॉक्टर के कथित बलात्कार और हत्या के विरोध में किया गया था।

नबन्ना अभियान को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट लगातार नाराजगी जता रहा है। पिछले दिनों हाईकोर्ट ने कहा था कि अगर आरजी कर की घटना नहीं हुई होती, तो पश्चिम बंग छात्र समाज का अस्तित्व नहीं होता। अदालत ने कहा कि हजारों आम लोग विरोध रैली में शामिल हुए और प्रदर्शनकारियों की स्थिति ने सभी बाधाओं और सीमाओं को पार कर दिया।

आपा विधायक अमानतुल्लाह खान गिरफ्तार

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया। अमानतुल्लाह पर दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष रहते 32 लोगों की अवैध रूप से नियुक्ति का आरोप है। वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियां अवैध रूप से किराए पर देने का भी आरोप है। उनके कुछ करीबियों के ठिकानों पर भी एजेंसी ने छापे मारे थे। बीते अप्रैल माह में प्रवर्तन निदेशालय ने वक्फ बोर्ड नियुक्ति मामले से जुड़े घोटाले के आरोप में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान से 13 घंटे पूछताछ की थी।

दूसरी तरफ, दिल्ली हाईकोर्ट ने 2019 में भाजपा दिल्ली के नेता राजीव बब्बर द्वारा शुरू किए गए चल रहे मानहानि मामले को चुनौती देने वाली अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मानहानि मामले की कार्यवाही रद्द करने से साफ इन्कार कर दिया। राजीव बब्बर ने केजरीवाल और अन्य आप नेताओं पर भाजपा को बदनाम करने का आरोप लगाया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि पार्टी दिल्ली की मतदाता सूची से 30 लाख नाम हटाने के लिए जिम्मेदार है, जिससे मुख्य रूप से बनिया, मुस्लिम और अन्य समुदाय प्रभावित हुए हैं।

चौटाला परिवार में फिर होगा सियासी घमासान

चंडीगढ़, 02 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए सजे सियासी मैदान में एक सीट पर दादा और पोते के बीच चुनावी मुकाबला देखने को मिलेगा। हम बात कर रहे हैं सिरसा जिले की रानियां विधानसभा सीट की। इस सीट पर इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के महासचिव अभय सिंह चौटाला के बेटे अर्जुन सिंह चौटाला को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है जबकि रिश्ते में उनके दादा रणजीत सिंह चौटाला भी चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं।

इस वजह से एक बार फिर चौटाला परिवार में चुनावी मुकाबला दिखाई देगा। इससे पहले लोकसभा चुनाव के दौरान भी हिसार लोकसभा सीट पर चौटाला परिवार में आपसी लड़ाई देखने को मिली थी। तब रणजीत चौटाला भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे थे जबकि नैना चौटाला ने भाजपा के टिकट पर और इनेलो के टिकट पर सुनैना चौटला ने ताल ठोकी थी।

चौटाला परिवार के लिए लोकसभा चुनाव के नतीजे बेहद खराब रहे थे क्योंकि नैना चौटाला और सुनैना चौटाला दोनों को ही 22 हजार से कुछ ज्यादा वोट मिले थे। इसके अलावा रणजीत चौटाला भी चुनाव हार गए थे। हिसार में रणजीत चौटाला को लगभग 63 हजार वोटों से हार मिली थी। इन रिश्तों को अब आसानी से समझते हैं। यह परिवार है पूर्व उप प्रधानमंत्री और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री देवीलाल का। देवीलाल के चार बेटे हुए। उनके नाम हैं- ओम प्रकाश चौटाला, प्रताप चौटाला, रणजीत चौटाला और जगदीश चौटाला। ओमप्रकाश चौटाला के दो बेटे हैं अभय चौटाला और अजय चौटाला। बड़े बेटे अजय चौटाला की पत्नी नैना चौटाला हैं जबकि रवि चौटाला की पत्नी सुनैना चौटाला हैं। परिवार में खटपट होने की वजह से अजय चौटाला और उनके दोनों बेटे दुष्यंत चौटाला और दिग्विजय चौटाला 2018 में इनेलो से अलग हो गए थे और उन्होंने जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) का गठन किया था।

रणजीत चौटाला पिछला विधानसभा चुनाव रानियां सीट से निर्दलीय जीते थे। भाजपा की तत्कालीन मनोहर लाल खट्टर सरकार को उन्होंने समर्थन दिया था और इस वजह से उन्हें राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया गया था। इस साल लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मार्च में रणजीत चौटाला भाजपा में शामिल हुए थे। भाजपा ने इस चुनाव में हरियाणा लोकहित पार्टी (हलोपा) से गठबंधन किया है। हलोपा सुप्रीमो गोपाल कांडा रानियां सीट से अपने भतीजे धवल कांडा को चुनाव लड़ाना चाहते हैं। हलोपा और भाजपा के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत चल रही है। खबरों के मुताबिक यह सीट हलोपा के खाते में जा सकती है। ऐसे में रणजीत चौटाला यहां से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरेंगे।

अर्जुन चौटाला ने 2019 के संसदीय चुनाव में कुरुक्षेत्र सीट से चुनाव लड़ा था। हालांकि उन्हें सिर्फ 60,679 वोट मिले थे और वे पांचवें स्थान पर रहे थे और उनकी जमानत भी नहीं बच सकी थी। तब इस सीट से हरियाणा के वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जीते थे। देखना होगा कि विधानसभा चुनाव में वह अपने दादा को कितनी कड़ी टक्कर दे पाते हैं।

अकबर महान बताना महाराणा प्रताप का अपमान

उदयपुर/जयपुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने उदयपुर में कहा कि अकबर की तुलना महाराणा प्रताप से करना और अकबर को महान बताना मेवाड़ की आन-बान-शान के प्रतीक महाराणा प्रताप का अपमान है।

उन्होंने उदयपुर सुखाड़िया विश्वविद्यालय में आयोजित भामाशाह सम्मान समारोह में कहा कि अब कभी भी अकबर को महान बताकर स्कूलों में नहीं पढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्षों तक अकबर ने देश को लूटने का काम किया है। अकबर को महान बताने वाले अब आगे नहीं आ पाएंगे। दिलावर ने कहा कि महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की आन-बान और शान के लिए सर्वोच्च न्योछावर कर दिया, लेकिन कभी भी महाराणा प्रताप को महान नहीं बताया, यह निंदनीय है।

बीएचयू में हर चेहरे की होगी निगरानी

कैंपस में बनेगा सिक्योरिटी कमांड सेंटर

वाराणसी, 02 सितंबर (एजेंसियां)। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कुलपति आवास के पास सिक्योरिटी कमांड सेंटर बनाया जाएगा। इससे पहले कैंपस में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों का डेटाबेस फोटो के साथ तैयार किया जाएगा। चिह्नित लोग विश्वविद्यालय के किसी भी गेट से कैंपस में प्रवेश करेंगे तो फेस रिकग्निशन टेक्निक से उनकी फोटो सिक्योरिटी कमांड सेंटर की स्क्रीन पर फ्लैश होने लगेगी और अलर्ट जारी हो जाएगा।

इसके लिए डीपीआर तैयार की जा रही है। सिक्योरिटी कमांड सेंटर बनने के बाद एक ही जगह से ही कैंपस के संकायों, विभागों, हॉस्टल के अलावा अस्पताल सहित अन्य जगहों पर सुरक्षा की निगरानी हो सकेगी। परिसर के सभी प्रवेश द्वार पर हाई रिजॉल्यूशन के नाइट विजन कैमरे लगाए जाएंगे। इससे कैंपस में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की फेस रीडिंग हो सकेगी। गाड़ी के नंबर भी कैप्चर हो जाएंगे।

परिसर में छेड़खानी, मारपीट, अस्पताल में चोरी की घटनाओं पर पूरी तरह अंकुश लगा पाना चीएचयू प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। चीफ प्रॉक्टर प्रो. एसपी सिंह ने बताया कि इस सेंटर में ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि पूर्व में मारपीट, चोरी, छेड़खानी जैसी घटनाओं को अंजाम दे जाएगी। एक ही जगह सभी फुटेज भी सुरक्षित किए जा चुके अराजक तत्वों की फोटो सॉफ्टवेयर में फीड रहेगी। कैंपस में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए कोई केंद्रीयकृत व्यवस्था नहीं है। इस वजह से घटनाओं के दौरान अलग-अलग जगहों पर जाकर सीसी फुटेज लेनी पड़ती है। अब सेंटर से ही सभी जगहों की निगरानी हो सकेगी। कमांड सेंटर में एक बड़ा हॉल भी बनाया जाएगा। इसमें महीने में कम से कम दो बार प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों के साथ ही सुरक्षा सुपरवाइजर, महिला सुरक्षाधिकारी सहित अन्य लोगों के साथ सुरक्षा के मुद्दे पर बैठक, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि का आयोजन कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की जाएगी।

विश्वविद्यालय में सीआईएसएफ की टीम ने पिछले दिनों करीब 15 दिन तक रहकर सुरक्षा के हर छोटे से बड़े बिंदुओं का अध्ययन किया था। अभी टीम की विस्तृत रिपोर्ट आनी बाकी है, लेकिन टीम के सदस्यों ने जो कुछ सुझाव दिए थे, उसे धीरे-धीरे अमल में लाना शुरू कर दिया है। बीएचयू के चीफ प्रॉक्टर प्रो. एसपी सिंह ने कहा, डीपीआर तैयार की जा रही है। जल्द ही काम शुरू होगा। इसके तहत गेट और चौराहों पर लगने वाले इन कैमरों में तीन माह तक फुटेज सुरक्षित रहेगी।

विधानसभा उपचुनाव में पूरी ताकत से जुटा अपना दल

प्रयागराज, 02 सितंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में आयोजित अपना दल एस के कार्यकर्ता सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यूपी में दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव में उनकी पार्टी के कार्यकर्ता एनडीए उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे। अनुराधा ने कहा, सिंबल चाहे जो हो और टिकट चाहे जिसको मिले, अपना दल के कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ चुनाव में एनडीए के प्रत्याशियों के साथ रहेंगे।

सोमवार को प्रयागराज पहुंचीं अनुप्रिया पटेल ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। उनका जिले में कई स्थानों पर कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि 17 अक्टूबर को अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। आज की बैठक में इसकी रूपरेखा तैयार की गई है। पत्रकारों ने सवाल किया कि अपना दल के कार्यकर्ता कितने सीटों पर चुनाव लड़ेंगे तो वह सवाल को टाल गईं और कहा कि एनडीए के उम्मीदवार ही चुनाव लड़ेंगे। उनकी पार्टी पूरी ताकत और निष्ठा के साथ उम्मीदवारों को जिताने के लिए जोर लगाएगी। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने भी कहा कि उप चुनाव में टिकट किसको मिलेगा यह एनडीए के नेता आपस में बैठकर तय करेंगे। फिलहाल अपना दल के कार्यकर्ता एनडीए उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे। सभी दस सीटों पर एनडीए की जीत होने वाली है।

पाखरो रेंज घोटाला मामले में पूछताछ

ईडी ऑफिस पहुंचे पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत

देहरादून, 02 सितंबर (एजेंसियां)। पाखरो रेंज घोटाले के मामले में पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत आज ईडी ऑफिस पहुंचे। पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। पाखरो रेंज घोटाले के मामले में वर्ष 2022 में विजिलेंस के हल्द्वानी सेक्टर में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में तत्कालीन कुछ अधिकारियों (जिनमें पूर्व डीएफओ किशनचंद भी शामिल थे) को गिरफ्तार भी किया गया था।

विजिलेंस ने पिछले साल अगस्त में विजिलेंस ने हरक सिंह रावत और उनके परिचितों के संस्थानों पर छापे मारे थे। बताया गया था कि यहां एक पेट्रोल पंप पर सरकारी जनरेटर बरामद हुआ था। हालांकि, जांच अभी और आगे बढ़ती इससे पहले ही हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई को जांच सौंप दी गई।

विजिलेंस ने इस केस से जुड़े सभी दस्तावेज सीबीआई को सौंप दिए थे। इसी बीच ईडी ने भी इसका संज्ञान ले लिया। गत फरवरी 2024 में ईडी ने भी हरक सिंह रावत के घर और इससे जुड़े कुछ अधिकारियों के घरों पर छापे मारे थे। हरक सिंह के यहां से कुछ भी बरामद होने की सूचना नहीं थी, जबकि, एक अधिकारी के घर से कैश व अन्य सामान बरामद हुआ था। ईडी ने बारी-बारी से सभी अधिकारियों और नेताओं से पूछताछ की थी। ईडी ने हरक सिंह रावत को फिर से नोटिस भेजकर सोमवार को पेश होने के लिए कहा था, जिसे बाद वह आज फिर ईडी ऑफिस पहुंचे।

मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं का सीएम योगी ने लिया संज्ञान

...पर यह नहीं कहा कि लोग जंगल न काटें

लखनऊ, 02 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में हाल के दिनों में घटित मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में उन्होंने विभागीय मंत्री और संबंधित विभाग के अधिकारियों को मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को रोकने, उनकी मॉनीटरिंग करने एवं घटनाओं के बढ़ने के कारणों पर मंथन करने के निर्देश दिये ताकि इन पर अंकुश लगाया जा सके। सीएम योगी के निर्देश के बाद मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को लेकर कई जिलाधिकारी सक्रिय हो गये और आनन-फानन में टीम बनाकर कॉम्बिंग एवं गांव-गांव में जाकर जन जागरुकता फैलाने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में कहा कि पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के विभिन्न जिलों में आदमखोर भेड़िये या तेंदुए द्वारा हमले की सूचना आ रही है। उन्होंने इन घटनाओं को नियंत्रित करने, वन्यजीव को पकड़ने एवं आवश्यकतानुसार आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रभावित जिलों में प्रशासन, पुलिस, वन विभाग, स्थानीय पंचायत, राजस्व विभाग द्वारा व्यापक जन जागरूकता पैदा करने एवं लोगों को सुरक्षा के उपायों के बारे में भी बताने के आदेश दिये। बैठक के बाद वन मंत्री और संबंधित अधिकारी हरकत में आ गए। वन मंत्री ने बहराइच, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, बिजनौर सहित अन्य जिलों में तत्काल वन विभाग के अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती के निर्देश दिये। साथ ही ज्वाइंट पेट्रोलिंग बढ़ाने का आदेश दिया। इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों को जिलों में कैंप करने, जनप्रतिनिधियों से सहयोग लेने एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जहां लाइट की समस्या हो, वहां पेट्रोमैक्स की व्यवस्था करने का आदेश दिया। बता दें कि उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जिसने मानव-वन्यजीव संघर्ष को आपदा घोषित किया है।

इसके जरिये वन्य जीवों के हमले में घायल लोगों अथवा असमय काल-कवलित हुए लोगों के परिवारजनों को हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। मानव-वन्यजीव संघर्ष से प्रभावित बहराइच जिलाधिकारी मोनिका रानी, सीतापुर जिलाधिकारी अभिषेक आनंद और लखीमपुर खीरी जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने अपने-अपने जिले में पुलिस, वन विभाग, स्थानीय पंचायत और राजस्व विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये। इसमें रेंज स्तर पर वन क्षेत्रों में गश्त के साथ जंगल से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में गश्त के लिए कार्य योजना के अनुसार वन कर्मियों की टीम रोजाना गश्त करें, इसकी सूचना रजिस्टर पर अंकित करें। आरक्षित वन क्षेत्रों से लगे ग्रामों में मानव वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए बैठकों का आयोजन किया जाए एवं वन्य जीवों से सावधानी बरतने के लिए ग्रामीणों को सजग किया जाए।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

रूल ऑफ लॉ ने बदली यूपी की छवि : सीएम योगी

मुरादाबाद पुलिस अकादमी में हुआ 74 पुलिस उपाधीक्षकों का दीक्षांत समारोह

सीएम को दिया गार्ड ऑफ ऑनर, प्रखर पांडेय को मिला स्वोर्ड ऑफ ऑनर

मुरादाबाद, 2 सितंबर।

उत्तर प्रदेश सुशासन के मॉडल के रूप में अपनी पहचान बना रहा है तो इसमें एक बड़ी भूमिका उत्तर प्रदेश पुलिस बल की है। आज रूल ऑफ लॉ को लागू कराने के माध्यम से उत्तर प्रदेश ने अपने परसेप्शन को बदला है। सीएम योगी ने सोमवार को मुरादाबाद पुलिस अकादमी में 74 पुलिस उपाधीक्षकों के दीक्षांत समारोह में यह बात कही। सीएम योगी ने इस बात पर जोर दिया कि विश्व के सबसे बड़े सिविल पुलिस बल के तौर पर विख्यात उत्तर प्रदेश पुलिस बल में नवनियुक्त होने वाले उप-ाधीक्षकों को पीएम मोदी के विजन अनुसार स्मार्ट पुलिसिंग की ओर बढ़ना होगा। हमें स्मार्ट पुलिसिंग की ओर बढ़ना होगा जो टेक्नो सेवी व ट्रेंड हो, जो स्ट्रिक्ट हो मगर सेंसिटिव भी, मॉडर्न हो मगर मोबाइल भी, अलर्ट हो मगर अपने काम के प्रति उतना ही अकाउंटेबल भी हो, रिलायबल के साथ रिस्पॉन्सिव भी हो। उन्होंने 18 डिप्टी एसपी के पदों पर प्रदेश की बेटियों की नियुक्ति पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 7 वर्ष में पुलिस बल में एक लाख साठ हजार कार्मिकों की नियुक्ति के साथ ही पुलिस बल के लिए उपलब्ध संसाधनों में भी अपार वृद्धि हुई है। पुलिस प्रशिक्षण की क्षमता को भी तीन गुना से अधिक बढ़ाने में सफलता प्राप्त हुई है। सीएम योगी ने सृष्टि अकांक्षा पांडेय को आंतरिक प्रशिक्षण, उदित नारायण पालीवाल को बाह्य प्रशिक्षण तथा स्वोर्ड ऑफ ऑनर से प्रखर पाडेय को सम्मानित किया।

74 पुलिस उपाधीक्षकों को प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को विधि, मानव विकार, साइबर क्राइम, भाषा समेत 3 नए कानून के विशिष्ट प्रशिक्षण दिया गया है। सीएम योगी ने

कहा कि हम जानते हैं हमारी वर्दी धारी बलों के बारे में कहा जाता है जितना पसीना बहाओगे उतना ही कम रक्त बहाने की स्थिति आएगी। दुनिया के सबसे बड़े पुलिस बल का आप हिस्सा बनने जा रहे हैं इसके लिए आप अभिनंदन के पात्र हैं। हमें कानून परिवर्तन के भविष्य के लिए निरंतर और स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। जांच व दंड के पुराने मानदंडों से बाहर निकलकर आधुनिक फॉरेंसिक तकनीक और साक्ष्य का उपयोग करना न केवल न्याय की दृष्टि से बेहतर है बल्कि इस प्रक्रिया से न्याय में होने वाले अपव्यय की रोकथाम होगी। इसी के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेस की स्थापना भी की गई है।

सीएम योगी ने कहा कि आप पुलिस बल में एक जिम्मेदार पद पर नियुक्त हो रहे हैं। अपराध नियंत्रण के साथ ही कानून व्यवस्था का पालन कराकर पीड़ित व्यक्ति को न्याय प्रदान करने लिए भी आपकी सक्रिय भूमिका

होगी। आपसे हम इस बात की अपेक्षा करते हैं कि आम जनमानस की सुरक्षा समाज में शांति और सौहार्द्र बनाए रखने व मित्र पुलिस की छवि को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए आप सबको अपना शत प्रतिशत योगदान देना होगा। अपने कर्तव्य पालन के दौरान कठोरता के साथ विनम्रता के अद्भुत समन्व्य को बनाए रखना होगा। कर्तव्यपरायणता, अनुशासन और सत्यनिष्ठा का उदाहरण आप सभी स्थापित करेंगे।

सीएम योगी ने कहा कि पुलिस सेवा में चुनौतियां कभी खत्म नहीं होती हैं। पुलिस बल को हमेशा मुकाबले में डटकर खड़े रहना और कर्तव्य की वेदी पर स्वयं को अर्पण करना ही होता है। समाज के आम जनमानस में पुलिस की यूनीफॉर्म को देखकर सुरक्षा और विश्वास का भाव जाग्रत होना चाहिए। आपको उनके विश्वास को सही साबित करना है। उन्हें सुरक्षा प्रदान करना है। आपकी दक्षता और कर्तव्यपरायणता ही किसी पीड़ित की पीड़ा को कम कर सकती है, उसके चेहरे पर मुस्कान ला

सकती है। एक संवेदनशील पुलिस अधिकारी के लिए शीर्ष आयामों की कोई कमी नहीं है। वे चाहें तो अपने आचरण से जनमानस की कसौटियों पर खरा उतरते हुए अपनी कर्तव्यनिष्ठा का ईमानदारी से पालन कर सकते हैं।

सीएम योगी ने आगे कहा कि किसी भी प्रदेश में सुशासन की नींव, अपराधों की रोकथाम और कानून व्यवस्था की स्थापना से मजबूत होती है। यह तभी मजबूत हो सकता है जब प्रदेश में उत्तरदायी पुलिसिंग व्यवस्था और व्यावसायिक रूप से दक्ष संवेदनशील पुलिस बल हो। सुदृढ़ कानून व्यवस्था हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए हमारे सरकार की अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति प्रभावी है। पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने करने के लिए हमारी सरकार ने अनेक रिफॉर्म किए हैं, पुलिस का आधुनिकीकरण किया है। पिछले 7 वर्ष में पुलिस बल में नई भर्तियों को लेकर संसाधनों की उपलब्धता में अपार वृद्धि हुई है। पुलिस बल को सुदृढ़ करने के लिए एक लाख साठ हजार कार्मिकों की भर्ती की गई है। अभी हाल ही में आपने देखा होगा कि उत्तर प्रदेश में साठ हजार दो सौ से अधिक पदों पर चयन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए लिखित परीक्षा सफलतापूर्वक करायी गई है। पिछले 7 वर्षों के दौरान पुलिस प्रशिक्षण की क्षमता को भी तीन गुना से अधिक बढ़ाने में सफलता प्राप्त हुई है। मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण के लिए लखनऊ, गोरखपुर व बदायूं में महिला पीएसी बटालियन की स्थापना का कार्य तेजी के साथ आगे बढ़ा है।

सीएम योगी ने इस बात पर जोर दिया कि उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा किए गए रिफॉर्म्स और आधुनिकीकरण के अभियान का हिस्सा है। पिछले साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश के अंदर कोई दंगा नहीं हुआ, पर्व और त्योहार शांतिपूर्वक आयोजित हो रहे हैं। कहीं भी कोई अराजकता और गुंडागर्दी की कोई गुंजाइश नहीं है, बल्कि आज उत्तर प्रदेश सुशासन के मॉडल के रूप में अपनी पहचान बना रहा है तो इसमें एक बड़ी भूमिका उत्तर प्रदेश पुलिस बल की है। आज रूल ऑफ लॉ को लागू कराने के माध्यम से उत्तर प्रदेश ने अपने परसेप्शन को बदला है। स्वभाविक रूप से प्रदेश में हमने जो एक बेंचमार्क रखा था कि हर हाल में लगभग 20 फीसदी महिला कार्मिक हो। ऐसे में, मुझे प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन से सिलेक्शन प्रक्रिया पूरी करने के बाद इसमें 18 डिप्टी एसपी प्रदेश की बेटियां बनी हैं। मैं विशेष रूप से उन्हें और उनके अभिभावकों का अभिनंदन करता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि दक्ष, न्यायप्रीय, पारदर्शी, जवाबदेह, जनसेवा के प्रति निष्ठावान, संवेदनशील पुलिस बल की स्थापना के लिए आपका प्रशिक्षण अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

मुरादाबाद पुलिस अकादमी में दीक्षांत समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ जिसके बाद सीएम योगी ने परेड की सलामी ली। उनकी उपस्थिति में दीक्षांत समारोह में नवनियुक्त पुलिस उपाधीक्षकों ने शपथ ली। विश्व के सबसे बड़े पुलिस बल के तौर पर कार्यरत उत्तर प्रदेश पुलिस के नवनियुक्त उपाधीक्षकों ने परेड में अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

इस दौरान पुलिस बैंड द्वारा सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा जैसे राष्ट्रभक्ति गीत समेत परेड धुनों का वादन किया गया। परेड का नेतृत्व उदित नारायण पालीवाल ने किया। वहीं, परेड में नवनियुक्त उपाधीक्षकों की विभिन्न टोलियों ने हिस्सा लेकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। इनका नेतृत्व आयुषी सिंह, प्रखर पाण्डेय, रोहन चौरसिया व अन्य ने किया। आंतरिक कक्षीय प्रशिक्षण में सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाली सृष्टि अकांक्षा पाण्डेय, बाह्य कक्षीय प्रशिक्षण में उदित नारायण पा-लीवाल तथा अंतर कक्षीय व बाह्य कक्षीय विषयों को सम्मिलित कर अकादमी का सर्वश्रेष्ठ अवॉर्ड स्वॉर्ड ऑफ ऑनर जीतने वाले प्रखर पाण्डेय को सीएम योगी ने सम्मानित किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव (गृह) दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार, महानिदेशक (प्रशिक्षण) तिल-ोत्तमा वर्मा, अपर महानिदेशक राजीव सभरवाल समेत अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, चयनित उपाधीक्षक व उनके के परिजनों समेत अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कानून के शिकंजे में सपा नेता नवाब सिंह यादव

डीएनए जांच में नाबालिग से बलात्कार की पुष्टि

कन्नौज, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

नाबालिग से दुष्कर्म के आर-ोपी सपा नेता नवाब सिंह यादव अब कानून के सख्त शिकंजे में हैं। डीएनए जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। फॉरेंसिक लैब ने अपनी जांच में डीएनए सैंपल से मैच बताया है।

उल्लेखनीय है कि कन्नौज में सपा के पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव को नाबालिक से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। नवाब सिंह के डीएनए और किशोरी के सैंपल से मिलान हुआ है। एसपी अमित कुमार आनंद ने डीएनए रिपोर्ट में दुष्कर्म की

आधिकारिक पुष्टि की बात कही। किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में 12 अगस्त को पुलिस ने सपा के पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाब सिंह यादव को गिरफ्तार किया था। घटना के समय पीड़िता और आरोपी अपने विद्यालय चंदन सिंह महाविद्यालय में आपत्तिजनक अवस्था में पाए गए थे।

पुलिस ने वहीं कमरे से नवाब सिंह यादव को गिरफ्तार किया था। किशोरी अपनी बुआ के साथ आई थी। बुआ की तहरीर पर पुलिस ने छेड़छाड़ और पॉक्सो की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। पीड़िता ने कोर्ट में दुष्कर्म की बात कही थी। इसके बाद डीएनए टेस्ट कराया गया था। डीएनए रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि किशोरी के साथ नवाब सिंह यादव ने दुष्कर्म किया था। एसपी ने बताया कि अब जल्द ही चार्जशीट कोर्ट में पेश की जाएगी।

तेंदुआ पकड़ा गया, ग्रामीणों को मिली राहत

मसवासी (रामपुर), 02 सितंबर (एजेंसियां)।

हफ्तेभर से भी अधिक समय से कोसी नदी किनारे स्थित अनेक गांवों में आतंक का पर्याय बना तेंदुआ सोमवार तड़के पिंजड़े में कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। हफ्तेभर से भी अधिक समय से तेंदुए ने कोसी नदी किनारे बसे गांवों के दहशत मचा रखी थी।

बेलवाड़ा स्थित अधिवक्ता सरदार दलजीत सिंह के फार्म हाउस से शुरू हुआ तेंदुए का आतंक जमना-जमनी, चौहद्दा, भूबरी, अलीगंज और करीमपुर आदि गांवों तक फैल गया था। जहां तेंदुआ किसानों के सामने से उनके चार पालतू कुत्तों को उठाकर ले गया था। इसके चलते ग्रामीणों में दहशत का माहौल

बना हुआ था।

किसान समूह बनाकर खेतों पर काम करने जाते थे। वहीं दिन ढलते ही अपने घरों में बंद होने को मजबूर हो जाते। बीते दिनों क्षेत्र के स्टोन क्रेशर के मार्ग पर तेंदुए के दिखाई देने की वीडियो वायरल होने के बाद क्रेशर पर काम करने वाले कर्मचारियों ने भी काम पर जाना बंद कर दिया था। तेंदुए की जानकारी मिलने पर वन विभाग के डीएफओ राजीव कुमार ने भी टीम के साथ जमना-जमनी में कांबिंग कर विभागीय अधिकारियों को दिन रात तेंदुए की मूवमेंट पर नजर रखने के निर्देश दिए थे। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग के अधिकारी लगातार कांबिंग कर तेंदुए के पदचिन्हों के आधार पर पिंजड़ा लगाकर उसे पकड़ने में जुटे हुए थे।

तीन दिन पूर्व चौहद्दा में सरदार बिट्टू सिंह के पालतू कुत्ते को अपना निवाला बनाया था। जिसके अवशेष गन्ने के खेत में मिलने पर वन विभाग ने पिंजड़ा लगाकर तेंदुए को पकड़ने का प्रयास किया था। लेकिन तेंदुआ पकड़ में नहीं आ सका। तेंदुआ लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था।

जिसके चलते वन विभाग के अधिकारी हर दिन अलग गांव में अपना डेरा डालने में लगे रहे। रविवार की शाम तेंदुए ने किसान की बकरी पर हमला बोल दिया था। लोगों के शोर मचाने पर तेंदुआ बकरी को छोड़ कर भाग गया था। वन विभाग की टीम ने तत्काल पिंजरा लगाकर उसमें मरी हुई बकरी को रख दिया।

सोमवार सुबह लगभग साढ़े चार बजे तेंदुआ पिंजड़े में कैद हो गया है।

इस बीच आसपास ग्रामीण सतर्कता बर्तते हुए निगरानी कर ही रहे थे। उन्होंने तत्काल वन दरोगा शील कुमार को सूचना दी। तेंदुए को देखने के लिए भारी संख्या में ग्रामीणों का हुजूम जमा हो गया। डिप्टी रेंजर कुंदन सिंह भंडारी सहित पहुंची वन विभाग की टीम तेंदुए को लेकर पीपली वन स्थित सालारपुर रेंज कार्यालय पर ले गई। इस दौरान वन दरोगा शीलकुमार सहित अन्य वनकर्मी मौजूद रहे। डिप्टी रेंजर कुंदन सिंह भंडारी ने बताया की परीक्षण के बाद तेंदुए को जनपद बिजनौर स्थित अनानगढ़ रेंज में छोड़ा जाएगा।

हिंदुओं को गालियां देने वाले मुफ्ती की तरफदारी में उतरे मुस्लिम

बरेली, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

हिदुओं को गंदी गालियां देने वाले मुफ़्ती सलमान अजहरी की रिहाई के लिए बरेली में मुस्लिम की भीड़ ने बैनर-पोस्टर लहराए। भड़काऊ भाषण देने वाले मुफ़्ती की रिहाई के लिए मुस्लिम भीड़ ने दुआ भी पढ़ी। बड़े मौलानाओं ने भी सलमान अजहरी का समर्थन किया है और उसके साथ होने की बात कही है।

बरेली में आला हजरत दरगाह पर उर्स-ए-रजवी में यह घटना हुई है। बरेली में अगस्त के अंत में आला हजरत दरगाह पर उर्स-ए-रजवी का आयोजन किया गया

था। यहां बड़ी संख्या में देश बहर से मुस्लिम इकट्ठा हुए। इस कार्यक्रम में 30 अगस्त, 2024 को कार्यक्रम के समापन के मौके पर बड़ी मुस्लिम भीड़ बैनर-पोस्टर लेकर पहुंची। इस भीड़ ने मुफ़्ती सलमान अजहरी की रिहाई की माँग को लेकर नारे लगाए। उन्होंने चलते कार्यक्रम के बीच शोर मचाना चालू कर दिया।

इसके बाद मंच मौजूद मौलानाओं ने नारे लगाने वालों को शांत किया। मौलानाओं ने उनकी रिहाई वाली मांग का समर्थन किया। मंच पर मौजूद एक मौलाना आकिल रजवी ने कहा कि वह मुफ़्ती के साथ हैं। मौलाना आकिल ने यह भी कहा कि अगर कोई किसी सहाबी के खिलाफ बोलेगा तो उसकी जबान बंद कर दी जाएगी। मंच पर से ही मुफ़्ती सलमान अजहरी की रिहाई के लिए दुआ भी पढ़ी गई। मौलाना ने अपील की जब भी नारे लगाने वालों से कहा जाए वह बस बाहर निकल आएं। मौलाना सलमान अजहरी की रिहाई की माँग करने वालों ने इसके बाद फिलिस्तीन के लिए दुआ पढ़ी।

गौरतलब है कि मुफ़्ती सलमान अजहरी फरवरी, 2024 से गुजरात की एक जेल में बंद है। मुफ़्ती सलमान अजहरी 31 जनवरी 2024 को गुजरात के जूनागढ़ के एक कार्यक्रम में हिंदुओं को गंदी गालियां दी थीं। मुफ़्ती सलमान अजहरी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इसके बाद उसे मुंबई से गुजरात की एटीएस उसे पकड़ कर ले गई थी। उसका एक और वीडियो सामने आया था जहां वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए अपमानजनक भाषा बोल रहा था। मुफ़्ती सलमान अजहरी पर गुजरात ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी कई एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। उसके खिलाफ दंगा भड़काने से लेकर सम्पत्ति नष्ट करने तक के मामले दर्ज हैं।

अश्लील वीडियो मामले में डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक सबूत में सुधार की जरूरत

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को दिया निर्देश

प्रयागराज, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म, आपराधिक धमकी देने और अश्लील वीडियो बनाकर प्रसारित करने के मामले में जांच अधिकारी की कड़ी आलोचना की है। कोर्ट ने यूपी के डीजीपी को निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों में जो सूचना और तकनीक से जुड़ा हो, सभी जांच अधिकारियों को निर्देश दें कि वे ऐसे मामलों की जांच में भविष्य में काफी सावधानी बरतें। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने आजमगढ़ के आर-ोपी सौरभ की जमानत मंजूर करते हुए की। कोर्ट ने डिजिटल साक्ष्य से जुड़े मामलों में अधिकारियों के उदासीन रवैये पर नाराजगी भी जताई।

मौजूदा मामले में सामूहिक दुष्कर्म, आपराधिक धमकी और नाबालिग लड़की के अश्लील वीडियो प्रसारित करने के आरोप शामिल हैं। मुख्य आरोपी सौरभ कुमार और एक सह-आरोपी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376 डीबी और 506, यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पाक्सो) की धारा 5 जी और 5 एम/जी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत आर-ोप लगाए गए हैं। पीड़िता को आरोपियों ने ब्लैकमेल किया और धमकाया। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि सौरभ कुमार और सह-आरोपी सेहबान ने एक नाबालिग लड़की को उसके स्कूल से बहला-फुसलाकर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। उन पर घटना का वीडियो बनाने और व्हाट्सएप के माध्यम से वीडियो प्रसारित करने का भी आरोप है। कथित तौर पर वीडियो पीड़िता के भाई के मोबाइल डिवाइस पर सामने आया। जिसके बाद तीन अप्रैल, 2024 को प्राथमिकी थाना अहरौला, जिला आजमगढ़ में दर्ज की गई। हाईकोर्ट ने कहा कि जांच अधिकारी इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्राप्त तस्वीरों और वीडियो के बारे में साक्ष्यों की विवेचना करने में पर्याप्त रूप से सतर्क नहीं हैं।

संपादकीय

दिव्यांग बेटियों के इतिहास

इस बार देश की दिव्यांग बेटियों ने भी चैम्पियन और पदकवीर बनकर भारत को गौरवान्वित किया है। अजीब संयोग है कि ओलंपिक में मनु भाकर ने पदक जीत कर भारत का खाता खोला था और पैरालंपिक में भी अवनि लेखरा ने स्वर्ण पदक जीत कर इस सिलसिले को स्वर्णिम बना दिया। दोनों ही खिलाड़ी निशानेबाज हैं। पैरालंपिक में दिव्यांग बेटियों का शारीरिक आधा-अधूरापन, उनकी असहायता, असमर्थता और अपाहिज होने की स्थिति भी उनके खेल-हुनर को नहीं बांध नहीं सकीं और पेरिस पैरालंपिक में भी बेटियां पदकवीर बनीं। राजस्थान की अवनि लेखरा ने तो इतिहास ही रच दिया, जब टोक्यो के बाद पेरिस पैरालंपिक में भी उन्होंने निशानेबाजी का स्वर्ण पदक हासिल किया। अभी तो प्रतियोगिताएं शेष हैं। इस बार अवनि का लक्ष्य है कि 'गोल्डन हैट्रिक' जीत कर ही वह घर लौटेंगी। उन्होंने अपने पापा से यह वायदा किया है। यह असाध्य भी नहीं है, क्योंकि टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने दो स्वर्ण पदक समेत तीन पदक जीते थे। यदि वह अपने लक्ष्य में कामयाब हो जाती हैं, तो भारत और एशिया की प्रथम दिव्यांग महिला निशानेबाज होंगी। निशानेबाजी में ही, राजस्थान की ही, मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीत कर एक और मील-पत्थर स्थापित किया है। आज मोना 37 वर्षीय और दो बच्चों की मां हैं, लेकिन उन्हें वह लम्हा आज भी याद है, जब उन्होंने घर छोड़ा था, क्योंकि उन पर शादी का दबाव बनाया जा रहा था। मोना को 2016 से पहले तक यह भी नहीं पता था कि पैरालंपिक खेल भी होते हैं। निशानेबाजी में मात्र 3 साल के अनुभव ने ही उन्हें पैरालंपिक पदकवीर बना दिया। कभी कल्पना की जा सकती थी कि दिव्यांग, धावक बेटी 100 मीटर की दौड़ में हिस्सा लेगी और पैरालंपिक में कांस्य पदक विजेता बनेगी? कमोबेश हमने तो ऐसी कल्पना नहीं की थी, लेकिन मेरठ की प्रीति पाल ने यह लक्ष्य हासिल कर 'अभूतपूर्व कारनामा' करके दिखा दिया। पिता ने दूध बेचकर और अपना सर्वस्व दांव पर लगाकर दिव्यांग बेटी को पैरालंपिक पदकवीर बनाकर तमाम विरोधाभासों को खारिज कर दिया। निशानेबाजी में ही रुबीना फ्रांसिस के खेल को विस्मृत नहीं कर सकते। उन्होंने भी कांस्य पदक हासिल किया। इन बेटियों को सलाम! शाबाश! सोचिए, किसी दुर्घटना में बेटी अपाहिज हो गई। किसी को प्रकृति ने ही विकलांग जन्म दिया। किसी को बीमारी ने आधा-अधूरा कर दिया। किसी का निचला हिस्सा बिलकुल निर्जीव है, किसी की टांगें नहीं रहीं, किसी की एक बाजू और पांव टेढ़ा है, किसी को कृत्रिम अंग लगवाने पड़े हैं। कितनी तकलीफ, कितनी यंत्रणा और कितने तनाव से गुजरी होंगी ये खिलाड़ी बेटियां! उसके बावजूद ये सफलताएं अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों को पराजित कर हासिल की हैं। वाह! देश की चैम्पियन बेटियो! यहां हम जम्मू-कश्मीर की 17-18 वर्षीय शीतल देवी की याद आती है, जो मुंह और पांव की अंगुलियों से प्रत्यंचा खींच कर तीरंदाजी करती हैं। ऐसा करते हुए उन्होंने 703 का स्कोर बनाया था और 698 के पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा था। यह दीगर है कि खेल के दौरान ही उनका विश्व रिकॉर्ड एक अंक से टूट गया। बेशक शीतल पदकवीर नहीं बन पाईं और एक अंक से पिछड़ गईं, लेकिन उनकी सटीक तीरंदाजी को देख कर लगता है मानो उनके भीतर कोई दैवीय शक्ति विराजमान हो! ये सभी बेटियां पदकवीर खिलाड़ी तो बन चुकी हैं, लेकिन जिंदा इतिहास की शिलालेख भी हैं। इन खिलाड़ियों ने अनथक परिश्रम किया है, संघर्षों से गुजरी हैं, आर्थिक स्थितियां भी अच्छी नहीं थीं, फिर भी भारत का 'तिरंगा' लहराया है और पैरालंपिक के दौरान 'जन गन...' भी गूंजा है। ये कम उपलब्धियां नहीं हैं। बेशक सरकार इन खिलाडियों को आर्थिक मदद दे रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण दिलाए हैं, फिर भी प्रतिभा तो खिलाडियों की है, जो नए प्रतिमान स्थापित कर रही है। अब भी भारत पैरालंपिक में 20वें स्थान पर है।

> पैरालंपिक में दिव्यांग बेटियों का शारीरिक आधा-अधूरापन, उनकी असहायता, असमर्थता और अपाहिज होने की स्थिति भी उनके खेल-हुनर को नहीं बांध नहीं सकीं और पेरिस पैरालंपिक में भी बेटियां पदकवीर बनीं। राजस्थान की अवनि लेखरा ने तो इतिहास ही रच दिया, जब टोक्यो के बाद पेरिस पैरालंपिक में भी उन्होंने निशानेबाजी का स्वर्ण पदक हासिल किया। अभी तो प्रतियोगिताएं शेष हैं। इस बार अवनि का लक्ष्य है कि 'गोल्डन हैट्रिक' जीत कर ही वह घर लौटेंगी। उन्होंने अपने पापा से यह वायदा किया है। यह असाध्य भी नहीं है, क्योंकि टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने दो स्वर्ण पदक समेत तीन पदक जीते थे। यदि वह अपने लक्ष्य में कामयाब हो जाती हैं, तो भारत और एशिया की प्रथम दिव्यांग महिला निशानेबाज होंगी। निशानेबाजी में ही, राजस्थान की ही, मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीत कर एक और मील-पत्थर स्थापित किया है। आज मोना 37 वर्षीय और दो बच्चों की मां हैं, लेकिन उन्हें वह लम्हा आज भी याद है, जब उन्होंने घर छोड़ा था, क्योंकि उन पर शादी का दबाव बनाया जा रहा था।

महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं

छत्रपति प्रतिमा का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

ललित गर्ग

> आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है।

मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दुःखद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था।

सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के इर्द-गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य-शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थी। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई।

छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं,

बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया। प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिये घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमान किया जायेगा। लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे।

यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी इस तरह की भ्रष्ट एवं लापरवाही के रूप में उजागर हुई है। हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बार-बार तार-तार होती रही है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। अयोध्या में भी सड़के ध्वस्त हो गयी थी। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली बनी हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान हुआ है। मुंबई में घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। कहीं नई बनी सड़कें धंस हो जाती हैं तो कहीं नई सरकारी इमारतों में दरारे पड़ जाती है। इन मूर्तियों, पुलों, सड़कों एवं सार्वजनिक निर्माण के अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रतिमाएं हो या पुल-इनके गिरने से जितने पैसों की बर्बादी होती है, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी मजबूत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तंत्र की जरूरत है। निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता और राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की प्रवृत्ति ने ऐसी दुर्घटनाओं की गति एवं मात्रा बढ़ाई है। इसके लिए समूचे तंत्र को अपनी कार्य-संस्कृति पर भी गौर करने की जरूरत है। शिवाजी की प्रतिमा के तेज हवा में यूं ढह जाने से हमें सबक सीखने की जरूरत है।

सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को ऐसे राष्ट्रीय महत्व के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषतः राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है।

दृष्टि कोण

चीन से घटाना होगा व्यापार घाटा

हाल संभावनाओं को साकार किए जाने के चार प्रमुख आधार हैं। एक, चीन से निकलते बड़े उद्योगों, बड़ी कंपनियों और निवेश के भारत की कमियों में आने की सबसे अधिक संभावनाएं हैं। इससे भारत का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत होगा। दो, चीन प्लस वन रणनीति के तहत भारत दुनिया के सक्षम व भरोसेमंद देश के रूप में निर्यात बढ़ा सकता है। साथ ही अमरीका सहित यूरोपीय व कई विकसित देश चीन से आयात घटाने के लिए चीनी उत्पादों पर जिस तरह असाधारण आयात प्रतिबंध लगा रहे हैं, उससे इन देशों में भारत के उत्पादों का निर्यात बढने की नई संभावनाएं हैं। तीन, देश से चीन को कृषि पदार्थों और खाद्य प्रसंस्करण निर्यात में तेज वृद्धि की जा सकती है। चार, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किए गए वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में किए गए प्रावधानों से भारत के आयात घटने व निर्यात बढने की संभावनाएं हैं। उल्लेखनीय है कि वैश्विक वित्तीय कंपनी नोमूरा ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन से ग्लोबल कंपनियां बाहर निकल रही हैं जिसका बड़ा फायदा भारत को मिलता दिख रहा है। नोमूरा के द्वारा चाईना प्लस वन स्ट्रेटजी पॉलिसी को लेकर 130 फर्मों के साथ सर्वे किया गया है। कहा गया है कि खासतौर से भारत के दरवाजे पर दस्तक दे रही इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, सेमीकंडक्टर (एसेंबलिंग, टेस्टिंग), एनर्जी (सोलर) के अलावा फार्मास्युटिकल्स सेक्टर की कंपनियों का भारत में हर संभव सुविधा देकर स्वागत किया जाना होगा। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि जी-20 की नई शक्ति से सुसज्जित भारत नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश की भूमिका में उभरकर सामने आया है और चीन को आर्थिक टक्कर देने की स्थिति में है। ऐसे में भारत अधिक रणनीतिक प्रयासों से भारतीय बाजार में उद्योग-कारोबार, निर्यात और निवेश के अधिक मौकों को कमियों में ले सकता है। निश्चित रूप से दुनिया के बाजार में चीन का दबदबा तोडने के परिप्रेक्ष्य में यूरोपीय, अमरीका और अन्य कई देश चीन से आयात के बढ़ते खतरों के मद्देनजर चीनी आयातों पर असाधारण आयात प्रतिबंध लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। विगत 12 जून को यूरोपीय आयोग ने चीन में बने इलेक्ट्रिक वाहनों पर 48 फीसदी तक आयात शुल्क लगाना सुनिश्चित किया है। पिछले कई वर्षों से यूरोपीय देशों की चीन से आयात पर शुल्क की दरें 10 फीसदी तक ही सीमित रही हैं। ऐसे में विभिन्न देशों के द्वारा चीन से आयात होने वाले अनेक उत्पादों पर लगातार बढ़ता शुल्क चीन के आयातों को हतोत्साहित करने की एक अहम पहल है, ऐसे में इन देशों में भारत से निर्यातों की संभावनाएं बड़ी है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि चीन को कृषि निर्यात बढ़ाए जाने की प्रचुर संभावनाएं है, देश से कृषि उत्पाद बढ़ाने के साथ कृषि निर्यात बढ़ाने की रणनीतिक पहल की जा रही है। वित्तमंत्री सीतारमण के द्वारा पेश किया गया वर्ष 2024-25 का बजट भी उद्योगों को समृद्ध करने का बजट है। इस बजट के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करते हुए आयात घटाने व निर्यात बढ़ाने के अभूतपूर्व प्रावधान किए गए हैं। इससे चीन का भारतीय बाजारों पर जो दबदबा बना हुआ है, उसमें भी कमी आते हुए दिखाई दे सकती है। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर देश से निर्यात और रोजगार सृजन दोनों में अहम योगदान देता है और इसके प्रोत्साहन के लिए इस बजट में खास ख्याल रखा गया है। वित्तमंत्री ने बजट में देश के 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले औद्योगिक पार्क बनाने की घोषणा की है। केंद्र, राज्य और निजी सेक्टर की आपसी सहभागिता से प्लग एंड प्ले सुविधा वाले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। उद्यमी को ऐसे औद्योगिक पार्क में जाकर सिर्फ उत्पादन शुरू करना होता है। नए बजट के प्रावधानों के तहत 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले सुविधा वाले औद्योगिक क्लस्टर या पार्क के विकसित होने से कम से कम 100 प्रकार के आइटम का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो सकता है। वर्ष 2024-25 के बजट में वित्तमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर सशक्त बनाया है। साथ ही इस सेक्टर के आयात में कमी के मद्देनजर प्रावधान किए गए है। निस्संदेह अब एक बार फिर से देश के करोड़ों लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढना होगा। इस बात को भी समझना होगा कि चीन से व्यापारिक असंतुलन की गंभीर चुनौती के लिए सिर्फ सरकार ही जिम्मेदार नहीं है।

कुछ अलग

प्रदूषण से जंग

यह खबर उत्साहवर्धक है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की हालिया वार्षिक रिपोर्ट 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं, लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' में यह भी चेताया गया है कि यदि भारत में डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम 2.5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है। दरअसल, पीएम-2.5 हवा में विद्यमान ऐसे सूक्ष्म कण होते हैं जो हमारे श्वसनतंत्र पर घातक प्रभाव डालते हैं। उल्लेखनीय है कि एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेखित प्रदूषण में आई गिरावट की वजह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां बतायी गई हैं। हालांकि, हकीकत यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये चलायी जा रही कई योजनाओं के सकारात्मक परिणामों का भी इसमें योगदान रहा है। खासकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जिन शहरों को शामिल किया गया था, वहां भी पीएम-2.5 सांद्रता में गिरावट देखी गई है। वहीं स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव प्रदूषण नियंत्रण पर नजर आया है। इससे भारत के रिहाइशी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। ऐसी योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का सुझाव भी दिया गया है। बहरहाल, हमें वर्ष 2022 के उत्साहजनक परिणामों के सामने आने के बाद व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीन नहीं होना है। यह एक लंबी लड़ाई है और इसमें सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सरकारों के भरोसे ही लगातार गहराते पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में हर साल ठंड की दस्तक के बाद पराली जलाने और दिवाली पर पटाखे फोड़ने के बाद जो प्रदूषण का बड़ा संकट खड़ा होता है, उसमें हम अपनी जिद व लापरवाही की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकते। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है। दरअसल, पीएम-2.5 कणों की सांद्रता बढ़ाने में हमारी लापरवाही की बड़ी भूमिका होती है, जिसमें सड़कों पर बढ़ते वाहनों का दबाव भी शामिल है। जिसके मूल में हमारी लचर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था भी है। हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। हमारे उद्यमियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण में योगदान देना चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि शहरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप जैसी व्यवस्था को नियमित रूप से लागू क्यों नहीं किया जा सकता।

देश दुनिया से

राजनीतिक साये में जर्जर होती अर्थव्यवस्था

> व्यावहारिकता का परिक्षण किए वगैर सत्तासीन होने के लिए एक से बढक़र एक अनेक वायदे अपने चुनावी घोषणा पत्र में कर दिए जाते हैं। बाद में जब वायदे पूरे करने में सरकार नाकाम रहती है, तो तरह-तरह के बहाने बनाए जाते हैं। वैसे भी जयराम सरकार के समय में हुए पुलिस भर्ती पेपर लीक कांड, अवैध शराब कांड और ट्रैजेडी, अवैध पटाखा फैक्ट्री में आग, कमजोर गवर्नेंस और व्यापक भ्रष्टाचार एवं भाजपा के भीतर पनपती आपसी फूट के बाद हिमाचल की जनता बदलाव के मूड में थी, परंतु शायद कांग्रेस कोई चांस नहीं लेना चाहती थी, इसलिए भारी भरकम आत्मघाती वायदों का पिटारा खोल बैठी। कांग्रेस एक अच्छी गवर्नेंस के साथ भ्रष्टाचार मुक्त शासन के वायदे के साथ चुनाव लड़ती, तो भी सत्तासीन हो जाती।

कहने को तो राजनीति समाज सेवा का जरिया है, लेकिन वास्तव में नेताओं ने राजनीति को महत्त्वाकांक्षाओं की पूर्ति का रास्ता मान लिया है। व्यावहारिकता का परिक्षण किए वगैर सत्तासीन होने के लिए एक से बढक़र एक अनेक वायदे अपने चुनावी घोषणा पत्र में कर दिए जाते हैं। बाद में जब वायदे पूरे करने में सरकार नाकाम रहती है, तो तरह-तरह के बहाने बनाए जाते हैं। वैसे भी जयराम सरकार के समय में हुए पुलिस भर्ती पेपर लीक कांड, अवैध शराब कांड और ट्रैजेडी, अवैध पटाखा फैक्ट्री में आग, कमजोर गवर्नेंस और व्यापक भ्रष्टाचार एवं भाजपा के भीतर पनपती आपसी फूट के बाद हिमाचल की जनता बदलाव के मूड में थी, परंतु शायद कांग्रेस कोई चांस नहीं लेना चाहती थी, इसलिए भारी भरकम आत्मघाती वायदों का पिटारा खोल बैठी। कांग्रेस एक अच्छी गवर्नेंस के साथ भ्रष्टाचार मुक्त शासन के वायदे के साथ चुनाव लड़ती, तो भी सत्तासीन हो जाती। हिमाचल कांग्रेस जानती थी कि केंद्र में विपक्ष की सरकार है, जहां से आर्थिक सहायता की उम्मीद नहीं की जा सकती, फिर भी ओपीएस अर्थात पुरानी पेंशन योजना को बहाल करना चुनावी मुद्दा तय कर लिया, बेशक कांग्रेस ने हर राज्य में इसे चुनावी मुद्दा बनाया हो, परंतु हिमाचल जैसे छोटे से पहाड़ी राज्य में आय का कोई बड़ा साधन न होने के कारण ओपीएस को बहाल कर अब सरकार आर्थिक संकट में आ चुकी है। दूसरी तरफ सरकार की बदकिस्मती से लगातार दो वर्षों से प्रदेश में आ रही प्राकृतिक आपदाओं ने सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। हिमाचल के मुख्यमंत्री का प्रदेश की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए दो माह के लिए स्वयं के, मंत्रियों, मुख्य संसदीय सचिवों के वेतन भत्ते बंद कर विधायकों से वेतन भत्ते न लेने का आग्रह करना सरकार की बेबसी को झलकाता है, इस सबके बावजूद मुख्यमंत्री द्वारा असंवैधानिक पदों पर बिठाए गए सलाहकारों, ओएसडी निगमों और बोर्डों के अध्यक्षों की लंबी चौड़ी फौज से वेतन भत्ते छोडने का कोई आग्रह, अब तक सामने नहीं आया है। आय न हो तो खर्चों पर लगाम लगानी पड़ती है और आय के साधनों पर ध्यान केंद्रित करना पड़ता है, परंतु सरकार ने पुराने ढर्रे पर चल रही सरकारी व्यवस्था को बदलने के बजाय पेट्रोल डीजल पर अतिरिक्त कर लगाने, पूर्व सरकार द्वारा खोले गए अनावश्यक के साथ-साथ जरूरी दफ्तरों, विभागों, स्कूलों को भी बंद कर दिया। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के बजाय भ्रष्टाचार पर सरकार की पकड़ को ढीला कर दिया। भ्रष्ट अधिकारियों को महत्त्वपूर्ण पदों पर बिठाया गया या उन्हें सेवा-विस्तार दे दिया गया। माननीयों के वेतन भत्तों में कटौती न कर, विधायकों मंत्रियों की दोहरी-तिहरी पेंशन व्यवस्था पर भी कभी विचार ही नहीं किया गया। कांग्रेस पर परिवारवाद के लिए अंगुली उठती रही है, आज भी ऐसे कई विधायक हैं जिनके पिता, सदन के सदस्य रह चुके हैं, ऐसे परिवारों में तीन चार पेंशन आ रही है क्या यह सही है? जब प्रदेश का युवा बेरोजगारी की आग में जल रहा हो और सरकार का खजाना खाली हो तो, प्रदेश के हर विधायक को एक डाटा आपरेटर रखने का अधिकार प्राप्त है, जिसकी एवज में उन्हें पंद्रह हजार रुपए प्रतिमाह अतिरिक्त भत्ता मिलता है। हिमाचल विधानसभा हर विधायक को यह भत्ता प्रदान कर रही है, जबकि आरटीआई एक्टिविस्ट आशीष देव भट्टाचार्य द्वारा जून माह में जुटाई गई जानकारी के मुताबिक हिमाचल सचिवालय के पास विधानसभा द्वारा माननीयों को दिए जा रहे इस प्रकार के किसी भत्ते का रिकार्ड ही नहीं है कि कितने विधायकों ने डाटा आपरेटर रखे हैं न ही सचिवालय में डाटा आपरेटर के संबंध में कोई बिल जमा है। ऐसी अव्यवस्था के बीच न केवल माननीयों की मौज हो रही है, बल्कि बेरोजगार युवाओं के साथ बहुत बड़ा धोखा भी हो रहा है। माननीयों को पंद्रह हजार रुपए प्रति माह टेलीफोन भत्ता भी दिया जाता है, लैंडलाइन टेलीफोन के जमाने से चली आ रही इस प्रथा का आज के युग में क्या औचित्य रह जाता है, मुख्यमंत्री जी सोचिएगा जरूर। अपने चुनावी हल्फनामे में करोड़ों, अरबों की संपत्ति डिक्लेयर करने वाले एवं आय के विभिन्न स्रोत बताने वाले माननीयों के वेतन के अलावा भत्तों पर अगर नजर दौड़ाएं, तो वो इस प्रकार हैं:प्रतिपूरक भत्ता 5 हजार रुपए प्रतिमाह, विधानसभा क्षेत्र भत्ता 90 हजार, टेलीफोन भत्ता 15 हजार रुपए, कार्यालय भत्ता 30 हजार और डाटा ऑपरेटर भत्ता के लिए 15 हजार रुपए मिलते हैं। यह आम जनता का पैसा है। ये भत्ते उन्हें तब तक मिलते हैं, जब तक वह विधायक रहते हैं। इसके अलावा विधानसभा सत्र की बैठक के लिए प्रति बैठक 1800 रुपए रोजाना दिया जाता है। वहीं, ट्रैवलिंग अलाउंस, फ्री यात्रा सुविधा, आवासीय सुविधा समेत कई तरह की सुविधाएं विधायकों को दी जाती हैं, जो समाज सेवा के नाम पर जनता के दुख दर्द को बांटने के लिए चुने जाते हैं। ऐसी व्यवस्था के बीच व्यवस्था परिवर्तन का नारा दे कर मात्र दो महीनों के वेतन भत्ते उपवास से क्या प्रदेश की आर्थिक स्थिति सुधर जाएगी? प्रदेश के खनिजों से होने वाली आय को विभाग के अधिकारियों एवं माफियाओं की सांठगांठ से चूना लगाया जा रहा है।

आप का नजरिया

भीड़ कम करने के लिए

भीड़ कम करने की वजह हिमाचल के शहरी आवरण को फिर से लिखने की जरूरत सरीखी है। वीरभद्र सिंह के बाद यह पैगाम सुक्खू सरकार ने दिया है कि राजधानी से कुछ कार्यालय जिला मुख्यालयों को रुखसत किए जाएंगे। शांता कुमार सरकार ने बिजली महकमे के कई कार्यालय सुंदरनगर भेजे थे, तो वीरभद्र सिंह ने नार्थ, साउथ व सेंट्रल जोन बनाकर विभागों के क्षेत्रीय कार्यालय और कुछ मुख्यालय स्थानांतरित किए थे। प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश के क्षेत्रीय कार्यालयों का एक और जोन बनाकर हमीरपुर में इनकी तादाद बढ़ाई थी। बेशक शिमला में राजधानी के हिस्से बंटे और इन्हीं से निकला था निचले क्षेत्रों में मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, तपोवन में शीतकालीन सत्र और धर्मशाला में शीतकालीन राजधानी का सफर। एक बार फिर शिमला की बाहों से भीड़ का बोझ निकाला जाएगा। यह संभव है अगर नगर की डगर पर आसमानों का युद्ध न हो, वरना सत्ता की मंजिलें सियासी भीड़ बन जाती हैं। देखना यह भी होगा कि शिमला से उठा कर भीड़ किस शहर की संपत्ति बनने के लिए उपयोगी सिद्ध होती है। मसलन कृषि विश्वविद्यालय अगर पालमपुर में है, तो कृषि विभाग का निदेशालय वहां हो सकता है। इसी तरह मेडिकल यूनिवर्सिटी मंडी के साथ चिकित्सा निदेशालय व सोलन विश्वविद्यालय के कारण बागबानी का निदेशालय वहां शिफ्ट किए जा सकते हैं। स्कूली बोर्ड शिक्षा व खेल नगरी के रूप में धर्मशाला में शिक्षा, खेल, युवा सेवाएं, भाषा एवं कला-संस्कृति तथा पर्यटन जैसे विभाग भेजे जा सकते हैं। बीबीएन क्षेत्र को प्रदेश की आर्थिक राजधानी का दर्जा देने के लिए उद्योग, प्रदूषण, वित्त निगम तथा औद्योगिक विकास निगम के कार्यालयों का औचित्य वहां बढ़ जाता है। इसके साथ बैंकिंग क्षेत्र की राज्य स्तरीय वित्तीय संस्थाओं के मुख्यालय बीबीएन में शिफ्ट कर देने चाहिए। शिमला के उच्च न्यायालय का सर्किट बैंच धर्मशाला में खोलने की दशकों पुरानी मांग को पूरा करने की दिशा में भी सरकार को अहम भूमिका निभानी चाहिए। शिमला को मिला राजधानी का दर्जा इसकी ऐतिहासिक विरासत का परचम बुलंद करता है, इसलिए यहां 'राज्य राजधानी क्षेत्र' की तर्ज पर विकास करना होगा। वर्षों से लंबित वाकनाघाट परियोजना को अब शिमला के भविष्य के अनुरूप विकसित करना चाहिए। बेशक शिमला को भीड़ से मुक्त कराने का एक तरीका इजाद हो रहा है, लेकिन भीड़ में मंदिर परिसरों, पर्यटक स्थलों, बढ़ते यातायात की मजबूरियों और परिवहन के दबाव को घटाने की जरूरत है। प्रदेश में दो-तीन शहरों के मध्य कर्मचारी नगर बसा कर नए कार्यालयों के लिए स्थान बनाया जा सकता है। शिमला से कार्यालय शिफ्ट कर देने से राज्य की भीड़ कम नहीं होगी। हमें याद रखना चाहिए कि पांच करोड़ पर्यटक आगमन का इंतजार पुनः शिमला के रिज, सडक़ों और पर्यटक स्थलों को खचाखच भर देगा। ऐसे में हर शहर की भूमिका में निखार लाने से पहले उसके मूल आचरण का वर्गीकरण करते हुए ही विभागों के कार्यालय शिफ्ट करने होंगे।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

बांग्लादेश में ढाका अस्पताल में चिकित्साकर्मियों पर हमले दुर्व्यव्हार के विरोध में चिकित्सकों की देशव्यापी हड़ताल

ढाला, 02 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) में एक छात्र की मौत के बाद चिकित्साकर्मियों पर हुए हमले के विरोध में बांग्लादेश में सार्वजनिक और निजी अस्पतालों में चिकित्सकों ने रविवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की घोषणा की।

प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने हमले के दोषियों के खिलाफ तत्काल कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की मांग की, साथ ही काम पर लौटने की पूर्व शर्त के रूप में कार्यस्थलों पर सुरक्षा की भी मांग की।

देश भर के चिकित्सकों ने चार सूत्री मांगों को लेकर एक सितंबर से सभी सार्वजनिक और निजी अस्पतालों को पूरी तरह बंद रखने की घोषणा की है। उनकी मांगों में शनिवार रात को ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) में चिकित्सकों पर हमले में शामिल लोगों की गिरफ्तारी भी शामिल है।

प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने डीएमसीएच परिसर में मीडिया से कहा, जितनी जल्दी वे हमारी मांगें मान लेंगे, उतना ही बेहतर होगा। हमारी मांगें पूरी होते ही हम (मरीजों का) इलाज शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि नर्सों ने भी चिकित्सकों के साथ एकजुटता व्यक्त की और काम पर आने से इनकार कर दिया।

यह पूछे जाने पर कि यदि इलाज के अभाव में किसी की मौत हो जाती है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा, प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने कहा कि ऐसी किसी भी घटना के लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा। चिकित्सकों ने देश की सभी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में सशस्त्र स्वास्थ्य पुलिस की तैनाती के माध्यम से तत्काल सुरक्षा उपाय करने की मांग की।

न्यूज़ ब्रीफ

हेलिकॉप्टर के पहाड़ से टकराने से हुई थी ईरान के राष्ट्रपति की मौत, जांच के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी या हमले का कोई सबूत नहीं मिला

तेहरान । ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत हेलिकॉप्टर दुर्घटना में हुई थी। उनकी मौत पर संशय बना हुआ था कि आखिर उनका हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त कैसे हुआ लेकिन अब इस रहस्य से पर्दा उठ चुका है। दरअसल जिस समय उनकी मौत हुई थी उस समय कयास लगाए जा रहे थे कि इसमें उनके दुश्मन देशों का हाथ हो सकता है लेकिन ईरान के सरकारी टीवी ने इस घटना पर अंतिम जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि हेलिकॉप्टर दुर्घटना में रईसी की मौत मुख्य रूप से घने कोहरे सहित मौसम की स्थिति के कारण हुई थी। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी एक कट्टरपंथी, जिन्हें सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था, उनकी मई में अज़रबैजान सीमा के पास एक पहाड़ी क्षेत्र में उनके हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से मौत हो गई थी। ईरान की सेना द्वारा घटना की जांच के लिए नियुक्त एक उच्च समिति द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि घने कोहरे के कारण रईसी और उनके साथियों को ले जा रहा हेलिकॉप्टर पहाड़ से टकरा गया। ईरान की सेना द्वारा मई में दी गई प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया था कि जांच के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी या हमले का कोई सबूत नहीं मिला है। अगस्त में, फ़ार्स समाचार एजेंसी ने 19 मई की दुर्घटना के मुख्य कारणों को ख़राब मौसम की स्थिति और सुरक्षा प्रोटोकॉल के विरुद्ध दो अतिरिक्त यात्रियों के साथ हेलिकॉप्टर के ऊपर चढ़ने में असमर्थता बताया था लेकिन ईरानी सशस्त्र बलों ने इस रिपोर्ट को तुरंत खारिज करते हुए कहा कि न्यूज़ पर सुरक्षा प्रोटोकॉल के विरुद्ध हेलिकॉप्टर में दो लोगों की मौजूदगी के बारे में जो उल्लेख किया गया है, वह पूरी तरह से झूठ है ।

पाकिस्तान में उद्घाटन हुए आधा घंटा भी नहीं हुआ था कि भीड़ ने लूट लिया पूरा मॉल

करांची। पाकिस्तानी कारनामें समूची दुनिया में हमेशा ही चर्चा में रहे हैं। इस बार भी करांची का एक मॉल चर्चा में आ गया है। वजह ये है कि यहां एक शॉपिंग मॉल का शुभारंभ हुए आधा घंटा भी नहीं हुआ और भीड़ टूट पड़ी। देखते ही देखते लोगों ने पूरा मॉल लूट लिया। जानकारी अनुसार करांची में एक पाकिस्तानी बिजनेसमैन ने करोड़ों खर्च कर ड्रीम बाजार नाम से शॉपिंग मॉल बनाया। पाकिस्तान के पहले मेगा थ्रिफ्ट स्टोर के रूप में सोशल मीडिया पर मॉल का आक्रामक रूप से प्रचार किया गया था। लोगों को लुभाने के लिए मॉल प्रबंधन ने 50 पाकिस्तानी रुपये से कम कीमत पर सामान बेचने का वादा किया। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि यह सब आधे घंटे के भीतर हुआ। उन्होंने दोपहर 3 बजे दुकान खोली और 3-30 बजे तक सारा सामान चोरी हो चुका था। इस अफरात-तफरी के कारण करांची के जौहर और राबिया सिटी इलाकों में भयंकर ट्रैफिक जाम लग गया। वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

नवाज शरीफ की अपील, पाकिस्तान को संकट से निकालने के लिए सभी दल एकजुट हो

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को संकट से बाहर निकालने के लिए देश के पूर्व प्रधानमंत्री व पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) अध्यक्ष नवाज शरीफ ने सभी दलों से एकजुट होकर प्रयास करने की मार्मिक अपील की है।

पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान को संकट से उबारने के लिए एक सर्वव्यापी संवाद का मंच बनाया जाना चाहिए, जिसमें इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सहित सभी प्रमुख राजनीतिक दल शामिल हों। इसमें महत्वपूर्ण पहलों में राज्य संस्थानों को भी शामिल किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने पूर्व सहयोगी, जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान को भी साथ लाने का प्रयास किया। पीएमएल-एन के शीर्ष अधिकारियों ने शनिवार को माडल टाउन मुख्यालय में बैठक की। इसमें बिजली को लेकर हाल ही में प्रदान की गई राहत, पंजाब में स्थानीय अधिकारियों द्वारा लागू किए जा रहे सुधार और सत्तारूढ़ पुनर्गठन जैसे विषयों पर चर्चा की गई। वहीं, इमरान की पार्टी पीटीआई से बातचीत को लेकर योजना मंत्री अहसान इकबाल ने शर्त रखी है। उन्होंने कहा कि पीटीआइ के साथ किसी तरह की बातचीत के लिए पिछले साल नौ मई की कथित हिंसा के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को माफी मांगनी होगी।

कनाडा में खालिस्तान समर्थकों ने निकाली झांकी, पूर्व सीएम बेअंत सिंह के हत्यारे को किया सम्मानित

कनाडा ,02 सितंबर (एजेंसियां)।

कनाडा में खालिस्तान समर्थक कट्टरपंथियों ने एक हत्यारे के समर्थन में झांकियां निकालीं। इसके जरिए 1995 में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के लिए जिम्मेदार आत्मघाती हमलावर को श्रद्धांजलि दी गई। यह झांकी वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के पास निकाली गई, जिसमें दिवंगत सीएम की तस्वीरों के साथ खून से लथपथ बम विस्फोट वाली कार शामिल की गई।इस दौरान तस्वीरों पर लिखा गया, मबेअंत को मौत के घाट उतार दियाळ। साथ ही आत्मघाती हमलावर व उनके हत्यारे दिलावर सिंह बब्बर को श्रद्धांजलि दी गई। मालूम हो कि यह हत्या 29 साल पहले 31 अगस्त 1995 को हुई थी। इसी तरह की रैली टोरंटो में भी निकाली गई जिसका नेतृत्व इंद्रजीत सिंह गोसल ने किया। उसने खालिस्तान जनमत संग्रह के प्रचारकों को दिलावर सिंह की संतान बताया। गोसल जनमत संग्रह के प्रमुख आयोजकों में से एक है। उसे सिख्स फॉर जस्टिस के जनरल काउंसिल गुरपतवंत पन्नू का सहयोगी भी बताया जाता है। कनाडाई कानून प्रवर्तन से अगस्त की शुरुआत में उसके जीवन के लिए खतरे की चेतावनी मिली थी। यह अलर्ट ओंटारियो प्रांतीय पुलिस और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की ओर से जारी किया गया। गोसल हरदीप सिंह निज्जर का भी करीबी बताया जाता है, जिसकी पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में हत्या कर दी गई थी।इसी साल 9 जून को ग्रेटर टोरंटो एरिया के ब्रैम्पटन में खालिस्तान समर्थकों ने एक झांकी निकाली थी, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का पुतला दिखाया गया। इंदिरा के अंगरक्षकों ने गोलीबारी करके उनकी हत्या कर दी थी। रैली में ऐसे पोस्टर लगाए गए जिनमें बताया गया कि इंदिरा को 31 अक्टूबर 1984 को सजा मिली। यही उनकी हत्या की तारीख है। इस परेड के जरिए ऑपरेशन ब्लूस्टार की 40वीं वर्षगांठ को चिह्नित किया गया, जब भारतीय सेना ने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर परिसर का घेराव किया। खालिस्तानी चरमपंथियों और उनके नेता जरनैल सिंह भिंडरावाले ने हथियारों के साथ मंदिर परिसर पर कब्जा कर लिया था। इस झांकी पर कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डोमिनिक लेब्लांक ने एक्स पर पोस्ट करके कहा, मकनाडा में हिंसा को बढ़ावा देना स्वीकार्य नहीं है।पंजाब का मुख्यमंत्री रहने के दौरान साल 1995 में बेअंत सिंह की हत्या कर दी गई थी। शनिवार (31 अगस्त) को उनकी 29वीं पुण्यतिथि थी। इस मौके पर पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। भाजपा की पंजाब इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, पूर्व विधायकों तेज प्रकाश सिंह, गुरकीरत कोटली और कई अन्य नेताओं ने भी पूर्व सीएम को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने दादा बेअंत सिंह को याद किया और कहा कि उन्होंने अपना जीवन पंजाब के लोगों के लिए समर्पित कर दिया।

सिंगापुर में एआर रहमान के गानों पर झूमे हजारों प्रशंसक

सिंगापुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

सिंगापुर में एक संगीत समारोह में प्रसिद्ध संगीतकार एआर रहमान ने अपनी प्रस्तुति से वहां उपस्थित करीब 25,000 दर्शकों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। इस समारोह में एआर रहमान अपने बेटे के साथ भी प्रस्तुति दी।

ऑस्कर पुरस्कार विजेता संगीतकार एआर रहमान ने पूर्व राष्ट्रपति हलीमा याकूब और उनके पति की मौजूदगी में 1990 और 2000 के दशक के अपने बेहद लोकप्रिय तमिल और हिंदी गाने प्रस्तुत किए, जिनमें मुक्काला मुकाबला और तेरे बिना जैसे गीत भी शामिल थे।

संगीतकार ने शनिवार के कार्यक्रम की शुरुआत 2008 की फिल्म स्लमडॉग मिलिनेयर के अपने ऑस्कर विजेता रचना जय हो से की।

रिपोर्ट के अनुसार, मंच पर उनके साथ गायकों, नृत्य कलाकारों और संगीतकारों का 31 सदस्यीय दल था, जिसमें उनके बेटे एआर अमीन भी शामिल थे।

तीन घंटे तक चले कार्यक्रम के दौरान, भारतीय पार्श्व गायक मोहित चौहान और रक्षिता सुरेश जैसे गायकों ने भी मंच पर प्रस्तुति दी और रॉकस्टार (2011) से नादान परिंदे और पद्यप्पा (1999) से मिनसारा पूवे जैसे लोकप्रिय गीत गाकर लोगों का मनोरंजन किया।

आम तौर पर कम बोलने वाले रहमान अपने 21 वर्षीय बेटे को मंच पर लेकर आए और उनके चेहरे पर गर्व साफ झलक रहा था। उन्होंने कहा, मैं आपको चेन्नई के एक शर्मीले लड़के एआर अमीन से मिलवाना चाहता हूं।

पिता-पुत्र की जोड़ी ने पथु थाला (2023) से निनाईविरुक्का का प्रदर्शन किया। इसके बाद, भारतीय गायक-संगीतकार शक्तिश्री गोपालन उनके साथ शामिल थीं।

इमरान खान को करना पड़ सकता है सैन्य मुकदमे का सामना

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने संकेत दिया है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सैन्य मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है। एआरवाई न्यूज का कहना है कि ख्वाजा आसिफ ने यह महत्वपूर्ण बयान एक निजी समाचार चैनल के टॉक शो में रविवार को दिया। रक्षामंत्री ने कहा कि पीटीआई को नौ मई की घटनाओं के लिए देश से माफी मांगनी होगी, अन्यथा कोई बातचीत नहीं होगी।

ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि पीटीआई शासन के दौरान सैन्य अदालत में 24 मामलों में से कई लोगों को मौत की सजा सुनाई गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पीटीआई संस्थापक से तीन बार बातचीत की पेशकश की। हाल ही में एक साक्षात्कार में भी ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि अगर पीटीआई संस्थापक पर सैन्य अदालत में मुकदमा चलाया जाता है, तो यह एक खुला मुकदमा होगा।

आसिफ ने कहा कि पीटीआई संस्थापक के नकारात्मक मंसूबों को उजागर करने के लिए खुला मुकदमा महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि पीटीआई को नौ मई को राष्ट्रीय संस्थानों पर हुए हमले में संलिप्त पाया गया है। देश को सुरक्षा संस्थानों के खिलाफ पीटीआई के भयावह मंसूबों के बारे में जानने का हक है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पीटीआई संस्थापक और पूर्व आईएसआई प्रमुख फैज हमीद के बीच संबंध नौ मई के बाद भी जारी रहे। दोनों का लक्ष्य एक समान था, इसलिए उनके बीच संबंध रहे। उल्लेखनीय है कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी रावलपिंडी आदियाला जेल में बंद हैं।

दक्षिण कोरिया में लंपी वायरस का दूसरा मामला आया सामने, 4 गायें संक्रमित

सोल, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया में लंपी वायरस का एक और मामला सामने आया है। कृषि मंत्रालय ने कहा कि एलएसडी के दूसरे मामले की पुष्टि ग्योंगगी के इचोन में एक मवेशी फार्म में हुई है। यहां की एक समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि मवेशी फार्म के मालिक ने रिपोर्ट सौंपी थी।

अधिकारियों ने उनकी जांच की तो चार डेयरी गायों के लंपी बीमारी से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। दक्षिण कोरिया में इस साल एलएसडी के पहले मामले की पुष्टि 12 अगस्त को हुई थी। सोल से लगभग 65 किमी दक्षिण में अनसेओंग में एक मवेशी फार्म में संक्रमण पाया गया था। मंत्रालय ने कहा कि आगे संक्रमण को रोकने के लिए, प्रभावित फार्म को प्रतिबंधित कर दिया है। साथ ही संक्रमित मवेशियों को क्वारंटीन करने की व्यवस्था कर दी गई है। गाइडलाइन के अनुसार संक्रमित गायों को खत्म कर दिया जाएगा। एलएसडी एक संक्रामक बीमारी है। इससे त्वचा पर घाव, बुखार और भूख न लगने की समस्या उत्पन्न होती है। इससे दुग्ध उत्पादन पर असर पड़ता है और आगे चलकर मवेशियों की मृत्यु भी हो जाती है।

भारत की बात से तिलमिलाया पाकिस्तान पहुंचा यूएन,कश्मीर पर फिर उगला जहर

जेनेवा, 031 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान आए दिन कश्मीर के रास्ते भारत में आतंकियों को भेजता है और भारत में अशांति फैलाने का मंसूबा रखता है। लेकिन भारत उसके हर मंसूबे पर पानी फेर देता है। एक बार फिर पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ जहर उगला है। हमेशा की तरह उसने कश्मीर को लेकर यूएन का राग अलापा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान ने रविवार को कहा कि कश्मीर विवाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मुद्दा है। इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार हल किया जाना चाहिए। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा जम्मू-कश्मीर पर हाल ही में की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए यह टिप्पणी की।

पाकिस्तान विदेश कार्यालय के प्रवक्ता बलूच ने कहा कि जम्मू और कश्मीर विवाद एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विवाद है। इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छाओं के अनुसार हल किया जाना चाहिए। इस अनसुलझे संघर्ष का समाधान दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस धारणा को खारिज कर दिया कि जम्मू और कश्मीर विवाद एकतरफा सुलझाया जा सकता है। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान कूटनीति और बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वह किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का दृढ़ संकल्प के साथ जवाब देगा। उन्होंने एक बयान में कहा, दक्षिण एशिया में सच्ची शांति और स्थिरता केवल यूएनएससी प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों के अविभाज्य अधिकारों के अनुसार समझौते के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। मालूम हो कि जयशंकर ने कहा था कि पाकिस्तान के साथ निर्बाध बातचीत का युग समाप्त हो गया है। कार्रवाई के परिणाम होते हैं, और जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, मुझे लगता है कि अनुच्छेद 370 समाप्त हो गया है। आज मुद्दा यह है कि हम पाकिस्तान के साथ किस तरह के रिश्ते पर विचार कर सकते हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि हम निष्क्रिय नहीं हैं और चाहे घटनाएं सकारात्मक या नकारात्मक दिशा में जाएं, हम किसी भी तरह से प्रतिक्रिया करेंगे ।गौरतलब है कि भारत ने बार-बार पाकिस्तान से कहा है कि जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश हमेशा देश का अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे।

महिला टी20 विश्व कप के लिए स्कॉटलैंड की टीम घोषित, कैथरीन ब्राइस होंगी कप्तान

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

आगामी आईसीसी महिला टी 20 कप 2024 के लिए सोमवार को स्कॉटलैंड की टीम घोषित हो गई है। कैथरीन ब्राइस टीम की अगुवाई करेंगी।

ब्राइस आखिरी बार इस साल मई में यूएई में आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप क्वालीफायर 2024 के दौरान स्कॉटलैंड की टीम में नज़र आई थीं। बल्ले (177 रन) और गेंद (नौ विकेट) से उनके शानदार प्रदर्शन ने यूरोपीय टीम को अपने पहले महिला टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में मदद की।

विकेटकीपर-बल्लेबाज सारा ब्रायस को उप-कप्तान बनाया गया है। स्कॉटलैंड ने अनुभवी लेग स्पिनर अबताहा मकसूद को भी टीम में शामिल किया, जिन्होंने हाल ही में नीदरलैंड्स त्रिकोणीय श्रृंखला में टीम को जीत दिलाई थी। हेड कोच क्रेग वालेस ने आईसीसी के हवाले से कहा, इस टीम का मेकअप और संतुलन बेहतरीन है। हमारे पास शुरू से लेकर आखिर तक मैच जीताने वाले खिलाड़ी हैं, जो मुझे लगता है कि मेरे छोटे कार्यकाल के दौरान इस टीम के विकास में बड़ा अंतर है। खिलाड़ी हर बार मैदान पर कदम रखते ही महत्वपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं और यह बात टीम में हर जगह दिखाई देती है। वालेस ने कहा, हालांकि यह वास्तव में कठिन था, लेकिन इस टीम का चयन करना वास्तव में आनंददायक भी था, क्योंकि हमने कई बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं, और हम जानते हैं कि सभी 15 खिलाड़ी वहां जाकर विश्व कप में हमारे लिए क्रिकेट मैच जीत सकते हैं।

स्कॉटलैंड प्रतियोगिता के ग्रुप बी में पड़ोसी देशों इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के साथ है।

स्कॉटलैंड की टीम इस प्रकार है : कैथरीन ब्राइस (कप्तान), सारा ब्राइस (उप कप्तान), लोर्ना जैक-ब्राउन, एब्बी एटकेन-ड्रमंड, अब्ताहा मकसूद, सास्किया होर्ले, क्लो एबेल, प्रियानाज चटर्जी, मेगन मैककॉल, डार्सी कार्टर, ऐल्सा लिस्टर, हन्ना रेनी, रेचल स्लेटर, कैथरीन फ्रेजर, ओलिविया बेल।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपनः एम्मा नवारो ने गत चैंपियन कोको गॉफ को हराया

न्यूयॉर्क। एम्मा नवारो ने सोमवार की सुबह घरेलू पसंदीदा कोको गॉफ को चल रहे यूएस ओपन से बाहर कर दिया। एम्मा ने यह मैच 6-3, 4-6, 6-3 से जीता, जिससे वह लगातार दूसरे प्रमुख क्वार्टरफाइनल में पहुंची और न्यूयॉर्क में गॉफ के 11 मैचों की जीत के सिलसिले को भी समाप्त कर दिया। कुछ महीने पहले जब नवारो ने पहली बार विंबलडन में गॉफ के साथ खेला था, तब वह कोई जानी-मानी हस्ती नहीं थीं, लेकिन फिर भी उन्होंने चौथे राउंड के मैच में सीधे सेटों में अमेरिकी सनसनी को हरा दिया। उन्होंने यह साबित कर दिया कि विंबलडन में मिली जीत कोई तुक्का नहीं थी, नवारो ने फिर से ऐसा किया है। नवारो, जिन्होंने वर्ष की शुरुआत विश्व में 31वें नंबर पर की थी, अब डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने की कगार पर हैं। अपने करियर की शुरुआत के बारे में बात करते हुए नवारो ने कहा कि उन्होंने कॉलेज छोड़ने के बाद खुद से जो उम्मीदें की थीं, उन्हें पार कर लिया है। डब्ल्यूटीए के हवाले से नवारो ने कहा, जब मैंने पहली बार कॉलेज छोड़ा था, तो मेरे कोच और मैंने एक तरह से दो साल का अनुबंध किया था, कि मैं दो साल तक पेशेवर टेनिस खेलने के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित करूंगी और उसके बाद बस फिर से मूल्यांकन करूंगी। मुझे लगता है कि मैंने इस जून में दो साल का आंकड़ा छू लिया, और हमने इसे स्वीकार भी नहीं किया या इसके बारे में बात भी नहीं की। तो, हाँ, निश्चित रूप से मैंने अपनी उम्मीदों को पार कर लिया है। गॉफ की हार काफी हद तक उनकी अपनी गलती थी, क्योंकि उन्होंने 19 डबल फॉल्ट और 60 अनफोर्स्ड एरर किये। मैच का पहला ब्रेक गॉफ द्वारा 2-3 पर सर्व करने के साथ आया। फिर, दो बैक-टू-बैक डबल फॉल्ट ने नवारो को कुछ राहत दी और वह इसके बाद भी नहीं रुकीं। नवारो का अगला मुकाबला पॉल बैडोसा से होगा। पेरिस ओलंपिक 2024 की महिला एकल चैंपियन और दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी झेंग किनवेन ने भी 16 के राउंड में डोना वेकिक को 7-6(2), 4-6, 6-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वह क्वार्टर फाइनल में आर्यना सबालेंका का सामना करेंगी। यह झेंग का लगातार दूसरा यूएस ओपन क्वार्टरफाइनल है।

अंडर-19 विश्व बीच वॉलीबॉल : पोलैंड, अमेरिका ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का खिताब जीता

शीआन। पोलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका ने रविवार को उत्तर-पश्चिम चीन के शांग्लुओ शहर में आयोजित अंडर-19 विश्व बीच वॉलीबॉल चैंपियनशिप में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। पोलैंड के शिमोन पिएत्रस्ज़ेक और जैकब क्रज़ेमिंस्की तथा लातविया के मैटिस साल्कोव्स्की और कार्लिस जौंडज़ेकर्स के बीच पुरुषों के फ़ाइनल में, पोलिश जोड़ी ने पहले सेट में छह सेट पॉइंट बचाए और फिर 25-23 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में, स्कोर एक बार 18-18 से बराबर हो गया था। लातवियाई जोड़ी दो में से एक मैच पॉइंट बचाने में सफल रही, लेकिन पिएत्रस्ज़ेक ने निर्णायक स्पाइक के साथ 21-19 से जीत दर्ज की। महिलाओं की प्रतियोगिता में, यू.एस. की जोड़ी मिरिया मैसी और लिली डेविस का सामना स्पेन की सोफिया इजुज्क्विज़ा कोरुल्ला और मार्टा कैरो मार्केज़ डी एक्यूना से हुआ। पहले सेट के मध्य में अमेरिकी खिलाड़ियों ने 5 अंकों की बढ़त बना ली थी, जिसमें मैसी ने अपने लम्बे विरोधियों के खिलाफ़ स्पाइक्स और डिंक्स का प्रभावी ढंग से मिश्रण किया और अमेरिकी टीम ने पहला सेट 21-16 से जीत लिया। दूसरे सेट की शुरुआत में, स्पेनिश जोड़ी 1-5 से पीछे हो गई, जबकि टाइमआउट के बाद लगातार तीन अंक वापस लेने में सफल रही। हालाँकि, अमेरिकी टीम ने पूरे समय अपना नियंत्रण बनाए रखा। मैच का समापन मार्टा कैरो द्वारा नेट में सर्विस करने के साथ हुआ, जिससे अमेरिकी जोड़ी ने 21-16 से जीत हासिल कर खिताब पर कब्ज़ा कर लिया।

पैरा-स्प्रिंटर प्रीति पाल ने रचा इतिहास पेरिस पैरालिंपिक में जीता दूसरा पदक

पेरिस, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय पैरा स्प्रिंटर प्रीति पाल ने रविवार देर रात 200 मीटर टी-35 रेस में कांस्य पदक जीता। इस पदक के साथ, प्रीति ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह पैरालिंपिक या ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में 2 पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गईं। इस स्पर्धा में प्रीति ने 30.01 सेकंड में दौड़ पूरी कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

इससे पहले शुक्रवार को प्रीति ने महिलाओं की टी35 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 14.21 सेकंड का समय लिया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ भी था।

पैरा-एथलीट ने पेरिस पैरालिंपिक में अपना दूसरा पदक जीतने के बाद कहा, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की और मुझे खुशी है कि मैंने एक और पदक जीता। 100 मीटर में पदक जीतने के बाद लोगों ने मुझे ट्रोल किया और इससे मुझे और बेहतर करने की प्रेरणा मिली।

इससे पहले, प्रीति की लगन और कड़ी मेहनत का नतीजा विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 के लिए उनके चयन के रूप में सामने आया, जहां उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर दोनों स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और पेरिस पैरालिंपिक के लिए अपना कोटा प्राप्त किया। इस पदक के साथ, भारत ने चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में एक स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य सहित कुल छह पदक हासिल कर लिए हैं।

पेरिस पैरालंपिक : निषाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 में जीता रजत पदक

पेरिस। निषाद कुमार ने रविवार देर रात पुरुषों की ऊंची कूद टी47 फाइनल में दूसरे स्थान पर रहकर पेरिस 2024 पैरालिंपिक में भारत के लिए सातवां पदक जीता। निषाद ने 2.04 मीटर की छलांग आसानी से लगाई, लेकिन 2.08 मीटर पर असफल रहे, अपना पहले पैरालंपिक खेलों में भाग ले रहे 24 वर्षीय भारतीय ने 2.06 मीटर के नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जीता। जबकि रूस के जॉर्जी मार्गिएव ने कांस्य पदक हासिल किया। यूएसए के रोडरिक टाउनसेंड ने अपने पहले प्रयास में 2.12 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। टाउनसेंड ने 2021 में भी पैरालंपिक स्वर्ण जीता था। इसके अलावा 2022 एशियाई पैरा खेलों में, उन्होंने चीन के हांग्जो में पुरुषों की ऊंची कूद टी47 में स्वर्ण पदक जीता था। इस बीच, भारत ने चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में एक स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य के साथ कुल सात पदक हासिल किए हैं। रविवार को, भारतीय पैरास्प्रिंटर प्रीति पाल ने 200 मीटर टी-35 में 30.01 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। इस पदक के साथ, प्रीति ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह पैरालिंपिक या ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में 2 पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गईं। इससे पहले, प्रीति ने 14.21 सेकंड का समय लेकर टी35 100 मीटर दौड़ में तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक जीता, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ भी है।

पेरिस पैरालिंपिकः भाविनाबेन पटेल महिला एकल डब्ल्यूएस4 वर्ग के क्वार्टर फाइनल में

पेरिस। भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविनाबेन पटेल चल रहे पेरिस पैरालिंपिक 2024 में महिला एकल डब्ल्यूएस4 वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने रविवार रात मैक्सिको की मार्था वर्डिन के खिलाफ तीन सीधे सेटों (11-3, 11-6, 11-7) में अपना मैच जीता। दूसरी ओर, दूसरी महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी सोनलबेन पटेल क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने से चूक गईं। वह महिला एकल - डब्ल्यूएस3 में क्रोएशिया की एंडेला मुज़िनिक विंसेटिक के खिलाफ राउंड ऑफ़ 16 में 3-11, 12-10, 7-11,5, 11 से अपना मैच हार गईं। इससे पहले 30 अगस्त को भाविना और सोनलबेन पदक जीतने से चूक गईं थीं, क्योंकि उन्हें कोरिया की यंग ए जंग और सुंघी मून की जोड़ी ने महिला डबल्स टेबल टेनिस क्वार्टर फाइनल में हरा दिया था। मैच 5-11, 6-11, 11-9, 6-11 के स्कोर के साथ समाप्त हुआ। इस बीच, सोमवार की सुबह (भारतीय समयानुसार) निषाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 में रजत पदक जीता।

रायगढ़ की 'अनन्या गुप्ता' फुटबॉल सब-जूनियर नेशनल टूर्नामेंट में कर्नाटक का करेंगी प्रतिनिधित्व

रायगढ, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

रायगढ़ की होनहार खिलाड़ी अनन्या गुप्ता ने कर्नाटक की सब-जूनियर राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में स्थान पाकर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है।

रायगढ़ के प्रतिष्ठित गुप्ता परिवार की लाडली, 'यूनिवर्सल स्टोर' के ऑनर विजय गुप्ता की पुत्री एवं राजीव गुप्ता की भतीजी अनन्या ने बेहद कम उम्र में फुटबॉल के प्रति अपनी लगन और प्रतिभा से खुद को साबित किया है, और अब वह राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार हैं।

उल्लेखनीय है कि अनन्या ने बेहद कम उम्र में फुटबॉल के प्रति अपनी अथाह लगन और प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी फुटबॉल यात्रा की शुरुआत केवल 8 साल की उम्र में 'गोल्डन बेबी लीग' से हुई थी। तब से अनन्या ने लगातार अपने खेल में सुधार करते हुए राष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया है।

उनकी इस यात्रा में उनके पहले कोच स्वर्गीय तापस चटर्जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने अनन्या के हुनर को पहचाना और विजय गुप्ता को उसकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने की सलाह दी। विजय गुप्ता, जो स्वयं एक शानदार फुटबॉल खिलाड़ी हैं, ने अपनी बेटी की प्रतिभा को सही दिशा देने के लिए उसे 'दा फुटबॉल अकादमी' रायगढ़ में प्रशिक्षित किया।

अनन्या का राष्ट्रीय स्तर पर पहला सब-जूनियर नेशनल टूर्नामेंट छत्तीसगढ़ की टीम से खेलते हुए 2023 में अमृतसर में हुआ था, जहाँ उन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उसके बाद पिता ने मई 2024 में अनन्या को और अधिक उन्नत प्रशिक्षण के लिए देश की प्रतिष्ठित 'किक स्टार्ट फुटबॉल अकादमी' बेंगलुरु में एडमिशन कराया।

जहां कर्नाटक की सब-जूनियर नेशनल टीम के लिए अनन्या ने कई चरणों में कठिन ट्रायल्स दिए और अपनी कड़ी मेहनत के बल पर टीम के अंतिम 22 खिलाड़ियों में स्थान प्राप्त करने में सफल रहीं। अब अनन्या पश्चिम बंगाल के मालदा में आयोजित होने वाले सब-जूनियर नेशनल टूर्नामेंट में कर्नाटक की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।

अनन्या की इस उपलब्धि ने न केवल गुप्ता परिवार को गर्वित किया है, बल्कि पूरे रायगढ़ शहर को भी गौरवान्वित किया है। अनन्या की इस उपलब्धि पर मित्रों, परिजनों और शहरवासियों की शुभकामनाएं और बधाइयाँ मिल रही हैं, जिससे घर में खुशी का माहौल है। विजय गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि अनन्या आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखेरते हुए परिवार और रायगढ़ का नाम रोशन करेंगी।

आईएसएल 2024-25: बीसी जिंदल ग्रुप ने हैदराबाद एफसी का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

बीसी जिंदल समूह के अंतर्गत जिंदल फुटबॉल ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम हैदराबाद एफसी का अधिग्रहण कर लिया है।

यह अधिग्रहण बीसी जिंदल समूह का भारतीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र में पहला उद्यम है, जिसमें समूह का समग्र ध्यान भारत में खेलों के आकांक्षात्मक मूल्य को बढ़ाने और युवा भारतीय प्रतिभाओं को वैश्विक स्तर पर विकसित होने और प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच प्रदान करने पर है।

नवाबों के नाम से मशहूर हैदराबाद एफसी की टीम 19 सितंबर को बेंगलुरु एफसी के खिलाफ मैच के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

27 अगस्त, 2019 को स्थापित, हैदराबाद एफसी ने 2021-22 सीज़न में आईएसएल खिताब जीतकर अपनी पहचान बनाई, जहां उसने एक रोमांचक फाइनल में केरल ब्लास्टर्स पर जीत हासिल की थी। क्लब अपने घरेलू खेल हैदराबाद के जीवंत उपनगर गाचीबोवली में स्थित जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेलता है।

नए स्वामित्व की ओर से हैदराबाद एफसी के प्रवक्ता ने कहा, हैदराबाद एफसी के साथ खेल में हमारा उद्यम भारतीय फुटबॉल के सामने आने वाली बाधाओं को उजागर करने और उनका समाधान करने की इच्छा से प्रेरित है। हमारा लक्ष्य घरेलू प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और भारत में इस खूबसूरत खेल के विकास को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा, हम एक ऐसे भविष्य की कल्पना करते हैं, जहां भारतीय खिलाड़ी उच्चतम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगे और हम उस दिन का सपना देखते हैं जब भारत फीफा विश्व कप के फाइनल में भाग लेगा। यह वह दृष्टि है जो भारतीय फुटबॉल में हमारे प्रयासों का मार्गदर्शन करती है।

अमेरिकी ओपन : टेलर फ्रिट्ज़, ग्रिगोर दिमित्रोव पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज़ ने नॉर्वे के कैस्पर रूड को हराकर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। फ्रिट्ज़ ने रूड पर 3-6, 6-4, 6-3, 6-2 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। यह मैच दो घंटे और 44 मिनट तक चला।

मैच जीतने के बाद, टेलर फ्रिट्ज़ ने स्वीकार किया कि उनके प्रतिद्वंद्वी रूड मैच में अच्छा खेल रहे थे।

फ्रिट्ज़ ने एटीपी के हवाले से कहा, मुझे बस इसमें बने रहना था क्योंकि मुझे लगा कि उसने पहले सेट में मुझे मात दे दी। मेरे और उसके पास कुछ मौके थे और उसने उन्हें भुनाया। वह अच्छा खेल रहा था और मैंने दूसरे सेट की शुरुआत में कुछ कड़े सर्विस गेम से बाहर निकलने और स्कोरबोर्ड पर दबाव बनाने के लिए वास्तव में अच्छा काम किया। मुझे लगता है कि उसके बाद उसका स्तर थोड़ा गिर गया होगा। मुझे दूसरे सर्व पर अधिक मौके मिल रहे थे और मैं बस वहीं से जीत सकता था।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी ने कहा कि वह एक समय में एक मैच पर ध्यान दे रहे हैं और किसी भी अतिरिक्त दबाव में नहीं हैं।

उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रहा हूं। मुझे लगता है कि इससे दबाव बढ़ सकता है। मैं 2022 में यह कहकर आया था कि मैं इसे जीत सकता हूं और मैं पहले दौर में हार गया। मुझे लगता है कि एक बार में एक मैच पर ध्यान देना अच्छा है।

इस बीच, बुल्गारियाई टेनिस खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव भी यूएस ओपन के राउंड ऑफ 16 में रूस के एंड्री रुबलेव को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। दिमित्रोव ने तीन घंटे और 39 मिनट तक चले रोमांचक मैच में रुबलेव के खिलाफ 6-3, 7-6(3), 1-6, 3-6, 6-3 से जीत दर्ज की।

मैच के बाद दिमित्रोव ने कहा कि मैच में उनका शरीर लय खोने लगा था।

दिमित्रोव ने कहा, मुझे लगता है कि मैं पहले दो सेटों में काफी अच्छा खेल रहा था। लेकिन किसी कारण से मेरा शरीर थोड़ा लय खोने लगा था और वह मैच छोड़ने वाला नहीं था। आप जानते हैं कि वह कैसा है। मुझे बस धैर्य रखना था और मुझे लगता है कि आज सबसे बड़ी चीज जिसने मेरी मदद की वह मेरा अनुभव और भीड़ थी।

पेरिस पैरालिंपिकः शिवराजन-निथ्या मिश्रित युगल पैरा-बैडमिंटन के कांस्य पदक मुकाबले में हारे

पेरिस, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

शिवराजन सोलाईमलाई और निथ्या श्री सिवन की भारतीय मिश्रित युगल पैरा-बैडमिंटन जोड़ी को सोमवार को चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में कांस्य पदक मैच में हार का सामना करना पड़ा।

मिश्रित युगल एसएच6 कांस्य पदक मैच में, शिवराजन-निथ्या की जोड़ी इंडोनेशिया की रीना मार्लिना और सुभान से दो सीधे गेमों में 17-21, 12-21 से हार गई। मिश्रित युगल एसएच6 श्रेणी के सेमीफाइनल में, शिवराजन और निथ्या यूएसए के एम क्रेजेवस्की और जे साइमन से 21-17, 14-21, 13-21 से हार गए, लेकिन कांस्य पदक मैच के लिए क्वालीफाई कर गए।

भारत ने अब तक चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में एक स्वर्ण पदक, दो रजत और चार कांस्य पदक के साथ कुल सात पदक हासिल किए हैं।

प्रीति पाल ने रविवार को 200 मीटर टी-35 रेस में कांस्य पदक जीता। इस पदक के साथ, प्रीति ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह पैरालिंपिक या ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में 2 पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गईं।

इस स्पर्धा में, प्रीति ने 30.01 सेकंड में दौड़ पूरी करके अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया। उन्होंने महिलाओं की टी35 100 मीटर दौड़ में 14.21 सेकंड का समय लेकर कांस्य पदक भी हासिल किया था, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ भी है।

निषाद कुमार ने सोमवार की सुबह पुरुषों की ऊंची कूद - टी47 फाइनल में रजत पदक जीता। निषाद, जो तीन साल पहले टोक्यो में भी दूसरे स्थान पर रहे थे, ने 2.04 मीटर की छलांग के साथ अपने सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिससे उन्हें रजत पदक मिला।

रुबीना ने शनिवार को पी2-महिला 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 फाइनल में तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक जीता। उन्होंने फाइनल में कुल 211.1 अंक हासिल किए। ईरान के जावनमर्दी सारेह ने स्वर्ण (236.8 अंक) जीता और तुर्की के ओजगान आयसेल ने रजत पदक (231.1 अंक) जीता।

शुक्रवार को मौजूदा पैरालंपिक चैंपियन अवनि लेखरा ने अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखते हुए चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में स्वर्ण पदक जीता। इसी इवेंट में शूटर मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीता।

लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में दबदबा बनाया और 249.7 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ भी है। दक्षिण कोरिया की युनरी ली ने 246.8 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर रजत पदक जीता, जबकि भारत की मोना ने कुल 228.7 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

भारत को निशानेबाजी में भी रजत पदक मिला, जिसमें मनीष नरवाल ने पुरुषों की पी1 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।

बता दें कि इस साल भारत ने अपना अब तक का सबसे बड़ा पैरालिंपिक दल भेजा है, जिसमें 12 खेलों के 84 एथलीट शामिल हैं। टोक्यो 2020 भारत का सबसे सफल पैरालिंपिक खेल था, जिसमें देश ने पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य सहित 19 पदक जीते थे।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने जून तिमाही में सबसे अधिक संपत्तियां बेचीं

21 बड़ी रियल स्टेट कंपनियों ने जून तिमाही में 35 हजार करोड़ की संपत्तियां बेचीं

नई दिल्ली 02 सितंबर (एजेंसियां)। देश में 21 रियल स्टेट कंपनियों ने अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कुल मिलाकर लगभग 35,000 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां बेची हैं। इनमें गोदरेज प्रॉपर्टीज ने सबसे अधिक बिक्री बुकिंग की सूचना दी है।

कुछ को छोड़कर, सभी प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट डेवलपर ने अप्रैल-जून तिमाही में बिक्री बुकिंग में वार्षिक वृद्धि दिखाई है। इसमें आवासीय संपत्तियों, विशेष रूप से लक्जरी घरों के लिए मजबूत उपभोक्ता मांग का बड़ा योगदान रहा है। शेयर बाजार को दी गई सूचनाओं के संकलित आंकड़ों के अनुसार भारत की 21 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 34,927.5 करोड़ रुपये की संयुक्त बिक्री बुकिंग की सूचना दी है। इन संयुक्त बिक्री बुकिंग में से बिक्री का बड़ा हिस्सा आवासीय क्षेत्र से आया। बिक्री बुकिंग के मामले में, गोदरेज प्रॉपर्टीज जून तिमाही में 8,637 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग के साथ सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनी के रूप में उभरी। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी रियल्टी कंपनी डीएलएफ लिमिटेड की चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में बिक्री बुकिंग तीन गुना से अधिक की वृद्धि के साथ 6,404 करोड़ रुपये रही है। लोढ़ा ब्रांड के तहत संपयां बेचने वाली मुंबई की मैक्रोटेक डेवलपर्स ने 4,030 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की। हाल ही में सूचीबद्ध हुई गुरुग्राम स्थित सिग्नेचर ग्लोबल ने जून तिमाही में 3,120 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में तीन गुना है।

बेंगलुरू स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स ने जून तिमाही में 3,029.5 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से कम है। बेंगलुरू स्थित फर्म शोभा लिमिटेड और ब्रिगेड एंटरप्राइजेज ने इस वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि के दौरान क्रमशः 1,874 करोड़ रुपये और 1,086 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं। बेंगलुरु स्थित पूर्वांकरा लिमिटेड ने 1,128 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में लगभग स्थिर रही।

न्यूज ब्रीफ

नया एमएसएमई क्रेडिट असेसमेंट मॉडल अगले साल होगा लांच

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लिए एक नया माइक्रो, छोटे और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्रेडिट असेसमेंट मॉडल मार्च 2025 तक लॉन्च होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस मॉडल की तैयारी तेजी से चल रही है और इसे वित्तीय वर्ष 2024-25 के आखिर तक पेश करने की योजना है। एक पीएसबी अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 25 के बजट में पीएसबी को एमएसएमई के लिए आंतरिक रूप से क्रेडिट मूल्यांकन की क्षमता विकसित करने का प्रस्ताव रखा था जिससे बाहरी मूल्यांकन की आवश्यकता कम हो सके। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि पीएसबी एक नया क्रेडिट असेसमेंट मॉडल विकसित या अधिग्रहित करेंगी, जो एमएसएमई के डिजिटल फुटप्रिंट्स पर आधारित होगा। यह पारंपरिक क्रेडिट असेसमेंट पद्धतियों की तुलना में एक बड़ा सुधार होगा जो केवल संपत्ति या टर्नओवर मानदंडों पर निर्भर करती हैं। नए मॉडल में क्रेडिट मूल्यांकन के लिए पारंपरिक क्रेडिट स्कोर के बजाय एमएसएमई की सप्लाई-चेन डायनामिक्स, डिजिटल फुटप्रिंट्स, और उद्योग-विशिष्ट परिस्थितियों पर ध्यान दिया जाएगा। यह एक अधिक व्यापक और सटीक मूल्यांकन प्रदान करेगा।

मारुति सुजुकी ने ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो के चुनिंदा मॉडल की कीमत घटाई

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने अपने ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो मॉडल के चुनिंदा वेरिएंट की कीमतों में तत्काल प्रभाव से कटौती की है। नई दरें सोमवार से लागू हो गई है।
मारुति सुजुकी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी ने ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो के कुछ वेरिएंट की कीमतों में कटौती की है। कंपनी ने कहा कि 2 सितंबर से एस-प्रेसो एलएक्सआई पेट्रोल की कीमत 2,000 रुपये और ऑल्टो के10 वीएक्सआई पेट्रोल की कीमत 6,500 रुपये घटाई गई है। इससे एक दिन पहले एक सितंबर को कंपनी ने शेयर बाजार को बताया था कि अगस्त 2024 की बिक्री में लगभग 3.9 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। कंपनी ने अगस्त, 2023 में 189,082 इकाइयों की तुलना में अगस्त, 2024 में 181,782 इकाइयां बेची है। इस तरह कुल मिलाकर मारुति सुजुकी की अगस्त की बिक्री में घरेलू स्तर पर बेची गई 145,570 इकाइयां और निर्यात की गई 26,003 इकाइयां शामिल है।

सरकारी कंपनियों के बोनस शेयर और बायबैक नियमों में होगा बदलाव

नई दिल्ली। शेयर बाजार में लिस्टेड सरकारी कंपनियों के स्टॉक में डिविडेंड, बोनस शेयर और शेयर बायबैक से जुड़े नियमों में सरकार संशोधन करने जा रही है। दरअसल इस मामले में सरकार 2016 के दिशानिर्देशों में संशोधन करने पर काम कर रही है। अधिकारियों ने कहा है कि इस महीने वित्त मंत्रालय द्वारा रिवाइज्ड गाइडलाइंस जारी किए जाने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय ने मई 2016 में सीपीएसई में सरकारी निवेश के कुशल प्रबंधन के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के पूंजी पुनर्गठन पर डिटेल्ड गाइडलाइंस जारी की थी। एक अधिकारी ने बताया कि सीपीएसई अब बहीखाते के मामले में ज्यादा मजबूत हैं और उनके मार्केट कैपिटलाइजेशन में सुधार हुआ है इसलिए अब पूंजी पुनर्गठन दिशानिर्देशों पर फिर से विचार करने का समय आ गया है। जारी किए गए पूंजी पुनर्गठन दिशानिर्देशों के अनुसार जिन सीपीएसई के पास व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अपनी पूंजी को अनुकूलतम रूप से निवेश करने की योजना नहीं है, उन्हें अधिशेष निधियों पर पेशेवर रूप से विचार करना चाहिए। निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के मई 2016 में जारी दिशानिर्देशों के अनुसार प्रत्येक सीपीएसई को मुनाफे का 30 प्रतिशत या कुल परिसंपत्ति का 5 प्रतिशत न्यूनतम एनुअल डिविडेंड देना आवश्यक है। इसके साथ ही कम से कम 2,000 करोड़ रुपये की कुल परिसंपत्ति और 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी और बैंक जमा वाले प्रत्येक सीपीएसई को शेयर पुनर्खरीद का विकल्प चुनना जरूरी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पश्चिम बंगाल से...

छुपता रहा है। वह अस शहादत नाम से मुस्लिम किशोरों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए जिहाद में शामिल करने का काम कर रहा है। वर्तमान में इस समूह के मूल 85 से 100 सदस्य हैं जो बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल दोनों जगहों से ऑपरेट कर रहे हैं। अस शहादत का बांग्लादेश इकाई का प्रभारी इस्माइल हुसैन है।

अस शहादत के सदस्यों को मोबाइल फोन और सोशल मीडिया अकाउंट्स की हैकिंग तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाता है। हाल के वर्षों में, अंसार अल इस्लाम जैसे जिहादी संगठन अफगानिस्तान में काफिरों के खिलाफ मुसलमानों के युद्ध के साथ-साथ फिलिस्तीन में यहूदियों, ज़ायोनीवादियों और इज़राइल के खिलाफ युद्ध पर ध्यान केंद्रित करके युवाओं को भड़का रहे हैं। पिछले कई महीनों से, जिहादी समूह मुख्य रूप से भारत में निर्मित उत्पादों को इस्लाम के दुश्मनों का उत्पाद बताकर उसके बहिष्कार का अभियान चला रहे हैं। वे बांग्लादेश में मुसलमानों के भीतर हिंदू विरोधी और यहूदी विरोधी भावना पैदा करने के लिए चल रहे इंडिया-आउट, भारतीय उत्पादों का बहिष्कार, कोका कोला का बहिष्कार और ज़ायोनी उत्पादों का बहिष्कार का अभियान चला रहे हैं। इसके बरक्स अफगानिस्तान, फिलिस्तीन, तुर्की, सीरिया और अन्य मुस्लिम देशों में बने उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

हाल ही में, जब इस्लामवादियों ने बांग्लादेश में कोका कोला के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया, तो कट्टरपंथी मुसलमानों के एक समूह ने अफगानिस्तान से पामीर कोला नामक एक शीतल पेय का आयात करना शुरू कर दिया। अफगानिस्तान के हेरात क्षेत्र में पामीर कोला बनाने वाली कंपनी का आंशिक स्वामित्व अल कायदा और हक्कानी नेटवर्क के पास है। 22 जून 2024 को पश्चिम बंगाल में स्पेशल टास्क फोर्स ने एन्क्रिप्टेड संदेशों को क्रैक करके हबीबुल्लाह नामक जिहादी को गिरफ्तार किया था जो अलकायदा से जुड़े अंसार अल इस्लाम के लिए लंबे समय से पश्चिम बंगाल में काम कर रहा था।

कृषि क्षेत्र के...

इन योजनाओं में 2,817 करोड़ रुपए का डिजिटल कृषि मिशन और फसल विज्ञान के लिए 3,979 करोड़ रुपए की योजना शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन फैसलों को कैबिनेट की ओर से हरी झंडी दिए जाने की जानकारी देते हुए बताया कि कृषि शिक्षा और प्रबंधन को मजबूत करने के लिए 2,291 करोड़ रुपए के कार्यक्रम को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि पशुधन के स्थायी स्वास्थ्य और उनके उत्पादन के लिए 1,702 करोड़ रुपए की योजना को भी मंजूरी दी गई है। इसके अलावा बागवानी के सतत विकास के लिए कैबिनेट ने 860 करोड़ रुपए की एक और बड़ी योजना हरी झंडी दिखाई है। इसके अलावा कृषि विज्ञान केंद्रों को मजबूत करने पर 1,202 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं, प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन से जुड़ी योजना पर 1,115 करोड़ रुपए खर्च होंगे। सभी सातों योजनाओं पर कुल 13,960 करोड़ रुपए से अधिक का आवंटन किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिजिटल कृषि मिशन की स्थापना से किसानों को कई सहूलियतें मिलेंगी। इनमें शामिल होंगी एग्री स्टैक किसान रजिस्ट्री गांव की भूमि मानचित्र रजिस्ट्री फसल बोई रजिस्ट्री। कृषि निर्णय समर्थन प्रणाली भू स्थानिक डेटा सूखा/बाढ़ निगरानी मौसम/उपग्रह डेटा भूजल/जल उपलब्धता डेटा फसल उपज और बीमा के लिए मॉडलिंग। मृदा प्रोफाइल डिजिटल फसल अनुमान डिजिटल उपज मॉडलिंग फसल ऋण से जुड़े एआई, बिग जैसी आधुनिक तकनीकें। डेटा खरीदारों से जुड़े मोबाइल पर अपडेट कृषि के लिए डीपीआई. जो कि किसानों के जीवन में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी पर बल देता है. मोबाइल पर जानकारी मिलने से किसानों के जिंदगी में बदलाव आएगा. खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए फसल विज्ञान अनुसंधान और शिक्षा पादप आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन भोजन और चारे की फसल के लिए आनुवंशिक सुधार। दलहनी एवं तिलहनी फसल में सुधार। वाणिज्यिक फसलों में सुधार। कीड़ों, रोगाणुओं, परागणकों आदि पर अनुसंधान और 2047 के लिए जलवायु को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा के लिए किसानों को तैयार करना।

केंद्रीय कैबिनेट ने 309 किलोमीटर लंबी नई लाइन परियोजना को भी मंजूरी दी है। यह नई रेल लाइन दो प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों मुंबई और इंदौर के बीच सबसे छोटी रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। स्वीकृत परियोजना वाणिज्यिक केंद्रों मुंबई और इंदौर को सबसे छोटे रेल मार्ग से जोड़ने के अलावा, महाराष्ट्र के 2 जिलों और मध्य प्रदेश के 4 जिलों से गुज़रते हुए महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के असंबद्ध क्षेत्रों को भी जोड़ेगी। परियोजना की कुल लागत 18,036 करोड़ रुपए है और इसे 2028-29 तक पूरा किया जाएगा। निर्माण के दौरान परियोजना से लगभग 102 लाख मानव दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा होगा।

एक और सेमीकंडक्टर...

अनुप्रयोगों को पूरा करेंगे, जिनमें औद्योगिक, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिक वाहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, मोबाइल फोन आदि जैसे खंड शामिल हैं। द प्रोग्राम फॉर डेवलपमेंट ऑफ सेमीकंडक्टर्स एंड डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम इन इंडिया को 21 दिसंबर 2021 को कुल 76,000 करोड़ के परिव्यय के साथ अधिसूचित किया गया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के साणंद में सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के पहले प्रस्ताव को जून 2023 में मंजूरी दी थी। फरवरी 2024 में तीन और सेमीकंडक्टर इकाइयों को स्वीकृति दी गई। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स धोलेरा, गुजरात में एक सेमीकंडक्टर फैब और असम के मोरीगांव में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित कर रही है। सीजी पावर गुजरात के साणंद में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित कर रही है। सभी 4 सेमीकंडक्टर इकाइयों का निर्माण तीव्र गति से चल रहा है और इकाइयों के पास एक मजबूत सेमीकंडक्टर इको-सिस्टम उभर रहा है। ये 4 इकाइयां लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश लाएंगी। इन इकाइयों की संचयी क्षमता लगभग 7 करोड़ चिप प्रतिदिन है।

बंधकों की हत्या...

हमास ने 7 अक्टूबर, 2023 को इज़राइल की अभेद्य मानी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था को तोड़ते हुए इसके इलाकों में हमला किया था। इस हमले में करीब 1200 इज़राइलियों की मौत हो गई थी और 5000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस दौरान हमास लड़ाके करीब 250 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले गए थे। इन बंधकों में से कई लोगों को छुड़ा लिया गया है जबकि 101 लोग अभी भी गाजा में बंधक हैं। वहीं इज़राइल के जवाबी हमलों में दावे के अनुसार 40,000 से ज्यादा फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, गाजा के 24 लाख लोगों में से 20 लाख से ज्यादा को अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं, उनमें आधे बच्चे शामिल हैं।

7 अक्टूबर, 2023 के हमले के बाद इज़राइल ने हमास को जड़ से मिटाने का संकल्प लिया था। इसके लिए इज़राइली सेना ने गाजा में हवाई और जमीनी हमले किए। इस तरह से हमास और इज़राइल के बीच बीते करीब 11 महीने से खूनी जंग जारी है। हालांकि, कई देशों के प्रयास से दोनों पक्षों में युद्धविराम को लेकर बात भी हुई है, लेकिन अभी तक अंतिम फैसला नहीं हुआ है। आईडीएफ ने रविवार सुबह बताया कि छह बंधकों के शव गाजा पट्टी में मिले। इज़राइली सेना ने गाजा के राफा शहर के नीचे बनी एक सुरंग से बंधकों के शव बरामद किए। मृतकों की पहचान हर्श गोल्डबर्ग-पोलिन, एडेन येरुशालमी, कार्मेल गाट, अल्मोग सारूसी, अलेक्जेंडर लोबानोव और ओरी डैनिनो के रूप में हुई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला कि बंधकों के शव मिलने से लगभग 48-72 घंटे पहले उनके सिर में काफी करीब से गोली मारी गई थी। आईडीएफ के राफा में पहुंचने से कुछ समय पहले ही हमास ने उनकी हत्या कर दी थी। ये शव उस स्थान से केवल एक किलोमीटर दूर मिले जहां पिछले सप्ताह राहत निवासी 52 वर्षीय कैद फरहान अल-अलकादी का शव मिला था। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिसने भी हमारे बंधकों की हत्या की है, वह समझौता नहीं चाहता। उन्होंने कहा, जिसने भी हमारे बंधकों की हत्या की है, हम उसे खोजकर लाएंगे और उससे हिसाब लेंगे।

उधर छह बंधकों की मौत के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। इसमें प्रधानमंत्री ने अहम माने जाने वाले फिलाडेल्फिया कॉरिडोर पर आईडीएफ के कब्जे को बरकरार रखने के अपने फैसले पर जोर दिया। फिलाडेल्फिया कॉरिडोर गाजा और मिस्र के बीच एक बफर जोन है, जिस पर समझौते की बात चल रही है। नेतन्याहू ने इस बात पर जोर दिया कि अब झुकना एक खतरनाक संकेत देगा कि ऐसी रणनीतियां काम करती हैं। नेतन्याहू ने मंत्रियों से कहा, ऐसा कदम आतंकवाद के लिए इनाम होगा और हमास को एक खतरनाक संदेश देगा कि हमारे बंधकों को मारना उनके लिए कितना फायदेमंद रहा।

गाजा में मारे गए बंधक कार्मेल गैट के चचेरे भाई गिल डिकमैन ने इज़राइली नागरिकों से सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, सड़कों पर उतरें और सबके वापस आने तक देश में सबकुछ बंद रखें। उन्हें अब भी बचाया जा सकता है। इसके अलावा इज़राइल के सबसे बड़े ट्रेड यूनियन फेडरेशन हिस्टाड्रट ने सरकार पर युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर करने को लेकर दबाव डालने के लिए सोमवार को हड़ताल रखी।

पूरे इज़राइल में संघर्ष विराम और बंधक समझौते के लिए विरोध प्रदर्शन पिछले कुछ हफ्तों की तुलना में बढ़ गए हैं। इज़राइली मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बंधकों की मौतों पर गुस्सा वह चिंगारी बन सकता है जो इज़राइल में आंदोलन को फिर से हवा दे सकता है। प्रदर्शनकारियों द्वारा लगातार युद्ध विराम और बंधक रिहाई समझौते की मांग की जा रही है। साथ ही प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार को हटाकर नए चुनावों की मांग की जा रही है। लंबे समय से इज़राइली के पीएम रहे नेतन्याहू पर बार-बार अपने राजनीतिक लाभ के लिए युद्ध विराम समझौते में देरी करने का आरोप लगाया गया है। गुरुवार को हुई अंतिम कैबिनेट बैठक कथित तौर पर प्रधानमंत्री और उनके रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के बीच नोकझोंक हुई। इसमें मंत्रियों ने नेतन्याहू की इस मांग पर जोर दिया कि इज़राइल को गाजा-मिस्र सीमा पर नियंत्रण बनाए रखना चाहिए, जो युद्धविराम की वार्ता में एक बड़ा मुद्दा है।छह इज़राइली बंधकों की हत्या ऐसे समय में की गई है, जब अमेरिका 31 मई के समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा था। इस समझौते के तहत 18-33 के फार्मूले से बंधकों को छह सप्ताह में रिहा किया जाना था। इसके बदले में युद्ध में शांति और इज़राइल द्वारा फलस्तीनी कैदियों और आतंकवादियों को रिहा किया जाना था। अमेरिका, समझौते के मुख्य मध्यस्थ कतर और मिस्र के साथ मिलकर, फिलाडेल्फिया कॉरिडोर के मुद्दे को सुलझाने में नाकाम रहा है। हमास इस बात पर जोर दे रहा है कि इज़राइली सेना को समझौते के पहले चरण में इस बफर जोन से हट जाना चाहिए। हालांकि, इस शर्त पर इज़राइल फिलहाल तैयार नहीं है।

किसानों की...

तय करे कि मुद्दे क्या हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी हिदायत दी कि किसी भी मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कमेटी से यह भी कहा है कि वह शंभू बॉर्डर पर बैठे किसानों से भी बातचीत करे। कोर्ट ने कहा, शंभू बॉर्डर पर आंदोलनकारी किसानों से बातचीत कर उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग से अपने ट्रैक्टर और अन्य सामान तुरंत हटाने के लिए मनाएं ताकि ताकि दोनों राज्य हाइवे खोलने में सक्षम हो सकें।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब कमेटी इस मामले को देखेगी और बाकी लोग इन मुद्दों को खाली में ना उठाएं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हरियाणा और पंजाब में बड़ी आबादी ऐसी है जो खेती पर आश्रित है और काफी गरीब तबके से है, ऐसे में इनके मुद्दे इस कमेटी को देखने होंगे। कोर्ट का यह फैसला हरियाणा की एक याचिका पर दिया गया है। इससे पहले जुलाई में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा को आदेश दिया था कि वह शंभू बॉर्डर खोल दे। हालांकि, हरियाणा ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने तबसे ही इस मामले की सुनवाई कर रहा है।इससे पहले की सुनवाइयों में सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा और पंजाब से कमेटी के लिए नाम देने को कहा था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कमेटी का गठन कर दिया। अब कमेटी सभी पक्ष से बातचीत करके किसान आंदोलन के लिए समाधान बताएगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस कमेटी को एक सप्ताह के भीतर बैठक बुलाने का निर्देश दिया है।न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने यह समिति गठित की है। इस मौके पर शीर्ष अदालत ने कहा कि किसानों के मुद्दों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि समिति को चरणबद्ध तरीके से इस पर विचार करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि किसान अपने शांतिपूर्ण आंदोलन को वैकल्पिक स्थलों पर स्थानांतरित करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

अवैध इमारतें ...

सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं मध्य प्रदेश और राजस्थान से दायर की गई हैं। राजस्थान की याचिका में कहा गया है कि उनका घर सिर्फ इसलिए गिराया गया क्योंकि उसमे रहने वाले किराएदार ने अपराध किया था।

इसके अलावा दिल्ली में भी घर गिराने को लेकर एक याचिका सुप्रीम कोर्ट के सामने पहुंची। हरियाणा के नूंह में भी घर गिराए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिकाएं पहुंची थी। अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले में आगे सुनवाई करके गाइडलाइन जारी करेगा।

जस्टिस बीआर गवई ने मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, सिर्फ इसलिए घर कैसे गिराया जा सकता है कि वह आरोपी है? याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ में शामिल जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा कि किसी को भी कमियों का फायदा नहीं उठाना चाहिए। पिता का बेटा अड़ियल या आज्ञा न मानने वाला हो सकता है, लेकिन अगर इस आधार पर घर गिराया जाता है, तो यह तरीका नहीं है।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि कानून का उल्लंघन होने पर घरों को गिराया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम तभी कार्रवाई करते हैं जब कानून का उल्लंघन होता है। इसके जवाब में पीठ ने कहा, लेकिन शिकायतों को देखते हुए, हमें लगता है कि उल्लंघन हुआ है। न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूरे राज्य में अनधिकृत इमारतों को ध्वस्त करने के लिए एक दिशा निर्देशन की आवश्यकता पर भी गौर किया। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, सुझाव आने दीजिए। हम अखिल भारतीय स्तर पर दिशानिर्देश जारी करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह किसी भी अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं देगा। हम पूरे देश के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करने पर विचार कर रहे हैं। मामले की सुनवाई 17 सितंबर को तय की गई। दरअसल, बुलडोजर एक्शन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थी। इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी की।

कोलकाता कांड...

संघ की बैठक में महिला सुरक्षा को लेकर पांच मोर्चों पर चर्चा की गई, जिसमें कानूनी, जागरूकता, संस्कार, शिक्षा और आत्मरक्षा शामिल है। इन मोर्चों को लेकर महिला सुरक्षा के लिए संघ द्वारा देशभर में अभियान चलाया जाएगा।

संघ की बैठक में बताया गया कि पिछले साल संघ ने राज्य और जिले में 472 महिला सम्मेलन आयोजित किए गए। जिसमें महिलाओं के मुद्दों, पश्चिमी फेमिनिज्म और भारतीय चिंतन पर चर्चा की गई। आरएसएस की बैठक में बंगाल, वायनाड और तमिलनाडु में हुई घटनाओं पर भी चिंता जाहिर की गई। बैठक में बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा को लेकर भी चिंता जताई गई और सरकार से इन मामलों में कदम उठाने का आग्रह किया। संघ की समन्वय बैठक में जातीय जनगणना के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। संघ ने जातीय जनगणना को संवेदनशील मुद्दा बताते हुए कहा कि जातीय जनगणना संवेदनशील विषय है। इससे समाज की एकता और अखंडता को खतरा हो सकता है। पंच परिवर्तन के तहत की गई इस चर्चा में संगठन ने फैसला किया है कि व्यापक पैमाने पर समरसता को बढ़ावा देने के लिए काम किया जाएगा। यह राष्ट्रीय एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण है। संघ ने कहा कि जातीय जनगणना का इस्तेमाल चुनाव प्रचार और चुनावी उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए बल्कि कल्याणकारी उद्देश्यों के लिए और खासतौर पर दलित समुदाय की संख्या जानने के लिए सरकार उनकी गणना कर सकती है।

कांग्रेस में महिलाओं ...

इससे पहले भी कांग्रेस उन नेताओं को पार्टी से बाहर करती रही है जिन्होंने बड़े नेताओं के खिलाफ बोलने का प्रयास किया। इससे पहले यूथ कांग्रेस के मुखिया बीवी श्रीनिवास पर आरोप लगाने वाली अंगकिता दत्ता को भी कांग्रेस ने निकाल दिया था।असम युवा कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं अंगकिता दत्ता ने यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास और यूथ कांग्रेस के सेक्रेटरी इंचार्ज वर्धन यादव पर लैंगिक भेदभाव तथा बदजुबानी का आरोप लगाया था। कहा था कि राहुल गांधी ने भी उनकी शिकायतों पर गौर नहीं किया और प्रताड़ना का सिलसिला चलता रहा। आखिरकार अंगकिता दत्ता को न्याय देने के बजाय पार्टी ने उन्हें ही बाहर का रास्ता दिखा दिया।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का पहला प्रकाश महत्व एवं प्रासंगिकता

समस्त संसार को अपने अमृतमई दिव्य ज्ञान की प्रचीति कराने वाले महान गुरु धन धनं श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पहले प्रकाश को सारा विश्व बड़े हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मना रहा है। आज केवल मात्र सिख ही नहीं, अपितु हर धर्म, वर्ग, वर्ण एवं समाज का व्यक्ति अपने सभी बाह्यगत भेदभाव को भुलाकर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष श्रद्धापूर्वक नतमस्तक हो रहा है। और यह आज के युगीन परिवेश में अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक भी है। आज श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की महत्ता को, शब्द रूपी गुरु की शिक्षा को सारी दुनिया शिरोधार्य मानकर अपने जीवन का अभिन्न अंग बना रही है। गुरुबाणी को जीवन का आधार बना रही है। गुरुबाणी की अटलता, पवित्रता, सार्थकता को आज सारी दुनिया ने सर्वश्रेष्ठ माना है। यही कारण है कि आज विश्व में जहां-जहां श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी विराजमान है वहां उन पवित्र स्थान गुरुद्वारों में केवल गुरु के दर्शन करने, गुरु से आशीर्वाद लेने,गुरु को अपने हर कार्य का साक्षीदार बना उसे अपना माता-पिता, मित्र, मार्गदर्शक मानकर मनुष्य उनके सम्मुख नतमस्तक हो रहा है। गुरुबाणी के प्रति ऐसी अगाध श्रद्धा,समर्पण,मानवता के प्रति अपनी निष्ठा दर्शाता है।

सिख जगत में गुरुओं के प्रकाश को प्रकाश गुरु पूरब, पर्व के रूप में बड़े ही श्रद्धा तथा सम्मान के साथ तन, मन, धन से मनाया जाता है। इसी प्रकार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पहले प्रकाश को भी सारी दुनिया बड़े श्रद्धा एवं सम्मान के साथ भव्यता, दिव्यता से मनाती है।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जीके प्रकाश, संपादन का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं नैतिक दृष्टि से अनन्य साधारण महत्व है। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी ने सबदु गुरु सुरती धुनि चेलातथा जैसी मै आवै खसम की बाणी तैसड़ा करी गियान वे लालो कहकर शब्द ही ब्रह्म है, शब्द ही सत्य है और यही सत्य उस अकाल पूरख परमात्मा का स्वरूप है, इस बात का जहां-जहां भी गए, उसका प्रचार करते गए। अपनी वाणी को गुरु नानक देव जी लिखित रूप में एक पोथी में सुरक्षित रखते थे। साथ ही अपनी उदासियों (यात्राओं) के दौरान अन्य महापुरुषों, भक्तों की बाणी को भी वे अपनी पोथी में उद्धरित कर लेते थे। अपने अंतिम समय में उन्होंने अपनी तथा अन्य भक्तों की बाणी को दूसरे गुरु गुरु अंगद देव जी को सौंप दिया। इस प्रकार बाणी को संभाल कर रखने तथा उसमें स्वयं की बाणी जोड़कर अगले गुरु को देने का कार्य पांचवें गुरु गुरु अर्जन देव जी तक चला। गुरु अर्जन देव जी के समय तक यह गुरुबाणी पूर्ण रूप से संकलित रूप में नहीं थी। गुरु अर्जन देव जी को समय की मांग को ध्यान में रखते हुए गुरुबाणी के संकलन करने की आवश्यकता का आभास हुआ। गुरु अर्जुन देव जी के बड़े भाई पृथ्वी चंद तथा उनके पुत्र मेहरबान द्वारा गुरुबाणी में फेरबदल एवं गुरु नानक देव जी के नाम का दुरुपयोग किए जाने का पता चला तब उन्होने प्रामाणिक बाणी के संकलन करने का निश्चय कर लिया।

गुरु अर्जन देव जी ने प्रमाणिक वाणी के स्रोतों को इकट्ठा कर जांच पड़ताल कर संपूर्ण गुरुबाणी का संपादन किया । उन्होंने स्वयं अपने तथा अपने परवर्ती चार गुरुओं की बाणी शामिल तो की ही साथ ही गुरु विचारधारा से साम्य रखने वाली अन्य संतों,भक्तों की बाणी का भी समावेश किया। मध्यकालीन अन्य संतों की तथा गुरु दरबार में भाटो द्वारा रचित स्रोतों को भी ग्रंथ साहिब में स्थान दिया। जिस कारण श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी सर्व सांझा तथा मध्ययुगीन हिंदी साहित्य का दर्पण, उच्च कोटि का ग्रंथ कहलाया। गुरु अर्जन देव जी इस संदर्भ में ग्रंथ साहिब जी की संपादना करने वाले प्रथम संपादक तथा साहित्यकार कहलाए। साहित्यकार मानवीय मूल्यों का संस्थापक और मनुष्य मात्र के मंगल का उदगाता होता है। वह मनुष्य को व्यक्ति के रूप में मूल्यांकित न करके समष्टि की व्यापकता और जीवन के मूल सत्य की खोज का दायित्व वहन करता है। इसी मानवतावादी दृष्टिकोण से प्राय: वह लोक मानस को सर्वधर्म समभाव की ओर उत्प्रेरित करता रहता है । इस प्रकार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को संसार के एकमात्र ऐसे

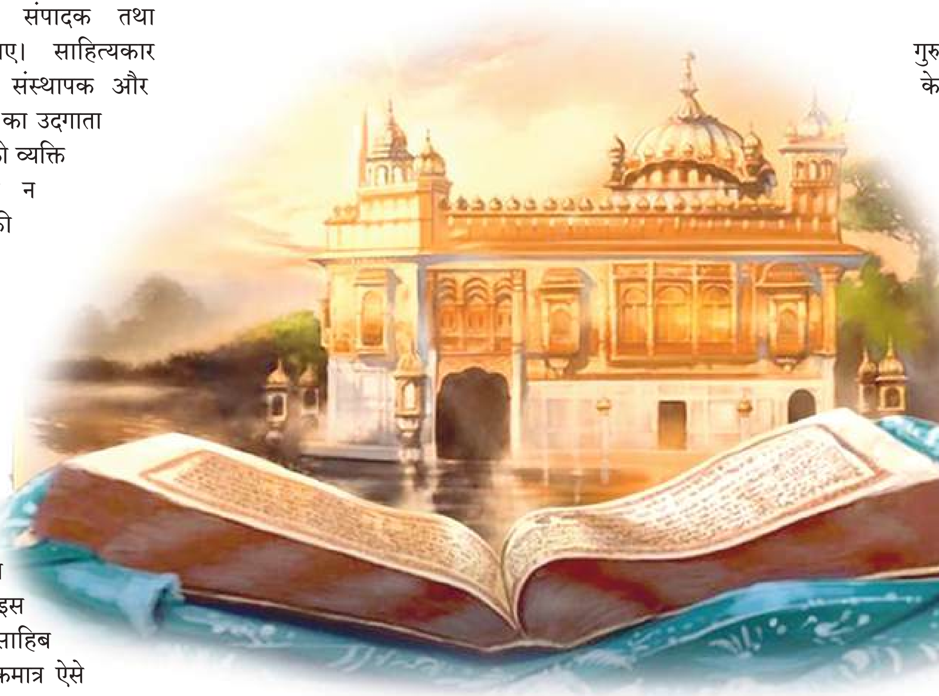

धर्म ग्रंथ होने का मान तथा गौरव प्राप्त है जिसको सद्गुरु द्वारा स्वयं अपनी देखरेख में अन्य गुरुओं तथा भक्तों, भाटों की वाणी को ज्यों का क्यों प्रामाणिक रूप में संकलित किया गया। ऐसी पवित्र , प्रामाणिक वाणी का संकलन जाति ,वर्ण ,कुल के दायरे से बाहर निकलकर करना तत्कालीन परिस्थितियों में एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। गुरु अर्जुन देव जी ने इसे गुरुज्ञा मानकर स्वीकार किया। उन्होंने अपनी उदार तथा सारग्रही दूरदृष्टि द्वारा सारी बाणीयों का स्वयं गहन अध्ययन ,चिंतन किया। उनसे निकलने वाली शिक्षा, संदेश सभी के लिए एक समान हो तथा सभी की वाणी में एकरसता हो इसका विशेष ध्यान रखा।

पश्चात गुरु अर्जन देव जी के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन तथा निरीक्षण में रहकर भाई गुरदास जी ने आदि ग्रंथ साहिब पूर्ण किया। 14 वर्षों के अथक परिश्रम के पश्चात सन 1604 ईस्वी में आदि ग्रंथ साहिब के संपादन का कार्य पूरा हुआ।

तब आदि ग्रंथ साहिब जी को बड़ी श्रद्धा तथा सम्मान के साथ बाबा बुड्ढा जी के शीश पर सुशोभित कर हज़ारों की संख्या में श्रद्धालुओं,संगत के साथ नगर कीर्तन के रूप में ले जाकर श्री हरिमंदिर साहिब अमृतसर में स्थापित कर पूर्ण मर्यादा के साथ पहला प्रकाश संपन्न हुआ।बाबा बुड्ढा जी को प्रथम ग्रंथि के रूप में नियुक्त किया गया ।

पोथी परमेसर का थानु।। साधसंगि गावही गुण गोबिंद पूरन ब्रह्म गियानु।।अर्थात श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी परमात्मा का निवास स्थान है। जो मनुष्य सत्संगति में रहकर हरि परमात्मा के गुण गायन करते हैं ,वे सर्वव्यापी परमात्मा के पवित्र ब्रह्म ज्ञान को प्राप्त करते हैं।तब से हर वर्ष श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पहले प्रकाश को सारा विश्व बड़े ही श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाता है ,जहां गुरुद्वारे में अमृतवेले, ब्रह्म मुहूर्त में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का पवित्र पावन हुकुमनामा (मुखवाक) लिया जाता है, जिसे संगत गुरुजी के आदेश समान स्वीकार कर उस पर अमल करती है। तथा शबद कीर्तन, गुरुबाणी के विचार संगत को सांझा किए जाते हैं। पश्चात् गुरु गोबिंद सिंघ जी ने दमदमा साहिब, साबो की तलवंडी में ग्रन्थ साहिब जी में अपने पिता नववे गुरु गुरु तेग बहादुर जी की बाणी दर्ज कर ग्रंथ साहिब जी की संपूर्णता की। सन 1708 ईसवी में गुरु गोबिंद सिंघ जी ने नांदेड़ (महाराष्ट्र)की पवित्र भूमि पर सदा के लिए गुरुओं की देहधारी परंपरा को ख़त्म कर आदि ग्रन्थ साहिब जी को गुरु की पदवी से सुशोभित किया।इस प्रकार गुरु ग्रन्थ साहिब जीसदा के लिए गुरु रूप में प्रतिष्ठित हुऐ हैं। बाणी गुरु गुरु है बाणी विचि बाणी अमृत सारे।। गुरु बाणी क है सेवक जन मानै परतखि गुरु निसतारे।।गुरु ग्रन्थ साहिब जी अनुसार बाणी गुरु है तथा गुरु ही बाणी है।इसी बाणी में सारे अमृत,सारी अच्छाइयां समाहित हैं।गुरु के हर सच्चे सिख, श्रद्धालु को ऐसी सच्ची बाणी जी सभी बाणीयो की शिरोमणि है,जो हमें परमात्मा से जोड़ती है ,मनुष्य को मानवता के पथ पर चलने योग्य बनाती है, ऐसी गुरुबाणी का सत्संगती में रहकर गायन, श्रवण,मनन करना चाहिए।

मानवीय उच्च मूल्यों से परिपूर्ण श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी जहां अपने प्रकाश के समय महत्वपूर्ण थे वहीं आज भी तथा आने वाले समय में भी उतने ही प्रासंगिक रहेंगे ।श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में आया प्रत्येक सबद(पद) मानवता का संदेश देता है ।किसी काव्य की सार्थकता और प्रासंगिकता का प्रश्न उसके मानव मूल्यों से संबंध रहता है ।इस संदर्भ में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी खरे उतरते हैं ।श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी मानवीय सर्वोच्च मूल्यों के स्रोत तो हैं ही, साथ ही युगीन परिस्थितियों से जूझने तथा मानवता की रक्षा करने में पूर्णतया समर्थ हैं। मध्यकाल में जब मानवता तार तार हो रही थी ऐसे में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाश का उद्देश्य सत्य ,शांति एवं समानता को इस धरती पर पुनः स्थापित करना था। मानवीय मूल्यों की इस परम शाश्वत अमूल्य धरोहर को सौंप कर मानवता को चिरंजीविता का आशीर्वाद देने वाली, महिमा मंडित करने वाली श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में आई गुरुओं, भक्तों की वाणी वैसे ही एक रूप हो गई है जैसे दूध में खांड मिल जाती है । सद्य स्थिति में बड़ी तेजी से आधुनिकता का लिबास पहने मानव आगे बढ़ता जा रहा है ।किंतु आधुनिकता की होड़ में अपनी संस्कृति ,संस्कार और सभ्यता से मुंह मोड़कर नैतिक मूल्यों का हनन कर रहा है। हिंसाचार , नैतिक मूल्यों का अध: पतन,वैवाहिक, सामाजिक जीवन में असंगतियां ,असंतोष नशे का सेवन, नारी शोषण, आतंकवाद ,मानसिक शारीरिक विकार आदि अनेकानेक बुराइयों ने एक ऐसे महादानव का सृजन किया है जिसका महामानव बनकर ही अंत किया जा सकता है ।ऐसे महामानव का निर्माण करने में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी सर्वदा समर्थ है।श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी ने तत्कालीन परिस्थितियों में मनुष्य को दुष्प्रवर्तियो से सावधान कर मानवता की रक्षा की। साथ ही सदय स्थिति में तथा आने वाले समय के बारे में भी मनुष्य को सचेत किया है ।गुरबाणी में जीवन के हर पहलू पर प्रकाश डालकर जिस सरलता से उन समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया है, वह अद्भुत है। इसीलिए श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को कलयुग का जहाज कहा जाता है ।जिसके सहारे मनुष्य दुर्गुणों एवं विकारों के भवसागर से सुरक्षित निकालने में समर्थ सिद्ध हुआ है।

आज भी विश्व में कई धर्म स्थलों में अन्य धर्म के लोगों का प्रवेश निषिद्ध है। परंतु विश्व में जहां-जहां श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी प्रकाशित हैं वहां हर धर्म के लोगों को बिना किसी रोक-टोक के जाने की अनुमति स्वयं श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी ने दी है। किसी भी जाति, वर्ण, लिंग संप्रदाय का व्यक्ति पुरुष अथवा नारी सभी के लिए हर समय उनके द्वारा खुले रहते हैं। यह अटल सत्य है ।मानवता की सदैव रक्षा तथा उसे स्वयं अमल में लाने वाले श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का ना कोई सानी है ना रहेगा।मानवता के धनी श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी उनकी शरण में आने वाले हर श्रद्धालु चाहे वह धनवान हो या निर्धन, राजा हो या रंक,सशक्त हो या दुर्बल, वे सभी को समान रूप से आशीर्वाद देते हैं ।उसका मार्गदर्शन करते हैं। जो सरणी आवै तिसु कंठी लावे इहू बिरदू सुआमी मंदा।।अर्थात जो प्रभु के शरण में आते हैं उन्हें प्रभु अपने गले लगा लेते हैं। यही कारण है कि विश्व में जहां जहां श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी प्रकाशित हैं ,वहां कोई भी स्वयं को दुर्बल, अनाथ भूखा या असहाय नहीं मानता। पिता के रूप में मानवता का प्रकाश समान रूप में अपने संतान पर बिखेर कर गुरबाणी सबको नवजीवन प्रदान करती है ।श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी ग्रंथ रूप में साक्षात सत्य एवं ईश्वर का प्रतिरूप है। अनेकानेक अद्वितीय अद्भुत गुणों, विशेषताओं से भरा महासागर है जिसका कोई पारावर नहीं। गुरबाणी अपने आप में एक विराट दर्शन ,सर्वव्यापी सोच है।

आज के इस पल पल बदलते परिवेश में मनुष्य असंतोष, कुंठाओं से, भिन्न-भिन्न प्रकार के शारीरिक मानसिक रोगों से त्रस्त है ।ऐसे में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी द्वारा दी गई शिक्षा का अंगीकार कर मनुष्य अपने जीवन को सुख कारक बना सकता है ।गुरबाणी मनुष्य को काम, क्रोध, लोभ , मोह तथा अहंकार से बचाती है ।मनुष्य को प्रेम एवं विश्वास ,विनम्रता ,दया तथा क्षमता जैसे गुणों को धारण कर सत्संगति में रहकर प्रभु का नाम जपते हुए गुरु का सच्चा सेवक ,गुरमुख बनने की शिक्षा देती है। दीन की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व अर्पण करने वालों को सच्चा शूरवीर मानती है ।प्रिय वचनों द्वारा सभी को गले लगाने की बात करती है। अतः मानवीय सर्वोच्च मूल्यों से ओतप्रोत गुरबाणी युगों तक मानवता की सुख, शांति, समृद्धि एवं कल्याण का स्रोत बनी रहेगी।

जिस प्रकार एक मां के लिए अपने बच्चे का जन्म उसके जीवन की एक बहुत बड़ी उपलब्धि ,सफलता तथा गौरव की बात होती है ,उसी प्रकार इस धरती पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश संपूर्ण मानवता के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि, गौरव सम्मान एवं गुरु की सर्वश्रेष्ठता का परिचायक है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश उस समय भी प्रासंगिक था जब अधर्म, अन्याय ,अनाचार, व्यभिचार का आतंक फैला हुआ था ।भारतीय जनमानस अज्ञान के अंधकार में भ्रमित अपना जीवन जीने को विवश था। ऐसे में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश अज्ञान का नाश कर समस्त सृष्टि को शाश्वत सत्य से परिचित कराने वाला है। आज भी तथा आने वाले समय में भी श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी सारे संसार को अपने ज्ञान के प्रकाश से सदैव प्रकाशित करते रहेंगे।

आप जी के पहले प्रकाश को कोटि कोटि नमन

■ डॉ. राजिंदर कौर महाजन
हैदराबाद
फ़ोन : 863 981 0368

भगवान गणेश की लीलाओं में छिपे हैं बड़े अद्भुत गहरे तत्व

गणेश जी को केवल बाहरी रूप में न देखें, बल्कि उन्हें अपनी चेतना का केंद्र समझें। गणेश जी को अपने भीतर स्थापित करना चाहिए। गणेश जी की पूजा केवल सजग चेतना द्वारा की जा सकती है। जब साधक ध्यान की गहरी अवस्था में होते हैं तो उन्हें पवित्र और अरूप आकाश का अनुभव होता है। गणेश जी की पूजा और आवाहन परब्रह्म के रूप में किया जाता है। परब्रह्म अर्थात वह एकमात्र ईश्वर, जो सभी वर्णनों और संकल्पनाओं से परे हैं। जिन-जिन योगियों ने ध्यान और चक्रों का अनुसंधान किया है, उन सबके अनुभव में आया है कि गणपति हमारे मूलाधार में वास कर रहे हैं।

यह कपोल कल्पित नहीं है, वेदों में भी इसका उल्लेख है। आदि शंकराचार्य ने गणेश जी के स्वरूप का वर्णन करते हुए कहा है, 'अजं निर्विकल्पं निराकार रूपम, जिसका कभी जन्म नहीं हुआ, जहां कोई विकल्प या कोई विचार नहीं है और जिसका कोई आकार भी नहीं है; जो आनंद भी है और आनंद के बिना भी है और जो एक ही है, ऐसे गणपति परब्रह्म का रूप हैं; आपको मैं नमस्कार करता हूं।'

योगशास्त्र के अनुसार, गणेश जी रीढ़ की हड्डी के मूल में स्थित मूलाधार चक्र के स्वामी हैं और पृथ्वी तत्व से जुड़े हैं। जब हमारा मूलाधार चक्र सक्रिय होता है, तब हमें साहस का अनुभव होता है और उसके निष्क्रिय होने पर आलस्य और इच्छाओं की कमी का अनुभव होता है। मूलाधार चक्र में चेतना को गणेश जी के रूप में समझा गया है। गणेश जी का बाहरी स्वरूप, जो हमें दिखाई देता है, उसमें गहरा रहस्य छिपा हुआ है। गणेश जी बुद्धि और ज्ञान के देवता हैं। जब व्यक्ति भीतर से जाग्रत होता है, तभी वास्तविक बुद्धि का उदय होता है।

गणेश अथर्वशीर्ष में हर जगह गणेश जी की उपस्थिति की प्रार्थना की जाती है। वे पंचतत्वों धरती, वायु, अग्नि, जल, आकाश में समाहित हैं और हर दिशा में व्याप्त हैं। इस प्रकार गणेश जी की पूजा और ध्यान से हमें अपने भीतर छिपी चेतना और गुणों को जाग्रत करने का अवसर मिलता है। गणेश जी की उपासना से हम उनके रहस्यों को समझ सकते हैं और आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में अग्रसर हो सकते हैं। गणेश जी की उत्पत्ति की कहानी में उनकी प्रतीकात्मकता छिपी हुई है। इस कथा में शिवजी ने देवी पार्वती के शरीर के मैल से गणेश जी का निर्माण किया और फिर उनके सिर को हाथी के सिर से बदल दिया।

इस घटना का आशय यह है कि शिव जी ने छोटे मन और अशुद्धियों को हटा दिया। गणेश जी का हाथी का सिर अशुद्धियों को हटाने का प्रतीक है। पौराणिक कथाएं एक दृष्टि में अविश्वसनीय लग सकती हैं, लेकिन वे वास्तव में गहरे रहस्यों को उजागर करती हैं। ऐसी कहानियां जीवन के गहरे सत्य को समझाने में सहायता करती हैं। गणेश जी का स्वरूप केवल आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी रहस्यमयी है। यदि आप गणेश जी के रूप और गुण पर ध्यान देंगे, तो इनके स्वरूप के भीतर छिपे गहरे वैज्ञानिक तथ्य उजागर होंगे।

जब हम किसी के बारे में सोचते हैं तो उसके गुण अपने आप हमारे भीतर जाग्रत होने लगते हैं। हाथी निडर होता है और सीधा चलता है। वह मार्ग में आने वाले सभी अवरोधों को उखाड़ फेंकता है। जब हम हाथी के बारे में सोचते हैं तो हमारे ऐसे गुण सक्रिय हो जाते हैं, जो हमें निर्भीक बनाते हैं। अत: गणेश जी की पूजा से हमें हाथी जैसी स्थिरता और शक्ति का अनुभव होता है और हमारे भीतर उत्साह व ऊर्जा का संचार होता है। गणेश जी का वाहन चूहा एक गहन रहस्य को दर्शाता है, जो प्रतीकात्मक है। चूहा एक छोटे बीज मंत्र की तरह है, जो अज्ञान के आवरण को काटता है। चूहा एक दार्शनिक प्रश्न के प्रतीक के रूप में भी देखा जा सकता है, जो चेतना और ब्रह्म के ज्ञान की ओर संकेत करता है। चूहे की उपस्थिति हमें बताती है कि सच्चा ज्ञान प्राप्त करने के लिए हमें तर्क और चिंतन की आवश्यकता होती है।

गणेश जी के हाथी के सिर के साथ चूहे का होना एक गहरे संतुलन और शक्ति का प्रतीक है। गणेश जी को 'एकदंत' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'एक दांत वाला'। यह दर्शाता है कि जीवन का स्रोत 'एक' ही है, जो ध्यान और एकता का प्रतीक है। गणेश जी का विशाल उदर उनके विनम्र और उदार स्वभाव को दर्शाता है। यह बताता है कि वे उदारता के प्रतीक हैं और सभी को स्वीकार करते हैं।

गणेश जी की पूजा से हमें केवल आध्यात्मिक लाभ ही नहीं, बल्कि जीवन के प्रति एक नई दृष्टि भी मिलती है। उनकी प्रतीकात्मकता जीवन की कठिनाइयों को पार करने और सच्चे ज्ञान की प्राप्ति के लिए प्रेरित करती है।

कंगना की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी का गाना ए मेरी जान रिलीज

पक्ष-विपक्ष में दिखी देशभक्ति

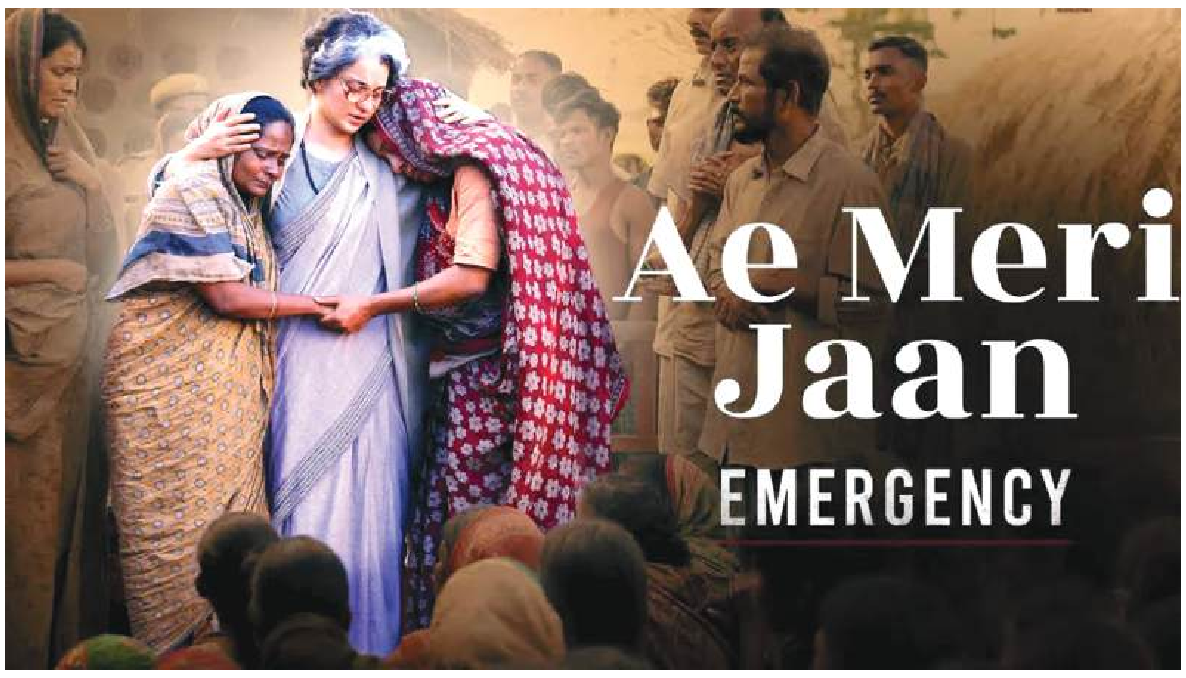

कंगना की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी की रिलीज पर मुसीबतों के बादल मंडरा रहे हैं यह फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने वाली है लेकिन कई संगठन इसे बैन करवाने पर तुले हुए हैं। इसी बीच फिल्म का नया गाना ए मेरी जान मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। जिसमें कंगना और विपक्ष की आंखों में देशभक्ति साफ देखी जा सकती है।फिल्म का पहला गाना सिंहासन खाली करो था जिसमें विपक्ष को आपातकाल के खिलाफ आवाज उठाते हुए देखा गया था। अब मेकर्स ने फिल्म से दूसरा गाना रिलीज किया है जिसका टाइटल ए मेरी जान है। फिल्म में इमरजेंसी लगने पर देश के बिगड़े हालात की झलक दिखाई गई है। पक्ष विपक्ष देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर गाना रिलीज करते हुए कैप्शन लिखा- ऐ मेरी जान मुझे जान से भी प्यारा है तू, राष्ट्र के प्रति परम प्रेम, प्रेम की घोषणा ए मेरी जान अब जारी। 6 सितंबर को सिनेमाघरों में इमरजेंसी। वहीं फैंस भी इस गाने को काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन में तारीफ कर रहे हैं।शिरोमणि अकाल दल और सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने फिल्म पर पूरी तरह से बैन लगाने की मांग की है। इमरजेंसी फिल्म साल 1975 में देश में लगी इमरजेंसी और तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी की एक सिख द्वारा की गई हत्या को दिखाया गया है। यह विवाद उस वक्त उठा जब फिल्म इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज हुआ था। ऐसे में सिख कम्यूनिटी कंगना रनौत और सेंसर बोर्ड को लीगल नोटिस भेज चुकी है।इमरजेंसी 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है देखना दिलचस्प होगा कि बैन के लिए उठ रही मांगो का फिल्म की रिलीज पर क्या असर पड़ता है। फिल्म कंगना के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, सतीश कौशिक, महिमा चौधरी जैसे कलाकार खास रोल में हैं।

मोनालिसा ने सुर्ख लाल साड़ी पहन दिखाया कातिलाना अंदाज

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। हालांकि लेटेस्ट फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही खूबसूरत साड़ी पहनी हुई थी।एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।उनका बोल्ड और ब्यूटिफुल अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना निगहों से पोज देती हुई फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं।ओपन हेयर, माथे पर बिंदी, कानों में झुमकें और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।मोनालिसा जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

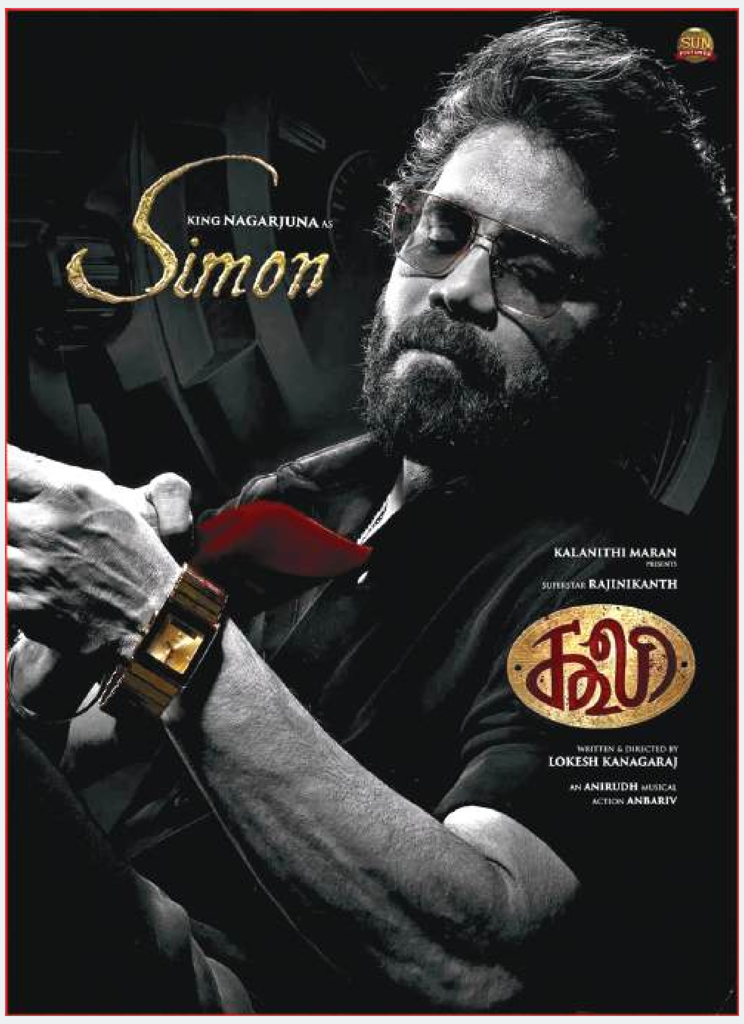

रजनीकांत की कूली में नागार्जुन की एंट्री सुपरस्टार के धांसू फर्स्ट लुक आउट

रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड कूली लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित थलाइवर की 171वीं फिल्म है। इसीलिए फैंस इसकी हर एक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब हाल ही में मेकर्स ने एक और धमाका करते हुए फिल्म से नया पोस्टर रिलीज किया है। फिल्म के मेकर्स ने मास एक्टर का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज कर दिया है। मोनोक्रोम पोस्टर में नागार्जुन इंटेंस और स्टाइलिश अवतार में नजर आ रहे हैं। बढ़ी हुई दाढ़ी, सनग्लासेस और गोल्ड वॉच पहने हुए नागार्जुन का लुक काफी अट्रैक्टिव लग रहा है।रजनीकांत स्टारर कूली में नागार्जुन के कैरेक्टर का नाम साइमन है। लोकेश कनगराज ने एक्स (पूर्व में ट्वीटर) पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- किंग के फिल्म में आने से हम बहुत खुश हैं, नागार्जुन कूली की कास्ट जॉइन करने वाले हैं। वेलकम टू द बोर्ड सर एंड हैप्पी बर्थडे। कूली की दुनिया में नागार्जुन के आने से उनके फैंस के बीच खुशी की लहर है।पहले खबरें आई थी कि नागार्जुन फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे लेकिन अब यह कंफर्म हो गया है कि नागार्जुन फिल्म के खास कलाकारों में से एक होंगे। लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित यह फिल्म बड़े बजट में बन रही है और यह साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। हाल ही में फिल्म में आमिर खान के शामिल होने की भी खबर सामने आई थी हालांकि इसका कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है। लेकिन आमिर फिल्म में स्पेशल कैमियो में नजर आ सकते हैं।कूली की शूटिंग इस साल जुलाई में हैदराबाद में शुरू हुई। हालांकि ऑफिशियल रिलीज की डेट अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन साल 2025 में इस फिल्म के रिलीज होने की उम्मीद है। इस बीच नागार्जुन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे पिछली बार ना सामी रांगा में नजर आए थे। वहीं उनकी पाइपलाइन में धनुष की कुबेर भी है जिसका पोस्टर भी उनके बर्थडे पर ही रिलीज हुआ। कुबेर दिसंबर 2024 में रिलीज होगी। कूली में रजनीकांत और नागार्जुन के अलावा अमिताभ बच्चन, श्रुति हासन और राणा दग्गुबाती जैसे कलाकार शामिल हैं।

निवेथा थॉमस-स्टारर फैमिली ड्रामा फिल्म 35-चिन्ना कथा काडू 6 को होगी रिलीज

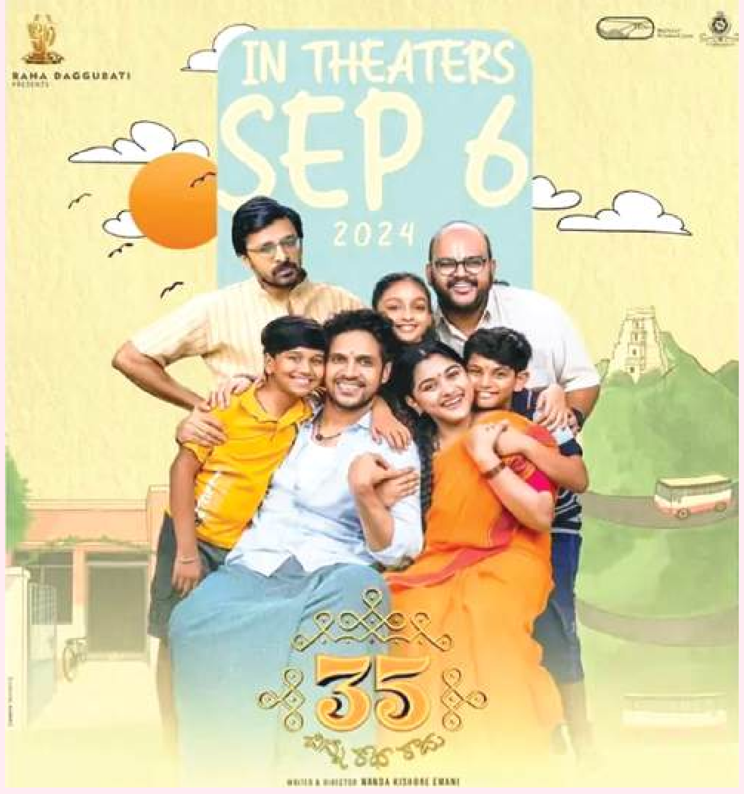

अभिनेत्री निवेथा थॉमस की आगामी फैमिली ड्रामा फिल्म 35-चिन्ना कथा काडू 6 सितंबर को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।फिल्म 35-चिन्ना कथा काडू पारिवारिक बंधनों की जटिलता पर बात करती है। इसमें जीवन पर विपरीत दृष्टिकोण से देखने वाले दो भाई-बहनों के बीच के संघर्ष को दिखाया गया है।निवेथा इसमें एक मध्यम वर्ग की महिला की भूमिका निभा रही हैं, जो अपनी आकांक्षाओं और पारिवारिक कर्तव्यों के बीच फंसी हुई है। फिल्म यह पता लगाती है कि ये परस्पर विरोधी विचार उनके रिश्तों को कैसे आकार देते हैं और उनके जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं।कलाकारों में प्रियदर्शी, विश्वदेव, गौतमी और भाग्यराज शामिल हैं। इसे तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज किया जाएगा।राणा दग्गुबाती द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म सुरेश प्रोडक्शंस एस ओरिजिनल्स और वाल्टेयर प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। इस फिल्म को बेहद ही कम बजट में बनाया गया है। इसका निर्देशन नंद किशोर इमानी ने किया है। 35-चिन्ना कथा काडू एक भावनात्मक रूप से आकर्षक अनुभव देने का वादा करती है।निवेथा ने अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में लोकप्रिय धारावाहिक माई डियर बूथम से की। उसके बाद उन्होंने वेरुथे ओरु भार्या में जयराम की बेटी की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्हें कुछ तमिल और मलयालम फिल्मों में काम करने का मौका मिला, जिनमें चप्पा कुरीश और थट्टाथिन मरायथु और पोराली शामिल हैं।निवेथा ने 2016 में जेंटलमैन से तेलुगु फिल्म में डेब्यू किया। इसके बाद उन्हें रोमांस, जिल्ला, पापनासम, निन्नू कोरी, जय लव कुश, 118, ब्रोचेवरे-वरुरा, वी, वकील साब जैसी हिट फिल्मों में देखा गया, जो अमिताभ बच्चन और तापसी पन्नू अभिनीत हिंदी फिल्म पिंक की तेलुगु रीमेक थी।उन्हें दरबार फिल्म में रजनीकांत की बेटी का किरदार निभाते हुए देखा गया। उन्होंने सुधीर वर्मा द्वारा निर्देशित साकिनी दाकिनी में भी काम किया। यह फिल्म कोरियाई फिल्म मिडनाइट रनर्स की तेलुगु रीमेक है, जिसमें रेगीना कैसांड्रा ने अभिनय किया था।

शिवमणि के लाइव शो को अभिनेत्री निकिता दत्ता ने बताया मैजिकल

अभिनेत्री निकिता दत्ता ने तालवादक आनंदन ड्रम्स शिवमणि के प्रदर्शन की एक झलक शेयर की है। उन्होंने इसे जादुई अनुभव बताया है। इंस्टाग्राम पर 1.7 मिलियन फॉलोअर्स वाली निकिता ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शिवमणि अपने हुनर से सबको मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। क्लिप का कैप्शन है, शिवमणि को लाइव देखा.. वाकई जादुई। चेन्नई की रहने वाले पर्कशनिस्ट पद्म श्री शिवमणि ड्रम, ऑक्टोबन, दरबुका, उडुकाई, घाटम और कंजीरा जैसे वाद्य यंत्र बजाते हैं।वहीं, 33 वर्षीय अभिनेत्री निकिता एक एक्टर हैं। जिन्होंने शुरुआत मॉडलिंग से की। 2012 में फेमिना मिस इंडिया में भाग लिया था। उन्होंने 2014 में रोमांटिक कॉमेडी लेकर हम दीवाना दिल से अपनी अभिनय यात्रा शुरु की। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अरमान जैन और दीक्षा सेठ मुख्य भूमिकाओं में थे।उन्होंने 2015 में ड्रीम गर्ल-एक लड़की दीवानी सी से अपना टेलीविजन डेब्यू किया। निकिता ने मोहसिन खान के साथ एक महत्वाकांक्षी अभिनेत्री लक्ष्मी की भूमिका निभाई थी। इसमें श्रद्धा आर्या, सुदीप साहिर, कुणाल वर्मा और खालिद सिद्दीकी ने काम किया था।नामिक पॉल के साथ एक दूजे के वास्ते में सुमन की भूमिका ने उनके करियर को एक नया मोड़ दिया। 2017 से 2018 तक, उन्होंने हासिल में जायद खान और वत्सल सेठ के साथ एक वकील की भूमिका निभाई। ये उनका आखिरी टीवी शो था।2018 में अक्षय कुमार के अपोजिट स्पोर्ट्स फिल्म गोल्ड के साथ निकिता ने फिल्मों में वापसी की। इसके बाद वह लस्ट स्टोरीज, कबीर सिंह, मस्का, द बिग बुल, डायबुक और रॉकेट गैंग जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं।फिल्मों की बात करें तो उन्हें आखिरी बार बिजॉय नांबियार द्वारा निर्देशित एक्शन ड्रामा डांगे में ऋषिका के रूप में देखा गया था।

फिल्म को हिंदी और तमिल में एक साथ शूट किया गया था और इसमें हर्षवर्धन राणे और एहान भट मुख्य भूमिकाओं में थे।निकिता को नीरज पांडे द्वारा बनाई गई वेब सीरीज खाकी: द बिहार चैप्टर में भी देखा गया था। इसमें करण टैकर (आईपीएस अमित लोढ़ा के रूप में) मुख्य भूमिका में हैं। वह क्राइम थ्रिलर सीरीज में अमित की पत्नी तनु लोढ़ा का किरदार निभा रही हैं।घराट गणपति से निकिता मराठी सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। नवज्योत नरेंद्र बांदीवाडेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में भूषण प्रधान, अजिंक्य देव, अश्विनी भावे के साथ संजय मोने, शुभांगी लाटकर और शुभांगी गोखले भी है। निकिता के पास ज्वेल थीफ: द रेड सन चैप्टर और गुल गुले बकावली भी हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अवांछित विचार दिमाग़ में छा सकते हैं। ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें, क्योंकि खाली दिमाग़ शैतान का घर होता है। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। वक्त कैसे गुजर जाता है इस बात का अहसास आज आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। संभव है आज आप अपने प्रिय को टॉफ़ी वग़ैरह दें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। बाग़बानी करना आपके लिए सुकून भरा हो सकता है – इससे पर्यावरण को भी लाभ पहुँचेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। मौज-मस्ती के लिए घूमना संतोषजनक रहेगा। सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली-भांति जान लें। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। वक्त कैसे गुजर जाता है इस बात का अहसास आज आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने ऊर्जा-स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग़ को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की ज़रूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा-शक्ति की कमी है। आज आपके माता-पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। अपने सामर्थ्य से ज्यादा काम करना आपके लिए नुकसानदायक साबित होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ज़िन्दगी की बेहतरीन चीज़ों को शिद्दत से महसूस करने के लिए अपने दिल-दिमाग़ के दरवाज़े खोलें। चिंता को छोड़ना इसकी ओर पहला क़दम है। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। अपना अतिरिक्त समय निःस्वार्थ सेवा में लगाएँ। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। अगर अपने लव पार्टनर को अपना जीवनसाथी बनाना चाहते हैं तो उनसे आज बात कर सकते हैं। हालांकि बात करने से पहले आपको उनके मनोभावों को जान लेना चाहिए। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएं तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कोई पुराना दोस्त शाम के समय फ़ोन कर पुरानी यादें ताज़ा कर सकता है। आपकी मुलाक़ात एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अलग-अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद-विवाद हो सकता है। अपना पसंदीदा संगीत सुन सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं.आज आप ऐसे इंसान से मिल सकते हैं, जो आपको ख़ुद अपनी ज़िन्दगी से ज़्यादा चाहता होगा। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है छात्र जिस विषय में कमजोर हैं उस विषय के बारे में आज अपने टीचर से बात कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं। ज़रूरत के वक़्त आपका जीवनसाथी आपके परिवार की अपेक्षा अपने परिवार को ज़्यादा तरजीह देता हुआ नज़र आ सकता है। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। कई बार मोबाइल चलाते-चलाते आपको समय का पता ही नहीं चलता और फिर जब आप अपना समय बर्बाद कर चुके होते हैं तो आपको पछतावा होता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। रोमांस के नज़रिए से आज ज़िन्दगी बहुत जटिल रहेगी। आज सोच-समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है- जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को ख़ुशी देगी।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 03 सितंबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या प्रातः 07:27 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी उत्तर रात्रि 03:11 तक
योग : सिद्ध रात्रि 07:04 तक
करण : नाग प्रातः 07:27 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देव कार्य भौमवती अमावस्या , अग्रवंशीय सती अमावस्या

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जजपा के पूर्व विधायक देवेंद्र बबली भाजपा में शामिल

चंडीगढ़, 02 सितंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव से पहले जजपा के पूर्व विधायक देवेंद्र बबली भाजपा में शामिल हो गए हैं। दिल्ली भाजपा मुख्यालय में उन्होंने पार्टी का दामन थामा। उनके अलावा गुरुग्राम के पूर्व जेल सुपरिटेंडेंट सुनील सांगवान व संजय कबलाना भी भाजपा में शामिल हो गए हैं।

टोहाना के विधायक देवेंद्र सिंह बबली सोमवार को आखिरकार भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। बबली पहले कांग्रेस में टिकट को लेकर प्रयास में थे लेकिन पार्टी द्वारा मना किए जाने के बाद भाजपा में शामिल हुए हैं। देवेंद्र बबली इससे पहले वर्ष 2014 में निर्दलीय चुनाव लड़े थे लेकिन उस समय सुभाष बराला से हार गए थे। वर्ष 2019 में कांग्रेस में टिकट न मिलने पर जजपा की तरफ से लड़े और भारी मतों से विजय जीते थे। भाजपा और जेजेपी में गठबंधन होने के दौरान विधायक देवेंद्र सिंह बबली का किसानों ने विरोध किया था। वर्ष 2021 में बबली को सरकार में पंचायत मंत्री बनाया गया।

टोहाना में इस बार मुकाबला रोचक होने की संभावना है। देखना होगा कि राज्यसभा सांसद सुभाष बराला क्या करते हैं। चूंकि भाजपा वर्कर बबली की टिकट को लेकर उतने उत्साहित दिख नहीं रहे हैं। यहां बता दें कि लोकसभा चुनाव में बबली ने अपने सगंठन के जरिये कांग्रेस को वोट दिलाए थे। बबली ने लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार कुमारी सैलजा का समर्थन किया। बबली अब कांग्रेस में टिकट चाह रहे थे लेकिन पार्टी ने मना कर दिया। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया का बयान भी आया था।

संजय कबलाना एक बार फिर भाजपा का दामन पकड़ लिया है। विधानसभा चुनाव के बीच भाजपा में शामिल होना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। कयास लगाए जा रहे है कि बादली से एक बार फिर भाजपा की टिकट पर संजय कबलाना चुनाव लड़ सकते है। संजय ने राजनीति भाजपा से शुरू की थी और बादली हल्के से 2009 में भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ा। 12495 वोट लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद वह आईएनएलडी में शामिल हो गए जहां वे हल्का अध्यक्ष रहे। 2019 में जजपा से बादली हलके से चुनाव लड़ा और 28089 वोट लेकर तीसरा स्थान बनाया। जजपा में संजय कबलाना ने जिला अध्यक्ष, जजपा प्रदेश पंचायत सेल के अध्यक्ष रहे। दो माह पहले ही संजय ने जजपा के सभी पदों से इस्तीफा देकर पार्टी छोड़ दी थी।

जातीय समीकरण के हिसाब से टिकट देने की रणनीति

चंडीगढ़, 02 सितंबर (एजेंसियां)। मतदान की तारीख आगे बढ़ने के साथ भाजपा उम्मीदवारों की सूची जारी करने में थोड़ा समय और लेगी। भाजपा उम्मीदवारों की सूची जारी होने में अभी दो दिन और लग सकते हैं। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व हरियाणा भाजपा के कोर ग्रुप के साथ टिकटों के मंथन में जुटा है।

रविवार रात भी केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के आवास पर बाकी बची सीटों पर प्रत्याशियों के नाम पर मंथन किया गया। बैठक में सीएम नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी मौजूद रहे। इससे पहले केंद्रीय समिति की बैठक में 55 सीटों पर सहमति बन चुकी है। हरियाणा कोर ग्रुप व प्रभारी के बीच प्रत्याशियों के नाम पर सहमति बनने के बाद केंद्रीय नेतृत्व इस सूची की समीक्षा करेगा और उसके बाद अंतिम मुहर लगाई जाएगी। वहीं, भाजपा के एक नेता का कहना है कि पार्टी कांग्रेस की सूची के इंतजार में है। कांग्रेस की सूची जारी होने के बाद ही पार्टी अपनी सूची जारी करेगी।

पार्टी जिताऊ उम्मीदवार के साथ हर विधानसभा क्षेत्र के जातीय समीकरणों को भी परख रही है। बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने देरी से टिकट जारी कर भाजपा को जातीय समीकरण के भंवर में फंसा दिया था। भाजपा की केंद्रीय समिति की बैठक के बाद पहली सूची जारी न होने के पीछे एक कारण यह भी है कि कुछ सीटों पर पार्टी जबरदस्त सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही है।

इसे कम करने के लिए पार्टी दूसरे उम्मीदवारों पर मंथन कर रही है। उम्मीदवारों के बदलने से भी सूची जारी होने में देरी हो रही है। साथ ही उम्मीदवारों के एलान के बाद किसी भी तरह की गुटबाजी व विरोध को को रोकने के लिए भी सूची जारी करने में देरी की जा रही है। पार्टी नेतृत्व को डर है कि यदि किसी बड़े नाम को मौका नहीं मिलता है तो वह कांग्रेस या अन्य विरोधी खेमे में जाकर पार्टी उम्मीदवार का खेल न बिगाड़ दे।

उम्मीदवारी की घोषणा से पहले भाजपा में बगावत के संकेत मिलने लगे हैं। पूर्व मंत्री राव नरबीर ने रविवार को दावा किया कि वह बादशाहपुर से ही चुनाव लड़ेंगे। भाजपा टिकट नहीं देती है तो कांग्रेस से चुनाव लड़ेंगे। हालांकि वह पहले भी इस तरह की बयान देते रहे हैं। वहीं, रतिया से पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल के चुनाव लड़ने की संभावना से विधायक लक्ष्मण नापा ने भी अंदरखाते नाराजगी जाहिर की है। भाजपा में शामिल होने के बाद जजपा के बागी विधायकों के नाम भी उम्मीदवारों की सूची में शामिल हो गए हैं। नारनौंद के विधायक रामकुमार गौतम भी भाजपा से टिकट मांग रहे हैं। जबकि नारनौंद से भाजपा के कैप्टन अभिमन्यु काफी दिनों से मेहनत कर रहे हैं। ऐसे में टिकट देकर सभी को संतुष्ट कर पाना भाजपा के लिए आसान नहीं होगा।

हरियाणा चुनाव में यूपी के सियासी दलों की बढ़ी धमक

चंडीगढ़, 02 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव की गहमागहमी बढ़ने लगी है। इसी क्रम में यहां एक खास बात यह देखने को मिल रही है कि पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के प्रमुख दल भी सियासत में हिस्सेदारी चाह रहे हैं। शायद यही वजह है कि यूपी की बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने हरियाणा के इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) तथा यूपी की आजाद समाज पार्टी (आसपा) ने हरियाणा की जननायक जनता पार्टी (जजपा) से गठबंधन कर लिया है। दिलचस्प यह भी है कि इंडिया गठबंधन की घटक यूपी की समाजवादी पार्टी (सपा) ने कांग्रेस तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने भाजपा से सीट की मांग कर रखी है।

हरियाणा की प्रमुख पार्टी इनेलो से गठबंधन के बाद बसपा 34 सीट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। वहीं जजपा से गठबंधन के बाद आसपा 20 सीट पर खम ठोक रही है। उधर, सपा ने कांग्रेस से हरियाणा में पांच सीट मांग रखी है। जबकि रालोद को भाजपा एक से दो सीट देने के मूड में है। सपा और आसपा केंद्र में विपक्ष में हैं। वहीं, रालोद एनडीए गठबंधन में शामिल है। रालोद के मुखिया जयंत चौधरी मोदी सरकार की कैबिनेट में भी शामिल हैं। बसपा इन दोनों में से किसी गुट में शामिल नहीं है।

बात यदि जातीय समीकरणों की हो तो हरियाणा और उत्तर प्रदेश एक-दूसरे के पड़ोसी हैं। फलतः यहां की परिस्थितियां और जातीय समीकरण काफी मिलते-जुलते हैं। शायद यही वजह है कि उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय दलों को हरियाणा की सियासत में राह आसान दिख रही है। वैसे हरियाणा में बसपा के अलावा यूपी के किसी क्षेत्रीय दल ने न तो कोई चुनाव लड़ा है और न ही उनका संगठन है। 2019 का विधानसभा चुनाव छोड़ दें तो बसपा वर्ष 2000 से लगातार हरियाणा में एक विधानसभा सीट पर जीत हासिल करती रही है।बसपा को हर चुनाव में पांच से साढ़े सात फीसद तक वोट मिलते रहे हैं। 2019 के चुनाव में बसपा एक भी सीट नहीं जीत पाई और पार्टी का मत भी 2014 की तुलना में दो फीसद से अधिक गिर गया। अब बसपा की कमान आकाश आनंद के हाथ में है और पार्टी एक बार फिर 21 फीसद अनुसूचित जाति के मतदाताओं के सहारे हरियाणा में पैर जमाना चाह रही है। इनेलो और बसपा गठबंधन के बाद जजपा ने आसपा से गठजोड़ किया है। इस समझौते से आसपा से अधिक जजपा को मदद मिलने की आस है। किसानों की नाराजगी और विधायकों के साथ छोड़ने से जजपा अनुसूचित जाति के मतदाताओं के भरोसे अपनी स्थिति सुधारना चाहती है। सपा हरियाणा में कांग्रेस के सहारे अपनी जमीन तलाशना चाह रही है, लेकिन अभी तक दोनों दलों में बात नहीं बनी है। हरियाणा कांग्रेस के नेता विधानसभा चुनाव में किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करना चाहते हैं।

कांग्रेस के नेताओं को भरोसा है कि पार्टी बिना किसी गठबंधन के प्रदेश की सत्ता हासिल कर लेगी। वहीं, सपा 3.5 फीसद मुसलिम, 30 फीसद ओबीसी और उत्तर प्रदेश के करीब 12 लाख प्रवासी मतदाताओं के प्रभाव वाली पांच सीटों पर प्रत्याशी उतारना चाह रही है। लोकसभा चुनाव से कुछ समय पहले एनडीए में शामिल हुआ रालोद अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश से जुड़ी और जाट मतदाताओं के प्रभाव वाली सीटों पर चुनाव लड़ना चाह रही है। रालोद के मुखिया जयंत चौधरी के दादा चौधरी चरण सिंह की ससुराल हरियाणा के सोनीपत गांव गढ़ी कुंडल में है। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह का प्रभाव आज भी हरियाणा के जाट मतदाताओं पर है। दूसरी ओर 22 जाट मतदाताओं को साधने के लिए भाजपा भी रालोद को एक से दो सीटें दे सकती है। दिल्ली में हुई भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में इस पर चर्चा भी हुई है। हरियाणा की राजनीति में कांग्रेस के विकल्प के रूप लोक दल ही था। कांग्रेस आज भी अपनी जगह कायम है। उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय दल जिन सामाजिक, जातीय व क्षेत्रीय समीकरणों को देखते हुए हरियाणा की राजनीति में उतरना चाह रहे हैं उसमें उनकी राह आसान नहीं होगी।

पेपर लीक मामले में नया खुलासा

आरपीएससी सदस्य ने बेटे-बेटी को पहले ही पकड़ा दिया था प्रश्नपत्र

जयपुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक मामले में इन परीक्षाओं का आयोजित करवाने वाली संस्था आरपीएससी की भूमिका ही अब जांच के घेरे में आ चुकी है। एसओजी ने रविवार देर शाम आरपीएससी मेंबर रामू राइका को गिरफ्तार कर लिया। उन पर आरोप है कि उन्होंने परीक्षा से पहले ही अपने पुत्र देवेश राइका और पुत्री शोभा राइका को पेपर दे दिया। दोनों का चयन सब इंस्पेक्टर में हो गया था। एसओजी इन दोनों ट्रेनी सब इंस्पेक्टर्स को शनिवार को ही गिरफ्तार कर लिया था।

एसओजी रविवार दिन में रामू राम राईका के बेटा-बेटी सहित 5 ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार कर लिया था। मजिस्ट्रेट के सामने पेश करके 7 सितंबर तक रिमांड पर भेज दिया। एसआई भर्ती परीक्षा में एसओजी ने अब दूसरे सदस्य को गिरफ्तार किया है। इससे पहले आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा सेकंड ग्रेड शिक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक में गिरफ्तार हो चुका है।

दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को मिलेंगे 10 हजार रुपए

जयपुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य की उपमुख्यमंत्री व महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने बताया कि 2024-25 में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के अंतर्गत दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम संतान के लिए वर्तमान में दी जा रही 6500 रुपए की राशि को 1 सितंबर से बढ़ाकर 10 हजार रुपए कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु मजबूत कदम है।

योजना की जानकारी देते हुए दिया कुमारी ने बताया कि दिव्यांग महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान तथा संतान के जन्म के पश्चात अधिक पौष्टिक आहार मिल सके इस हेतु उक्त राशि में बढ़ोतरी कर उसे 10 हजार रुपए किया गया है। इसके साथ ही मां और बच्चे का बेहतर स्वास्थ्य हो तथा उनका टीकाकरण सुनिश्चित हो सके इस हेतु उक्त प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि 3500 रुपए की यह अतिरिक्त राशि 100 प्रतिशत राज्य निधि से डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी।

निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं ओपी बुनकर ने बताया कि राज्य सरकार ने परिवर्तित बजट वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के अंतर्गत दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को प्रथम संतान के लिए वर्तमान में दी जा रही राशि को 1 सितंबर से बढ़ाकर 10 हजार रुपए कर दिया है। उन्होंने बताया कि योजना के अनुसार प्रथम किश्त का भुगतान आंगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकरण एवं कम से कम एक प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच पर पूर्व में 3000 रुपए दिए जाते थे, जिसे बढ़ाकर 4000 रुपए कर दिया गया है। बच्चे के जन्म पर पूर्व में मिलने वाले 1500 रुपए की द्वितीय किश्त को बढ़ाकर 3000 रुपए कर दिया गया है और बच्चे के जन्म का पंजीकरण एवं प्रथम चरण के संपूर्ण टीकाकरण पर चौदह सप्ताह की आयु तक के सभी टीके पूर्ण करवाने पर मिलने वाली तीसरी किश्त 2000 रुपए को बढ़ाकर 3000 रुपए कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बढ़ी हुई राशि 3500 रुपए ऐसी महिलाएं को देय है, जो आंशिक रूप से (40 प्रतिशत) अथवा पूरी तरह से अक्षम हैं।

उन्हें डीबीटी के माध्यम से उक्त राशि दी जाएगी।उपमुख्यमंत्री व महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने यह भी बताया कि 1 सितंबर से ही प्रदेश में राष्ट्रीय पोषण माह 2024 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें महिलाओं और बच्चों का पोषण को बढ़ावा देने और उनके बेहतर स्वास्थ्य की गतिविधियां संचालित करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और पोषण को भी लक्षित किया गया है। आईसीडीएस निदेशक ओपी बुनकर ने बताया कि महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले इस अभियान में एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी (झइझइ), बेहतर शासन के लिए तकनीकी उपाय, पर्यावरण संरक्षण जैसी थीम्स रखी गई हैं।

भाजपा के सदस्यता अभियान का आज होगा श्रीगणेश

जयपुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के सदस्यता अभियान के तहत मिस्ड कॉल, नमो ऐप, वेबसाइट और क्यूआर कोड स्कैन करके कोई भी व्यक्ति सदस्य बन सकता है। वहीं 3 सितंबर मंगलवार को प्रदेश में सीएम भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और प्रदेश के प्रमुख नेता सदस्यता अभियान की शुरूआत करेंगे।

अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश में सभी 51 हजार बूथों पर 1 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया हैं। प्रदेश में सदस्यता अभियान का पहला चरण 30 सितंबर तक चलेगा। अभियान के तहत एक सिम से एक ही व्यक्ति पार्टी का सदस्य बन सकता है। इस बार ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन सदस्य भी बनाए जाएंगे।

जहां मोबाइल नेटवर्क की समस्या या अन्य तकनीकी समस्या सामने आएगी, वहां ऑफलाइन फॉर्म भर कर सदस्य बनाया जाएगा। सदस्यता अभियान को लेकर प्रदेशभर में 20 से 31 अगस्त तक विशेष अभियान चलाकर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा के कार्यकर्ताओं को विशेष प्रशिक्षण और अभियान की जानकारी दी गई।

अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि सदस्यता अभियान के माध्यम से कार्यकर्ता प्रदेशभर में घर-घर जाकर भाजपा की रीति और नीति से आमजन को अवगत करवाएंगे और भाजपा के सदस्य बनाएंगे। इस अभियान के तहत पार्टी ने हर बूथ पर 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है।

धर्मांतरण की सूचना पर पुलिस ने मारा छापा

भरतपुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)। धर्मांतरण केंद्र चलने की सूचना पर र बयाना कोतवाली और सदर थाना पुलिस ने कस्बे के भीमनगर इलाके में स्थित एक घर पर छापामार कार्रवाई की। पुलिस को सूचना मिली थी कि घर में चर्च बनाकर प्रार्थना सभा का आयोजन किया जा रहा है और प्रवचन के जरिए लोगों को हिंदू से ईसाई धर्म अपनाने के लिए आध्यात्मिक तरीके से प्रेरित किया जा रहा है।

पुलिस को करीब 250 महिला-पुरुष घर के हॉल में बैठकर प्रार्थना करते मिले। पुलिस ने बिना अनुमति चल रहे इस केंद्र को बंद कराने की कोशिश की तो महिला अनुयायियों ने विरोध कर दिया। इस दौरान आसपास के काफी लोगों की भीड़ में मौके पर जमा हो गई। करीब 1 घंटे तक चले विरोध के बाद पुलिस केंद्र संचालक कैलाश कोली को पूछताछ के लिए थाने ले गई है।

पुलिस जब केंद्र संचालक को थाने लाने लगी तो महिलाओं ने केंद्र संचालक को ले जाने का विरोध किया और पुलिस की जीप को घेर लिया। हालांकि प्रार्थना सभा में मौजूद महिलाओं का कहना था कि यहां कोई धर्म परिवर्तन जैसा काम नहीं हो रहा है बल्कि प्रार्थना के जरिए लोगों को शांति मिल रही है।

केंद्र संचालक कैलाश कोली ने पुलिस को बताया कि वह 10 साल से यह केंद्र चला रहा है, जिसमें जीवन से दुखी लोगों को बाइबल की शिक्षा और प्रार्थना के जरिए शारीरिक और मानसिक शांति मिलती है। यहां धर्म परिवर्तन जैसी कोई बात नहीं होती। डिप्टी एसपी अमरसिंह मीणा ने बताया कि धर्मांतरण की सूचना पर केंद्र पर जांच की गई है। केंद्र संचालक से पूछताछ की जा रही है।

पप्पू यादव ने बाढ़ पीड़ितों के बीच बांटे रुपए सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक अनोखा और सराहनीय कदम उठाया है। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के बीच बैग से रुपये की गड्डी निकालकर बांटी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सांसद पप्पू यादव ने रुपौली प्रखंड के भौआ प्रवल पंचायत के बाढ़ पीड़ितों के बीच 2 लाख रुपये की नकद राशि का वितरण किया। उन्होंने बाढ़ से प्रभावित रूपौली के जंगलटोला, टोपरा, बिंद टोली, बलिया, और सधोपुर गांव का दौरा किया और वहां के

बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने उनकी पीड़ा को समझा और उनके साथ खड़े होकर उनकी मदद की। उन्होंने कहा सरकार ने बाढ़ पीड़ितों को उनके हाल पर छोड़ दिया है, लेकिन हम अपने लोकसभा क्षेत्र के लोगों के साथ खड़े हैं और बेटे का कर्तव्य निभा रहे हैं।'' सांसद पप्पू यादव ने लोगों को आश्वासन दिया कि इस विपदा की घड़ी में वे उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे।

पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि कल फिर से 500 से अधिक घरों में राशन और अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की जाएंगी। बाढ़ पीड़ित लोगों का कहना है कि सांसद पप्पू यादव का यह कदम न केवल बाढ़ पीड़ितों के लिए एक बड़ी राहत है, बल्कि यह एक मिसाल भी है कि कैसे नेता अपने लोगों के साथ खड़े होकर उनकी मदद कर सकते हैं।

रोहतास में भीषण हादसा तीन दोस्तों की मौत

पटना (एजेंसियां)। रोहतास में भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों दोस्त थे। वहीं दो युवकों की हालत गंभीर है। दोनों का इलाज चल रहा है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना रोहतास थानाक्षेत्र के समहुता गांव के पास की है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि तीनों दोस्त रविवार मध्य रात्रि बाइक से बाहर से घर लौट रहे थे। अचानक बगल से दूसरी बाइक आ गई। जब तक दोनों

बाइक सवार संभल पाते तब तक दोनों गाड़ी के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बाइक पर सवार लोग जमीन पर गिर गए। इसमें से दो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं एक ने अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं दूसरी बाइक पर सवार दोनों युवकों की हालत गंभीर है।

पुलिस का कहना है कि मरने वाले तीनों युवकों की पहचान तिलौथू थानाक्षेत्र के बाबूगंज के रहने वाले रजनीश कुमार, पंकज कहार तथा लखन चौधरी के रूप में हुई है। वहीं घायल छोटेलाल एवं बिट्टू कुमार को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। दो बाइक की टक्कर में तीन युवकों की मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंचकर डेड बॉडी का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम कर कर परिजनों को सौंप दी है।

मोतिहारी में चोरी का विरोध करने पर बदमाशों ने युवक को मारी गोली, हालत गंभीर

मोतिहारी (एजेंसियां)। मोतिहारी के मेहसी थानाक्षेत्र के बथना में सोमवार की सुबह करीब पांच बजे तेल चोरी का विरोध करने पर एक युवक को गोली मार दी गई। घटना बथना पुराना पेट्रोल पंप के पास बाबा लाइन होटल की है। जहां दीपक कुमार (28) को तेल चोर गिरोह ने गोली मार दी। फिलहाल दीपक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, बाबा लाइन होटल के पास सुबह पांच बजे के करीब तेल चोर गिरोह के लोग एक ट्रक से तेल चोरी कर रहे थे। इस दौरान होटल में सो रहा दीपक कुमार जागा और चोरी का विरोध किया। इस पर गिरोह

के एक सदस्य ने दीपक को सिर के पिछले हिस्से में गोली मार दी, जिससे वह तुरंत जमीन पर गिर पड़ा। गोली की आवाज सुनकर होटल के अन्य लोग जाग गए और फौरन घायल दीपक को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां से उसकी चिंत-ाजनक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच रेफर कर दिया।

घटना के बाद तेल चोर गिरोह मौके से कार में सवार होकर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।

इधर, दीपक कुमार के परिवार और स्थानीय लोगों में घटना को लेकर भारी रोष है। लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने और इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने की मांग की है।

जन्माष्टमी की मूर्ति विसर्जन के वक्त बड़ा हादसा, नदी में चार लोग डूबे

दो दोस्तों में से एक का शव बरामद

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में जन्माष्टमी पर्व खत्म होने के बाद मूर्ति विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में चार लोग नदी में डूब गए, जिनमें से दो लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जबकि बाकी दो की तलाश के दौरान एक का शव बरामद हुआ है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई। मौके पर ग्रामीणों के द्वारा लखनदेई नदी में शव को तलाशा

जा रहा है। यह पूरी घटना औराई थानाक्षेत्र के रामनगरा की बताई गई है।

जानकारी के मुताबिक, रविवार की देर शाम जन्माष्टमी की मूर्ति का विसर्जन किया जा रहा था। करीब शाम सात बजे के दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग मूर्ति को विसर्जन करने जा रहे थे। उसी वक्त चार लोग गहरे पानी में चले गए। उसके बाद अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। हालांकि मौके पर मौजूद लोगों ने पानी में से दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। लेकिन दो लोग लखनदेई नदी की तेज धार में बह गए। बताया जा रहा है कि दो लोग अंशु और पंकेश में से एक का शव मिल गया है। दोनों दोस्त थे। इस घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

औराई के एक प्रत्यक्षदर्शी मुकुल कुमार ने बताया कि सैकड़ों की संख्या में हम लोग मूर्ति विसर्जन करने के लिए जा रहे थे। उस दौरान अचानक ही चार लोग गहरे पानी में चले गए, जिनमें से दो लोगों को बाहर निकाल लिया गया। लेकिन अंशु और पंकेश नदी के पानी में डूब गए। दोनों की गहरी दोस्ती थी। एक स्नातक का छात्र था तो दूसरा आईटीआई में पढ़ाई कर रहा था।

पूरे मामले औराई थाना अध्यक्ष रूपक ने बताया कि देर शाम को मूर्ति विसर्जन की घटना घटित हुई है। कुछ लोग डूब रहे थे और दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दो लापता थे, एक का शव डूठक्र द्वारा निकाला जा चुका है। देर रात की वजह रेस्क्यू ऑपरेशन नहीं किया जा सका। आज सुबह से डूठक्र की टीम ने कार्य शुरू कर दिया है।

उपमुख्यमंत्री के गृह जिले में भाजपा नेता समेत दो की हत्या

पटना (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के गृह जिले मुंगेर जिले में 24 घंटे के अंदर चार बड़ी घटना को अपराधियों ने अंजाम दिया है। इसमें भाजपा नेता सहित दो लोगों की गोली मारकर हत्या की गई। वहीं धरहरा एवं कासिम बाजार थाना क्षेत्र में दो लोगों को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया है। घायल दोनों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई।

पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना कि अपराधियों भाजपा के नगर अध्यक्ष फंटुश कुमार उर्फ बंटी

सिंह की हत्या समेत दो लोगों की हत्या की है। वहीं दो अन्य लोगों को भी दो लगी है। मामले की जांच की जा रही है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा ही है। हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हत्यारों की तलाश में छापेमारी चल रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि भाजपा नेता अपने चार साल के बेटे के साथ अपनी दुकान पर सो रहे थे। इसी दौरान अपराधियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। सुबह हमलोगों ने बेड पर पड़ा हुआ शव देखा तो दंग रह गया। लोगों का कहना है कि भाजपा नेता कच्ची कांवरिया पथ पर चाय-नाश्ते की दुकान चलतो थे। किसने और किस कारण से इस वारदात को अंजाम यह जांच का विषय है।

वहीं जिले के नया रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बौछाही गांव के पास अज्ञात अपराधी ने एक बोलेरो चालक के सिर में में गोली मारकर हत्या कर दी और शव को ठिकाना लगाने के लिए अपराधियों ने एनएच 80 स्थित सड़क किनारे शव को फेंक दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल मुंगेर भेज दिया है। मृत बोलेरो ड्राइवर की पहचान बेगूसराय जिले क्षेत्र के मटिहानी इलाके के निवासी के रूप में हुई। । वहीं घटना के बाद से मृतक बोलेरो ड्राइवर का बोलेरो गाड़ी एवं मोबाइल गायब बताए जा रहे हैं। पुलिस मामले की लगातार जांच कर रही है। घटना के बाद तारापुर एसडीपीओ सहित कई थाने के पुलिस पहुंची और मामले की जांच में जुटी हुई है। एफएसएल की टीम को बुलाया गया है।

पानी भरे गड्ढे में डूबे चार बच्चे, एसडीआरएफ की टीम चला रही सर्च ऑपरेशन

पटना (एजेंसियां)। पटना के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के टेका बीघा गांव में सोमवार को नहाने के दौरान पानी भरे गड्ढे में चार बच्चे डूब गये। बच्चों के डूबने की सूचना मिलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना बख्तियारपुर थाने को दी। सूचना मिलते ही बख्तियारपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोर के साथ सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि घंटो प्रयास के बावजूद एक बच्चे की लाश बरामद हुई है।

इस बीच बाढ़ अनुमंडल के एसडीपीओ टू अभिषेक सिंह ने कहा कि एसडीआरएफ की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के टेका बीघा गांव में धोबी घाट के

नजदीक गांव के 12 बच्चे नहाने गए थे। नहाने के दौरान कुछ बच्चे पानी से बाहर निकल आए। इस बीच चार बच्चे गहरे पानी में चले गए और गहरे पानी होने के कारण पानी में लापता हो गया। बच्चों के पानी में डूबने की सूचना मिलते ही टेका बीघा गांव में अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। परिवार के लोग सूचना पाकर पानी बड़े गड्ढे में पहुंचे और पानी में डूबे युवकों की तलाश शुरू हो गई। इस बीच स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बख्तियारपुर थाने को दी।

पुलिस ने स्थानीय गोताखोर और ग्रामीणों की मदद से पानी में डूबे बच्चों की तलाश कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, पानी में डूबे बच्चों की पहचान सूरज कुमार (12), प्रिंस कुमार (13), पवन कुमार (12) एवं राजहंस कुमार (13) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी देते हुए बाढ़ अनुमंडल के एसडीपीओ अभिषेक सिंह ने बताया कि बच्चों के परिजनों को जो मदद और मुआवजा मिलनी चाहिए, वह प्रशासन की तरफ से मिलेगा। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

राहुल गांधी ने उठाया वायनाड में पर्यटन को पुनर्जीवित करने का मुद्दा

दूर करना होगा लोगों का डर

वायनाड (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वायनाड में पर्यटन को पुनर्जीवित करने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने यह भी कहा कि भूस्खलन के बाद क्षेत्र में हुई तबाही को लेकर लोगों के डर को दूर करना होगा। उनको समझाना होगा कि भूस्खलन पूरे वायनाड नहीं बल्कि एक क्षेत्र विशेष में हुआ था।

राहुल गांधी ने केरल कांग्रेस के नेताओं और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ वर्चुअल बैठक में पर्यटन के मुद्दे पर चर्चा की।

उन्होंने वायनाड में राहत और पुनर्वास को लेकर किए जा रहे प्रयासों की एक वीडियो क्लिप साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया कि वायनाड भूस्खलन के बाद हुई तबाही से लगातार उबर रहा है। यहां सभी समुदाय और संगठनों के लोगों को एक साथ आता देखकर खुशी हो रही है।

उन्होंने लिखा कि वायनाड के लिए पर्यटन सबसे महत्वपूर्ण पहलू

है।

जब वहां बारिश बंद हो जाए तो पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए पहल की जाए। साथ ही लोगों को यहां आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। हमें यह ध्यान रखना है कि भूस्खलन वायनाड के एक विशिष्ट क्षेत्र में हुआ था।

राहुल गांधी ने कहा कि वायनाड अद्भुत पर्यटन स्थल है। जल्द ही यह अपने पूरे प्राकृतिक आकर्षण के साथ भारत और पूरी दुनिया के पर्यटकों का स्वागत करने के लिए तैयार होगा। इसके लिए हम सबको एक बार फिर साथ में आना होगा। उन्होंने कहा कि वायनाड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सबसे अहम यह है कि हम लोगों के मन से यह डर दूर करें कि यह एक खतरनाक जगह है।

उन्होंने कुछ प्रमुख मुद्दों पर ध्यान देने की बात कही। राहुल ने कहा कि राहत और पुनर्वास पर अंतर-विभागीय समन्वय, अपर्याप्त मुआवजा, किराये और पर्यटन पर प्रभाव जैसे मामलों पर ध्यान देने की जरूरत है। भूस्खलन में कई लोगों ने अपनी आजीविका खो दी है, इसलिए किराये के मुद्दे पर फोकस करने की जरूरत है।

दरअसल, लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने दो निर्वाचन क्षेत्रों रायबरेली और वायनाड सीट से जीत हासिल की थी। केरल की वायनाड सीट से उन्होंने इस्तीफा दे दिया, जहां से उनकी बहन प्रियंका गांधी उपचुनाव लड़ेंगी। वायनाड में हाल ही में हुए भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

भाजपा नेता ने दिव्यांग से किया दुष्कर्म, वीडियो भी कर दिया वायरल

पटना (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले में हैवानियत हुई है। इसको अंजाम देने का आरोप भाजपा नेता पर लगा है। आरोप है कि शनिवार देर शाम भाजापा नेता नरेश राम तुरी ने दिमागी तौर पर कमजोर लड़की का दुष्कर्म किया है। इतना ही नहीं उसने हैवानियत के बाद फोटो और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मामला तूल पकड़ने लगा तो पुलिस ने आरोपी भाजपा नेता को गिरफ्तार कर लिया। अब यह मामला काफी चर्चा में है। इस सियासत भी शुरू हो गई है। विपक्ष के नेता भाजपा नेता पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

यह पूरा मामला गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र की एक गांव की है। मिली जानकारी के मुताबिक बीते दिन फतेहपुर थाना क्षेत्र में दिमागी तौर पर कमजोर लड़की के साथ भाजपा के पूर्व विधायक स्व. काली चरण के अधेड़ पुत्र ने बहला फुसलाकर कर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। पीड़िता के परिजनों ने महिला थाना में आरोपी पर एफआईआर दर्ज कराई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com